झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

धनबाद, शनिवार 27.07.2024

मूल्य- ₹ 3

वर्ष-30 अंक-156 पृष्ठ- 12

श्रावण कृष्ण पक्ष-6

संवत 2081

पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे:मुख्यमंत्री

वन महोत्सव पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में एक बड़ा अभियान 0 हम सभी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का लें संकल्प

रांची (ससे): पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे। अगर पेड़- पौधे नहीं होंगे तो प्राणियों पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हो, इसके लिए पर्यावरण का संरक्षण नितांत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित ७५ वां राज्यव्यापी वन महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और अन्य अतिथि गणों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

७५ वर्षों से मनाते आ रहे हैं वन महोत्सव

मुख्यमंत्री ने कहा कि ७५ वर्षों से हम वन महोत्सव मनाते आ रहे हैं। आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि शुरुआत के वन महोत्सव में जो पौधे लगे होंगे, वे वर्तमान समय में किस स्थिति में होंगे। वन महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित करने का एक बड़ा अभियान है । ऐसे में हम सभी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का संकल्प लें, ताकि पर्यावरण में जो असंतुलन पैदा हो रहा है उसे नियंत्रित कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल-जंगल और जमीन झारखंड की पहचान रही है। एक ऐसा भी वक्त था, जब राज्य में चारों ओर घने जंगल थे। हर तरफ हरियाली ही हरियाली थी। उसे दौरान यहां वृक्षारोपण की कोई जरूरत नहीं पड़ती थी। लेकिन, जैसे-जैसे विकास की ओर बढ़ते गए, जंगलों पर खतरा पैदा होता गया । उद्योग -धंधे का विस्तार, बड़े पैमाने पर खनन कार्य होने और , पूल -पुलिया सड़कों का जाल बिछने समेत कई अन्य कारणों से बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए । जहां जंगल हुआ करते थे, वहां कंक्रीट के जंगल बन गए। प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से आज हमें तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए सभी को आगे आना होगा, तभी पर्यावरण के साथ अपने जीवन को सुरक्षित रख पाएंगे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री श्री रामेश्वर उरांव, श्री इरफान अंसारी एवं श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, कई विधायकगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, पीसीसीएफ श्री संजय श्रीवास्तव समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

अनुराग गुप्ता बने झारखंड के डीजीपी

आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना होगी प्राथमिकता

रांची (ससे): १९९० बैच के आईपीएस अनुराग गुप्ता को सरकार ने झारखंड का प्रभारी डीजीपी बनाया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार को जारी कर दी है. अनुराग गुप्ता अभी सीआईडी डीजी के पद पर पदस्थापित हैं. वह एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के डीजी भी हैं. वहीं झारखंड डीजीपी के पद पर पदस्थापित अजय कुमार सिंह को पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का एमडी बनाया गया है. जारी अधिसूचना के मुताबिक, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी प्रशांत सिंह को डीजी वायरलेस बनाया गया है.

झारखंड पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को अनुराग गुप्ता ने तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह से पदभार ग्रहण किया. इस दौरान अनुराग गुप्ता ने कहा कि अपराध, विधि-व्यवस्था संधारण, आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना और पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता होगी.

साथ ही उन्होंने कहा की पुलिस की बहाली, उनकी प्रोन्नति, समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त उन्होंने संगठित अपराध, साइबर क्राइम, नशीले पदार्थों, महिलाओं के विरूद्ध किये जाने वाले अपराधों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने को अपनी प्राथमिकता बताई. थानों की पुलिसिंग, पुलिस थानों में आम जनता के साथ पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा अच्छे व्यवहार, उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन, बुजुर्ग, कमजोर और महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने को अपनी उच्चतम प्राथमिकता बतायी.

जानकारी के मुताबिक, आईपीएस अनुराग गुप्ता झारखंड पुलिस में महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं. वह गढ़वा व हजारीबाग एसपी और रांची के एसएसपी के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं. इसके अलावा वह बोकारो रेंज के डीआईजी के पद पर लंबे समय तक काम कर चुके हैं.

झारखंड पुलिस मुख्यालय में उन्हें लंबे समय तक एडीजी स्पेशल ब्रांच के पद पर काम करने का भी अनुभव है.

सनी हों या सलमान अपनी मर्जी से बिना नेम प्लेट चला सकते हैं दुकान:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग पर ढाबों-दुकानों के नेम प्लेट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, चाहे सनी हों या सलमान अपनी मर्जी से बिना नेम प्लेट के भी दुकान चला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई कर आदेश पर अंतरिम रोक का फैसला बरकरार रखा है। अदालत में यूपी की योगी सरकार ने नेम प्लेट वाले आदेश के पक्ष में खूब दलीलें दीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एक भी दलील नहीं मानी। आदेश बरकरार रखकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम नाम लिखने को मजबूर नहीं कर सकते। योगी सरकार की दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को १ हफ्ते में जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमारा आदेश साफ है।

नेम प्लेट वाले आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंहवी ने कहा कि मुझे यूपी का जवाब शनिवार सुबह मिला है। वहीं, यूपी की ओर से वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यूपी ने अपना जवाब दाखिल कर दिया। वहीं, मध्य प्रदेश ने कहा कि उनके प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ सिर्फ उज्जैन म्युनिसिपल ने जारी किया था लेकिन कोई दबाव नहीं डाला गया है।

मामले की सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा कि सोमवार को इस पर सुनवाई करे, वरना इसका कोई मतलब नहीं रहेगा। इसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जवाब में यूपी सरकार ने स्वीकार किया है कि कम समय के लिए ही सही हमने भेदभाव किया है। ▶▶ 4

कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी बोले अग्निवीर पर झूठ फैला रहा विपक्ष

द्रास (ईएमएस)।: कारगिल विजय दिवस की २५वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख में १विनोद उपाध्याय / २६ जुलाई, २०२४ की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। वे कारगिल वॉर मेमोरियल भी गए। करीब २० मिनट के संबोधन में पीएम ने पाकिस्तान, आतंकवाद, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अग्निपथ योजना और विपक्ष पर बात की। पीएम ने कहा कि पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर के जरिए चर्चा में बना रहना चाहता है। उन्होंने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। अतीत में आतंकवाद को लेकर उनके हर प्रयास विफल रहे। मैं जहां खड़ा हूं, वहां से आतंक के आकाओं तक मेरी आवाज पहुंच रही होगी। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना का रिफॉर्म्स हमारी पहली प्राथमिकता है। अग्निपथ योजना इसका हिस्सा है। संसद में दशकों तक सेना को युवा बनाने पर चर्चा होती रहीं। कई कमेटियों में ये विषय उठा, लेकिन इस बदलाव की पहले इच्छा शक्ति नहीं दिखाई गई। कुछ लोगों की मानसिकता यही थी कि सेना मतलब नेताओं को सलाम करना, परेड करना। हमारे लिए सेना मतलब १४० करोड़ देशवासियों की सुरक्षा, शांति की गारंटी। अग्निपथ योजना के जरिए इसे हमने साकार किया है। दुर्भाग्य से इतने संवेदनशील विषय को कुछ लोगों ने राजनीति का विषय बना दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कारगिल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद लद्दाख में शिंकुन ला टनल प्रोजेक्ट के लिए पहला ▶▶ 4

हिम शिवलिंग के दर्शन करने 2,500 से ज्यादा तीर्थयात्री रवाना

जम्मू,(ईएमएस): अमरनाथ गुफा में शिवलिंग के दर्शन के लिए शुक्रवार तड़के बारिश के बीच ढाई हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि अब तक ४.३६ लाख श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। पिछले साल ४.५ लाख से ज्यादों भक्तों ने शिवलिंग के दर्शन किए थे।

उन्होंने बताया कि ८४ वाहनों में सवार ढाई हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों का २९वां जत्था तड़के ३:२० मिनट पर भगवती नगर शिविर से रवाना हुआ। इस दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई। अधिकारियों ने ▶▶ 4

कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी विशेष कोर्ट में हुए हाजिर, दर्ज कराया अपना बयान

सुलतानपुर (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर हुए। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल गांधी ने अपने वकील काशी प्रसाद शुक्ल व परिवादी के वकील संतोष पांडेय की मौजूदगी में अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट ने परिवादी के साक्ष्य के लिए १२ अगस्त की तारीख नियत की है। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया बंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने ४ अगस्त २०१८ को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत पहले ही हो चुकी है। कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराने के बाद कोर्ट से बाहर आते ही राहुल गांधी जिन्दाबाद के जमकर नारे लगे।

संविधान हत्या दिवस के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को संविधान हत्या दिवस के विरोध में दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। केंद्र सरकार ने २५ जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने १२ जुलाई को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी थी। अगले दिन १३ जुलाई को सरकार ने नोटिफिकेशन भी जारी किया था।

सरकार ने इसे इंदिरा गांधी सरकार द्वारा १९७५ में लगाई गई इमरजेंसी के खिलाफ लड़ने वाले लोगों के लिए श्रद्धांजलि बताया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कि अधिसूचना ▶▶ 4

आदिवासियों के धर्मांतरण को रोकने के लिए सोरेन सरकार ने क्या किया: हाईकोर्ट

रांची (ईएमएस): झारखंड हाईकोर्ट में राज्य में आदिवासियों के धर्मांतरण पर रोक की मांग वाली जनहित याचिका की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले में राज्य और केंद्र की मोदी सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि झारखंड के किन-किन जिलों में आदिवासियों का धर्मांतरण हो रहा है और कितनों ने मतांतरण किया है? सोरेन सरकार इस रोकने के लिए कर कर रही है।

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस पीके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने पूछा है कि झारखंड के किन-किन जिलों में आदिवासियों का धर्मांतरण हो रहा है और कितनों ने मतांतरण किया है? सोरेन सरकार धर्मांतरण रोकने के लिए क्या-क्या कार्रवाई कर रही है? अदालत ने इस संबंध में दोनों को विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई २७ अगस्त को होगी है। सोमा उरांव की ओर से झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता ने बताया कि ▶▶ 4

जहरीली गैस के रिसाव से चार की मौत

कटनी (ईएमएस); मध्य प्रदेश के कटनी जिले में कुएं में पंप लगाने उतरे चार लोगों की जहरीली गैस के रिसाव से मौत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताकर मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया।

जानकारी के अनुसार, जुहली गांव में संजय के कुएं का पंप खराब हो गया था। ठीक करने के लिए पिंटू को कुएं में उतारा गया। वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तब एक-एक कर तीन और लोग कुएं में उतर गए। लेकिन जहरीली गैंस के रिसाव से चारों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया है। चारों के शव कुएं से ▶▶ 4

अग्निपथ योजना पर खुलेआम झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खड़गे

पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे के बयान का ज़िक

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कारगिल विजय दिवस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की आलोचना पीएम मोदी द्वारा द्रास में एक संबोधन के दौरान अग्निपथ योजना की आलोचना के लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने जैसे अवसरों पर भी तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी का दावा कि उनकी सरकार ने सेना के आदेश पर अग्निपथ योजना लागू सरासर झूठ और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का अक्षम्य अपमान है। ▶▶ 4

चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करे भारत

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन की सरकार ने भारत से कहा है। वह भारत से चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने की पहल करे। चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट पर भारत सरकार से यह आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है, २०२० में भारत और चीन के बीच में गलवान घाटी में हुये संघर्ष के बाद से भारत से चीन के लिए सीधी फ्लाइट बंद कर दी गई थी। अभी चीन जाने के लिए यात्रियों को ढाका हांगकांग सिंगापुर बैंकॉक होते हुए चीन जाना पड़ता है।

जी २० की विदेश मंत्रियों की बैठक मार्च २०२३ में भारत में हुई थी। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री ने यह मामला उठाया था। भारत सरकार ने सीमा विवाद होने के कारण सीधी फ्लाइट चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। भारत से चीन जाने वाले यात्रियों की संख्या बहुत थी। भारत सरकार ने जब से प्रतिबंध लगाया है। तब से अभी तक एअर चायना, ईसटर्न चायना और वेस्टर्न चायना की तीनों एयरलाइंस को लगभग २५००० करोड़ का घाटा हो चुका है। भारत से सीधी फ्लाइट बंद होने के पहले हर माह ५९० फ्लाइट भारत और चीन के बीच में चलती थी। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान चीनी एयरलाइंस को हुआ है। चीन की जीडीपी ग्रोथ लगातार घट रही है। इसलिए चीन अब अपनी जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने के लिए भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को ठीक-ठाक करने में लगा हुआ है।

आप किसानों का अनादर कर रहे हैं, अन्नदाता की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं: जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (ईएमएस): राज्यसभा में शुक्रवार को बजट २०२४ में किसानों को लेकर किए गए प्रावधानों पर चर्चा के दौरान राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला और शक्ति सिंह गोहिल पर इस कदर नाराज हो गए कि उन्हें सदन से बाहर जाने का निर्देश दे दिया।

धनखड़ ने कहा, जो किसानों के मुद्दे पर चर्चा होने नहीं होने दे रहे हैं। वे किसान की पीठ में छुरा घोंपने का काम कर रहे हैं। ऐसे सांसद किसानों को फांसी पर टांगने का काम कर रह कर रहे हैं।

चर्चा में बाधा डालने वाले पहले अपने गिरेबां में झांकिए। अपने १० साल के शासन को देखिए।

दरअसल, शुक्रवार को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों के लिए बजट के अलॉटमेंट पर सवालों के जवाब दे रहे थे। चौहान ने जब किसानों को उनके उत्पादन का ठीक दाम देने की बात कही, तो विपक्ष के सांसदों ने हंगामा कर दिया। सुरजेवाला समेत सभी सांसदों ने एमएसपी की गारंटी की बात रखी। सुरजेवाला ने यहां तक कि मोदी सरकार को किसान विरोधी सरकार कह दिया।

इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्षी सांसदों को फटकार लगाई। धनखड़ ने कहा, मैं किसान परिवार से आता हूं। मैं किसान के संकट को जानता हूं। किसानों के मामले में चर्चा कीजिए।

चर्चा में बाधा डालकर अन्नदाता का अपमान मत कीजिए। धनखड़ ने कहा, आप किसानों का अनादर कर रहे हैं।

अन्नदाता के पीठ में छुरा घोंप रहे हैं। ये मुझे कतई पसंद नहीं है। कांग्रेस सांसद सुरजेवाला से सभापति ने कहा, आप सुनना सीखिए। कृषि मंत्री जवाब दे रहे हैं। उनकी बात पूरी होने दीजिए।

गुप्त दान देने वालों पर शिकंजा नहीं कस सकता है, आयकर विभाग : हाईकोर्ट

मुंबई (ईएमएस): मुंबई हाईकोर्ट ने शिर्डी के सांई बाबा ट्रस्ट को मिलने वाले गुप्त दान पर दायर आयकर विभाग की याचिका पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है, आयकर विभाग मंदिरों को गुप्त दान देने पर भक्तों की भावना को नियंत्रित नहीं कर सकता है।

मुंबई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति सोमशेखर की खंडपीठ ने कहा सांई बाबा भगवान दत्तात्रेय के अवतार माने जाते हैं। भक्त उनकी पूजा करते हैं। जो भी दान भक्त करते हैं। वह उनकी आस्था का प्रतीक है।

साईं बाबा ट्रस्ट एक धार्मिक संस्थान है। इसे आयकर से छूट प्राप्त है। आयकर ट्रिब्यूनल का मानना है, सांई बाबा ट्रस्ट धर्मार्थ है,धार्मिक ट्रस्ट नहीं है। आयकर विभाग का कहना था। ट्रस्ट की आय ४०० करोड रुपए से ज्यादा की है।

धार्मिक कार्यों पर ट्रस्ट ने मात्र २.३० करोड रुपए ही खर्च किए हैं।

आयकर विभाग का कहना था, धार्मिक कार्यों के लिए यह राशि खर्च नहीं की जा रही है।

मुंबई हाईकोर्ट की खंड पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है।

सीबीआई के शिकंजे में पवन, तालाब से निकाला दस्तावेजों से भरा बोरा

धनबाद (ससे) : नीट पेपर लीक केस की जांच लगातार चल रही है। देश के साथ साथ झारखंड के कई हिस्सों में सीबीआई दबिश दे चुकी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जांच एजेंसी की टीम एक बार फिर से धनबाद पहुंची। यहां से उन्होंने पवन को हिरासत में लिया है। पूछताछ के बाद पवन की निशानदेही पर एक तालाब से मोबाइल और दस्तावेजों से भरा बोरा बरामद किया गया है।

नीट पेपर लीक मामले में पिछले दिनों सीबीआई ने सरायढेला से अमन, बंटी और राहुल को गिरफ्तार किया था। तीनों से पूछताछ में अमित और पवन समेत कई लोगों का नाम आया। शुक्रवार को सीबीआई को पता चला कि पवन धनबाद में है और सदर थाना क्षेत्र के पास एक मिश्रित भवन के पास अपने घर में छिपा है। इसी सूचना के आलोक में सीबीआई की टीम पटना से धनबाद पहुंची और पवन को शिकंजे में लिया। पूछताछ में पवन ने बताया कि सुदामडीह स्थित एक तालाब में कई दस्तावेज और उपकरण बोरा में भरकर फेंका गया है। सीबीआई पवन को सुदामडीह ले गई और तालाब से बोरे को बरामद किया। इसके बाद सीबीआई पवन और बोरा को जब्त करते हुए अपने साथ पटना ले गई। इस घटना के बाद पवन की मां अपने बेटे की तलाश में सरायढेला स्थित सीबीआई ऑफिस पहुंची। जहां अधिकारियों ने पवन की मां से कहा कि धनबाद सीबीआई की टीम ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है। उसे दूसरे राज्य की सीबीआई ने हिरासत में लेकर अपने साथ पटना ले गई है। जहां उससे नीट परीक्षा पेपर लीक के बारे में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों का दावा है कि अब तक नीट परीक्षा लीक मामले में ३७ लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। सीबीआई सरायढेला स्थित कार्मिक नगर के अमित सिंह को तलाश कर रही है, लेकिन वह एक महीने से फरार चल रहा है, जो अमन सिंह का भाई है।

नीट परीक्षा लीक मामले में जुलाई के प्रथम सप्ताह में सरायढेला के अमन सिंह के बाद बंटी और राहुल भी सीबीआई के हत्थे चढ़ गये। सूत्रों के अनुसार संजीव मुखिया के करीबी चिंटू और मुकेश से मिली जानकारी के बाद आरोपी अमन सिंह को गिरफ्तार किया गया। अमन का बड़ा भाई बीटेक डिग्री होल्डर अमित सिंह एडमिशन कराने का काम करता है। अमन सिंह पेपर लीक केस में फरार रॉकी का बेहद खास माना जा रहा है। बता दें कि नीट पेपर लीक मामले के तार धनबाद से जुड़ने के बाद पेपर लीक के किंगपिन अमन सिंह को गिरफ्तार किया गया था। उसके अकाउंट से काफी रकम की निकासी के बाद बंटी और राहुल को गिरफ्तार किया गया।

सूत्रों के अनुसार सीबीआई की टीम ने अमन सिंह के घर में तलाशी ली थी। इसके के बाद कोयला कारोबार से भुगतान के लिए रखे गए करीब चार लाख रुपये, तीन बैंक खाता, चार मोबाइल, गांव की जमीन और दो गाड़ी के कागजात जब्त कर ले गई थी।

सूत्रों के अनुसार नीट पेपर लीक केस में फरार रॉकी का अमन सिंह काफी करीबी है। रॉकी संजीव मुखिया का भांजा है, जो रांची में होटल के कारोबार से जुड़ा है। रॉकी ने नीट पेपर लीक के बाद उसका जवाब तैयार करने के लिए सॉल्वर्स का जुगाड़ किया था। रॉकी, झारखंड में संजीव मुखिया गिरोह का मास्टरमाइंड है। रांची और पटना के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। नीट पेपर लीक मामले में हजारीबाग से जमालुद्दीन, ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल शामिल है। धनबाद से गिरफ्तार युवकों के तार हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से जुड़ा है।

सूत्रों के अनुसार अभी तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि प्रश्नपत्र हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से ही गायब हुआ था। प्रश्नपत्र और हल किए गए उत्तर एक जगह से दूसरी जगह तक भेजने के लिए शातिरों ने उपकरणों के उपयोग में भी सावधानी बरती थी। फाइल ट्रांसफर करने के लिए एनी डेस्क का सहारा लिया गया था.। फाइल ट्रांसफर करने के लिए मोबाइल, वाट्सएप का उपयोग करने के बजाय एनी डेस्क का सहारा लिया गया था। हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के लैब में लगे कंप्यूटर के इस्तेमाल से प्रश्नपत्र पटना और अन्य जगह पहुंचे थे।

बता दें कि एनी डेस्क ऐसा साफ्टवेयर है, जिसकी मदद से हम कहीं भी बैठकर ऑनलाइन दूसरे के मोबाइल, लैपटाप, कंप्यूटर या अन्य डिवाइस को संचालित कर सकते हैं। गिरोह के लोगों ने हजारीबाग और पटना समेत अलगअलग शहरों के गेस्ट हाउस में दर्जन भर से अधिक मेडिकल छात्रों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए लगा रखे थे. प्रश्नों को हल करवाने के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा के प्रश्न और उत्तर उपलब्ध करा दिए गए थे. जिन अभ्यर्थियों से डील हुई थी, उन्हें पहले ही गेस्ट हाउस में लाकर रखा गया था।

सूत्रों के अनुसार प्रति छात्र लगभग १५१५ लाख रुपये की डील होने की बात अबतक की सीबीआई जांच में सामने आई है. नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्राचार्य और उपप्राचार्य को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. हजारीबाग से एक पत्रकार और एक गेस्ट हाउस संचालक की भी गिरफ्तारी हुई है. ये सभी परीक्षा के दौरान, उससे पहले और परीक्षा के बाद लगातार एकदूसरे के संपर्क में थे. गिरफ्तार लोगों से सीबीआई लगातार पटना में पूछताछ कर रही है।

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल में परीक्षा के दिन सुबह ९ से ९.३० बजे के बीच प्रश्नपत्र लीक हो गया था. सीबीआई की टीम जब ओएसिस पहुंची थी तो उनकी जांच पहले प्रश्नपत्र के बक्से और लिफाफे तक ही सीमित थी. क्योंकि जांच में बक्से और लिफाफे में छेड़छाड़ के प्रमाण शुरुआत में ही मिल गए थे।

जांच आगे बढ़ी तो सीबीआई की टीम ने स्कूल के कंप्यूटर लैब को खंगाला, जहां एक कंप्यूटर में ऐनी डेस्क साफ्टवेयर डाउनलोड पाया गया. फॉरेंसिक टीम ने जब इसकी हिस्ट्री निकाली तो पाया कि इसका इस्तेमाल ५ मई को किया गया था. इसके बाद स्कूल के प्राचार्य व एनटीए के सिटी को-आर्डिनेटर एहसान उल हक व उप प्राचार्य मो. इम्तियाज आलम से सख्ती से पूछताछ की गई. इसके बाद स्थानीय पत्रकार जमालुद्दीन का नाम सामने आया. पूछताछ में पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद ही तीनों की गिरफ्तारी सीबीआई की टीम ने की थी।

2 साइबर ठग गिरफ्तार, एटीम कार्ड व सीम बरामद

धनबाद (कासं) : साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रतिबिंब पोर्टल कारगर हथियार साबित हो रहा है। इसकी मदद से किसी इलाके में सक्रिय साइबर अपराधियों की रियल टाइम जानकारी पुलिस को मिल जाती है। ताजा मामला धनबाद का है। इस पोर्टल पर उपलब्ध संदिग्ध मोबाइल नम्बर के सत्यापन के क्रम में दो साइबर अपराधियों को रंगे हाथ पकड़ा गया है।

साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल नम्बर के सत्यापन के क्रम में सायबर थाना और सरायढेला थाना की पुलिस ने सरायढेला में सुखधाम रेसीडेंसी के फ्लैट में छापामारी कर किशन कुमार और पवन कुमार दो साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया गया। अपराधियों के पास से ९ मोबाइल, १४ एटीम कार्ड, ११ सीम और पासबुक, चेक, आधार कार्ड आदि बरामद किया गया ह। ११ सिम में दो मोबाइल नम्बर पर पश्चिम बंगाल और कानपुर में साइबर ठगी का केस भी दर्ज है। डीएसपी साइबर ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त डरा धमकाकर ऑनलाइन पैसे भेजनें के लिए भी मजबूर करता है। उन्होंने बताया इस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी को लेकर छापामारी की जा रही है।

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : डीसी

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों एवं विभिन्न आयोगों से संबंधित लंबित रिपोर्ट की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय के सभागार में हुई।

बैठक में उच्च न्यायालय में जिले के वादों को ससमय निबटारा के लिए उपायुक्त ने लंबित वादों की विभागवार व अंचलवार समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि उच्च न्यायालय के मामलों को प्राथमिकता देते हुए निष्पादन कार्यों में तेजी लाने की जरूरत है। न्यायालय के लंबित मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने गंभीर और जटिल मामलों को अविलंब संज्ञान में देने की बात कही, ताकि ससमय उसका हल निकाला जा सके।

इसके अलावा उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को लंबित म्यूटेशन व भूमापी को जल्द निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सरकारी जमीन पर अवैध कैंजा तथा योजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराने के भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों को सभी माइनिंग प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण कर तथा खनन क्षेत्र एरिया की मापी कर ५ अगस्त तक रिपोर्ट देने को निर्देश दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर हेमा प्रसाद, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, डीएलएओ राम नारायण खलखो, खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर समेत सभी अंचल अधिकारी एवं विधि शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

कारगिल दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : ३६ झारखंड बटालियन एनसीसी धनबाद के समाशी पदाधिकारी सेना मेडल से सम्मानित कर्नल संजय कंडवाल द्वारा निर्देशित पीके राय कॉलेज, गुरु नानक कॉलेज एवं पी अकाडेमी धनबाद एनसीसी कैटेड द्वारा बुधवार को कारगिल दिवस के अवसर पर शहीद शशिकांत पाडे की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पीके राय के एनसीसी पदाधिकारी कैटेड संजय कुमार सिंह, सहायक जगबंधु रवानी एवं ३६ झारखंड बटालियन के पदाधिकारी सूबेदार ध्यान सिंह, सूबेदार श्याम सिंह, हवलदार नरेन्द्र सिंह एवं उपर्युक्त स्कूलों एवं कॉलेज के साथ ६० छात्रों ने हिस्सा लिया।

समाहरणालय में एक्सटेंशन ब्रांच का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा (एक्सटेंशन ब्रांच) का उद्घाटन समाहरणालय के प्रथम तल पर किया। इस अवसर पर बैंक ऑफ़ इंडिया, एफ़.जी.एम.ओ., रांची के महाप्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि एक्सटेंशन ब्रांच में अन्य शाखाओं की तरह नया अकाउंट, लोन, एटीएम, कैस डिपोजिट सहित सभी तरह की बैंकिंग सेवा ग्राहकों को प्रदान की जाएगी। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, बैंक ऑफ़ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक, धनबाद अंचल विकास रंजन पटनायक, उपआंचलिक प्रबंधक दिनेश प्रसाद, अग्रणी जिला प्रबंधक

अमित कुमार, कंबाइंड बिल्डिंग शाखा के वरीय शाखा प्रबंधक राजेश कुमार कुशवाहा, आंचलिक विपणन प्रभारी कवलप्रित सिंह, एक्सटेंशन ब्रांच के प्रबंधक शशि शेख़र कुमार, विपणन प्रबंधक प्रशांत कुमार, राहुल प्रसाद के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

अनुसचिवीय कर्मचारी का अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

धनबाद (कासं) : झारखण्ड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) झारखण्ड रांची के आह्वान पर घोषित अनिश्चितकालीन हड़ताल के पांचवें दिन भी धनबाद जिला अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के कर्मी अपनी ९ सूत्री मांगों के समर्थन में हड़ताल पर डटे रहे। हड़ताल के कारण समाहरणालय, अनुमण्डल कार्यालय, सभी अंचल तथा प्रखण्ड कार्यालयों में कार्य पूर्णतः ठप्प रहा। कार्यक्रम में जिला मंत्री राज कुमार सिंह, शांतनु सरकार, आनंद कुमार, रमेश कुमार तिवारी, असलम परवेज, साकिर अंसारी, सचिन कुमार, ओ.पी. दास, लक्ष्मी देवी, मंजू मझियान, यासमिन बानो, दिनेश कुमार महतो, नेमत अंसारी, अब्दुल मतीन अंसारी, नबाब आलम, लक्ष्मी कान्त साद, चन्द्रशेखर रेड्डी, प्रशान्त कुमार, विपिन मुर्मू, रूविता, बालचन्द महतो, बली महतो, जोगा कुमार सहित सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की शिकायतें

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार लगाया, जिसमें आम जनता की शिकायतें व समस्याएं सुनीं गई। उन्होंने संज्ञान में आए सभी मामलों के आवेदन को संबंधित पदाधिकारी को तत्काल निष्पादन के लिए अग्रसारित कर दिया। जनता दरबार में मुख्यतः जमीन विवाद, आर्म्स लाइसेंस, सरकारी जमीन पर अवैध कैंजा, अतिक्रमण मुक्त कराने, धोखाधड़ी, पेंशन, जबरन उत्खनन, ऑनलाइन रसीद, अबुआ आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जाति-आवासीय प्रमाण पत्र, आंगनबाड़ी सेविका के चयन, जमीन बंटवारा, जमीन मापी समेत अन्य संबंधित मामले आवेदन के साथ आए।

इस दौरान उपायुक्त ने आवेदनों को चिन्हित कर संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए निष्पादन करने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान होगा। इसके लिए अधाकिरियों को निर्देश दिया गया है। मौके पर प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद मौजूद रहे।

गौरवशाली वर्षों का मनाया गया जश्न

धनबाद (कासं) : आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के धनबाद सेंटर हेड फैयाज अहमद ने कहा कि योग्य स्टूडेंट को वित्तीय सहायता करने, उनकी क्षमता और उनकी क्षमताओं के बीच अंतर को काटने में मदद करने की अपनी विरासत को जारी रखना, स्टूडेंट्स को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करने के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करना, स्टूडेंट को उनकी तैयारी की आकलन कराना प्रमुख है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित एंथे २०२४ के लांच के साथ एंथे के १५ गौरवशाली वर्षों का सभी ब्रांचो में जश्न मनाया है।

बीसीसीएलकर्मियों को नहीं मिल रहा पिटवाटर

कतरास (ससे) : बीसीसीएल मिनी रत्न कंपनी होने के बावजूद अपने कर्मी को पानी देने में विफल साबित हो रही है। बीसीसीएल आउटसोर्सिंग कंपनी कई हजार गैलन पानी कतरी नदी में बहाकर बर्बाद कर रहा है। कतरास कि प्यासी जनता दरबर भटकने पर मजबूर है। बीसीसीएल कंपनी के पास कई प्रोजेक्ट फाइलों में पड़ी हुई है, आउटसोर्सिंग कंपनी के आसपास रह रहे लोगों को प्रचुर मात्रा में पानी नहीं मिलने का कारण बीसीसीएल को दोषी कहना गलत नहीं होगा, प्रबंधन घोषणा तो करती है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही देखने को मिलता है यहां के लोगों को पीने के लिए अच्छे पानी नसीब नहीं हो रहा है। लोग दरबर भटक कर पानी जुगाड़ करने में लगे हुए हैं। झमाडा द्वारा जलापूर्ति योजना सिर्फ तोपचांची झील पर ही निर्भर है, जो कि उस झील की सफाई में करोड़ों की लागत से मिट्टी की कटाई करवा कर गड्ढे तैयार किया गया है। जिसे जल जमाव हो सके, लेकिन प्राकृतिक भी साथ नहीं दे रही है, जिसे गड्ढे में पानी जमाव नहीं हो रहा है।

बीसीसीएल प्रबंधन कोयला मंत्री के आने के बाद करोड़ों रुपए बहा दिए। प्यासी जनता वर्षों से दरबर भटक रहे हैं उनकी जरा सा चिंता नहीं है, यही जनता रातदिन धूल फांक रही हैं।

खेल को खेल की भावना से खेले : महुआ सिंह

जोड़ापोखर (ससे) : शुक्रवार को डीएवी मॉडल स्कूल, सीएफआरआई, धनबाद में डीएवी स्पोर्ट्स२०२४, क्षेत्रीय स्तर के अंतर्गत दो दिवसीय बास्केटबॉल, हैंडबॉल एवं फुटबॉल प्रतियोगिता शुभारंभ हुई। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन मेजबान स्कूल की प्राचार्या महुआ सिंह ने स्पोर्ट्स फ्लैग फहराकर किया। इन प्रतियोगिताओं में ३० टीमों के ३७७ छात्रछात्राओं ने भाग लिया, जिसमें २७६ बालक एवं १०१ बालिका हैं।

खेल प्रेमी प्राचार्या महुआ सिंह ने बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि खेल में हार जीत निश्चित है, पर खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। अपने लक्ष्य को उत्साह, अनुशासन और धैर्य से भेदना चाहिए। पहले दिन खेले गए बास्केटबॉल प्रतियोगिता के बालक वर्ग के अण्डर१९ में डीएवी बिष्टुपुर ने डीएवी नोवामुंडी को २७/१२ से हराया और गोल्ड अपने नाम किया। अण्डर१७ में डीएवी सीएफआई ने डीएवी बिष्टुपुर को २७/१२ से हराकर गोल्ड अपने नाम की तथा अण्डर १४ में डीएवी विष्टुपुर ने डीएवी सीएफआरआई को शानदार प्रदर्शन करते हुए १३/१ से हराकर गोल्ड अपने नाम की। वहीं बालिका वर्ग के अण्डर१७ में डीएवी सीएफआरआई ने डीएवी बिष्टुपुर को १३/४ से हराकर गोल्ड जीता।

दूसरी ओर खेले गये हैंडबॉल प्रतियोगिता के बालक वर्ग के अण्डर१७ में डीएवी सीएफआरआई ने डीएवी बिस्टुपुर को ७/० से हराया और अण्डर१४ में भी डीएवी सीएफआरआई ने डीएवी बिस्टुपुर को ५/० से हराया। वहीं बालिका वर्ग के अण्डर१४ में डीएवी सीएफआरआई ने डीएवी बिस्टुपुर को २/० से हराकर गोल्ड जीता और अण्डर-१७ में डीएवी सीएफआरआई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएवी विस्टुपुर को ५/१ से हराकर जीत हासिल की तथा गोल्ड अपने नाम किया।

बालक वर्ग के अण्डर१७ के फुटबॉल प्रतियोगिता में डीएवी बिस्टुपुर ने डीएवी जामाडोबा को १/० से हराया तथा डीएवी सिजुआ ने डीएवी सीएफआरआई को २/० से हराया। आगे का खेल २७ को खेला जाएगा। खेल के पर्यवेक्षक चंद्रीमा मुखर्जी, प्रधानाध्यापिका, डीएवी सिजुआ उपस्थित थीं।

डीएवी स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

कालीमेला (ससे) : टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा में चल रहे झारखंड जोनई संकुल स्तरीय १४ वर्ष से कम, १७ वर्ष से कम और १९ वर्ष से कम आयु के लड़के और लड़कियों का वॉलीबॉल, कबड्डी और कुश्ती प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पंकज दास, चीफ़ एच आर, टिस्को, झरिया की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अन्य उपस्थित गणमान्य अतिथियों में प्राचार्या महुआ सिंह डीएवी सीएफ़आरआई, प्राचार्या चन्द्राणी बनर्जी डीएवी सिजुआ, प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा टाटा डीएवी जामाडोबा ने प्रतिभागियों का जोश दुगुना कर दिया। प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा ने सभी अभ्यागतों का अभिनन्दन लघु पौधा देकर किया। अभिनन्दन कार्यक्रम के बाद पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें आये हुए मुख्य अतिथि एवं प्राचार्यों ने खेल प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया।

जिसमें १४ वर्ष से कम आयु के कुश्ती प्रतियोगिता में सूरज कुमार सिंह, सक्षम पाठक डीएवी महुदा पीयूष राज, रेहान जोहर डीएवी सिजुआ को स्वर्ण पदक पीयूष कुमार रवानी डीएवी महुदा और सौभिक दत्ता, मयंक भट्ट, विकाश कुमार को रजत पदक मिला।

१७ वर्ष से कम आयु के कुश्ती प्रतियोगिता में अब्बू तलहा मल्लिक, रोशन केशरी, आयुष सिंह, जेय़ाद्दीन डीएवी सिजुआ, चंदन रवानी डीएवी महुदा को स्वर्ण पदक, विवेक शर्मा डीएवी जामाडोबा प्रीतम कुमार, प्रभुनाथ प्रियम डीएवी सिजुआ, नैतिक कुमार देव, अरित्रा दे डीएवी महुदा को रजक पदक मिला। कुश्ती में डीएवी सिजुआ प्रथम और डीएवी महुदा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। १४ वर्ष से कम आयु के कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग में टाटा डीएवी जामाडोबा के दल ने स्वर्ण पदक, डीएवी बिष्टुपुर के दल ने रजत पदक प्राप्त किया। बालिका वर्ग के कबड्डी प्रतियोगिता में उन्नीस वर्ष से कम आयु में टाटा डीएवी जामाडोबा के दल ने स्वर्ण पदक, डीएवी बरोरा के दल ने रजत पदक प्राप्त किया।

बालक वर्ग के कबड्डी प्रतियोगिता में उन्नीस वर्ष से कम आयु में टाटा डीएवी जामाडोबा के दल ने स्वर्ण पदक, डीएवी चाईबासा के दल ने रजत पदक प्राप्त किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के बालिका वर्ग में १७ वर्ष से कम आयु में डीएवी सीएफआरआई ने स्वर्ण पदक, डीएवी बिष्टुपुर ने रजत पदक प्राप्त किया। उन्नीस वर्ष से कम आयु में डीएवी बिष्टुपुर ने स्वर्ण पदक, टाटा डीएवी जामाडोबा ने रजत पदक प्राप्त किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के बालक वर्ग में १४ वर्ष से कम आयु में टाटा डीएवी जामाडोबा ने स्वर्ण पदक, डीएवी सीएफ़आरआई ने रजत पदक प्राप्त किया। १७ वर्ष से कम आयु में डीएवी सीएफ़आरआई ने स्वर्ण पदक, डीएवी सिजुआ ने रजत पदक प्राप्त किया। १९ वर्ष से कम आयु में टाटा डीएवी जामाडोबा ने स्वर्ण पदक, डीएवी बरोरा ने रजत पदक प्राप्त किया।

खेल प्रतियोगिता के सफ़ल आयोजन में प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में कबड्डी संघ, कुश्ती संघ, वॉलीबॉल संघ धनबाद के निर्णायकों, शारीरिक शिक्षक हरीशचन्द्र मिश्रा, सिद्धार्थ अनुज, मधुरेन्द्र, वरिष्ठ शिक्षक ए एन सिंह, सुमित कुमार, डालिया मुखर्जी आदि अन्य शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पुराना बाजार में फिर चला प्रशासन का बुलडोजर

धनबाद (कासं) : शहर के पुराना बाजार में पानी टंकी से रेलवे फाटक के बीच तीन दिनों में नगर निगम की ओर से दो बार बुलडोजर चलाया गया। शुक्रवार को भी नगर निगम के अधिकारियों ने प्रभावशाली दुकान संचालकों को दोनों बार मोहलत देकर छोड़ दिया और कहा कि अगले बार अभियान में नहीं बख्शा जाएगा। शेड भी तोड़ा जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। बुधवार की तरह शुक्रवार को भी सिर्फ गरीब दुकानदारों के शेड को तोड़ा गया। सड़क और नाली के ऊपर से चौकी और ठेला हटाया गया। लोगों का कहना है कि २० वर्षों से पुराना बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है। हालांकि हर बार की तरह इस बार भी नतीजा ढाक के तीन पात ही साबित हुआ। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को ही पुराना बाजार में मुनादी कराई गई थी। माइक से ही दुकानदारों को कहा गया था कि दुकान के बाहर अतिक्रमण किया हुआ है, वे सभी २४ घंटे के भीतर खुद ही हटा लें। दूसरे दिन बुधवार को निगम की ओर अतिक्रमण हटाओ अभियान चला और ४० दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई। फिर कुछ दुकानदारों के कहने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान रोक दिया गया और दोबारा २४ घंटे के लिए मोहलत दी गई। जबकि अतिक्रमण करनेवाले दुकानदारों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। शुक्रवार को निगम के अधिकारियों की टीम और बैंक मोड़ थाना की पुलिस बुलडोजर लेकर पहुंची तो पहले जैसी स्थिति नजर आई। दुकानों के बाहर निकला शेड और जबरन बनाए गए चबूतरे को तोड़ने की कार्रवाई हुई तो कुछ देर बाद फिर कुछ दुकानदारों ने विनती की, कि एकदो दिनों के मोहल्ला दी जाए। हम लोग खुद ही हटा लेंगे।

निगम के अधिकारियों का कहना है कि कई ऐसे दुकानदार हैं जो दुकानों के आगे फुटपाथ पर दूसरी दुकान लगाकर अलग से हर महीने १५ से २० हजार रुपए कमाते हैं, जो गैरकानूनी है। जांच पड़ताल और कई दुकानदारों से पूछताछ के दौरान यह खुलासा हो चुका है। ऐसे दुकानदारों की लिस्ट बनाकर बारीबारी से जुर्माना के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि दुकान के सामने सड़क पर ठेला लगाने वालों से भी २०० से ३०० रुपए वसूली की जाती है। दो महीने पहले भी पुराना बाजार में नगर

पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए लगेगा शिविर

गोविंदपुर (ससे) : संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत २७ और २८ जुलाई को गोविंदपुर प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों में शिविर लगाया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी जहीर आलम ने बताया कि शिविर में सभी बीएलओ सुबह ९ से शाम ४ बजे तक मौजूद रहेंगे। इसमें मतदाता अपना नाम देख सकेंगे। यदि किन्हीं का नाम डिलीट हो गया है, तो फिर से फॉर्म सिक्स भर सकेंगे। १ जुलाई २०२४ को जिनकी आयु १८ वर्ष हो गई है, वह अपना नाम जुड़वा सकेंगे। नाम में किसी तरह की त्रुटि हो तो संशोधन करा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इसके बाद ३ और ४ अगस्त को भी सभी मतदान केंद्रो में विशेष शिविर लगेगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी मतदाताओं और १८ वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवकयुवतियों से इन विशेष शिविरों का लाभ उठाने की अपील की है।

एबीवीपी की सदस्यता पर कार्यशाला आयोजित

धनबाद (कासं) : एबीवीपी धनबाद जिला का सदस्यता कार्यशाला हाउसिंग कॉलोनी स्थित अभाविप कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत सदस्यता अभियान एवं थिंक इंडिया कार्यक्रम पर चर्चा हुई। सदस्यता अभियान के निमित्त विभिन्न कॉलेज एवं नगर सदस्यता प्रमुख की घोषणा हुई। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एबीवीपी का सदस्य क्यों बने? एबीवीपी छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति का भाव रखकर शैक्षणिक परिसर में कार्य करती है।

अभाविप भारत की स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता के बाद भारत में जितने भी परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन हुए, उनमें छात्रों की भूमिका बहुत अहम रही है। छात्र शक्ति, समाज को सुधारने और उसे मजबूत करने वाली घटकों में से एक है। इसलिए कहा जाता है कि युवा देश के रीढ़ की हड्डी होती हैं, जिसके कंधे पर देश का भविष्य टिका होता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय संयोजक नीरज निखिल एवं जिला संयोजक अंशु तिवारी ने कहा कि यह संगठन छात्रों से प्रारंभ होकर छात्रों की समस्याओं के निवारण हेतु एकत्रित छात्र शक्ति का परिचायक है। विद्यार्थी परिषद् मानता है कि छात्रशक्ति ही राष्ट्रशक्ति होती है। विद्यार्थी परिषद् का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है। जिला सदस्यता प्रमुख अखिल सिन्हा ने कहा कि इस बार दीवार लेखन और प्रचारप्रसार पर विशेष ध्यान रहेगा। जिला सदस्यता लक्ष्य १० हजार से ऊपर रहेगा। विभिन्न नगर एवं कॉलेज और १०+२ स्कूलों में इकाई अधिक से अधिक संख्या में बनाया जायेगा। मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किशोर झा, कोमल कुमारी, रजिया कुमारी, विशाल ब्राह्मण, रिकी श्रीवास्तव, विक्की कुमार, अभय जायसवाल, शुभम कुमार, सूरज मोदी, सुभाष महतो, दिनेश कुमार, ओम प्रकाश सिंह, रोहित निषाद आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मनरेगा कर्मियों ने दिया तोपचांची प्रखंड कार्यालय पर धरना

धनबाद (कासं) : झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ झारखंड प्रदेश के आह्वान पर तोपचांची प्रखंड के मनरोगा कर्मियों ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया। धरना में धनबाद जिला मुख्यालय के कर्मियों ने भी भाग लिया। धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष यासीन अंसारी ने कहा कि राज्य के मनरेगा कर्मी पिछले १७ वर्षों से अल्प मानदेय पर मनरेगा व सरकारी कार्यों को निष्ठापूर्वक करते आ रहे हैं। लेकिन किसी भी सरकार ने उन्हें न तो स्थायी किया, न ही ग्रेड पे लागू किया। मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले विधानसभा चुनाव में उनकी सेवा स्थायी करने सहित सुविधाएं बढ़ाने का वादा किया था, झामुमो के चुनाव घोषणापत्र में भी इसे शामिल किया था। लेकिन करीब साढ़े चार साल बीतने के बाद भी उस पर अमल नहीं किया। उन्होंने राज्य सरकार से वादा निभाने की मांग की। तोपचांची प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने कहा कि मनरेगा कर्मी जमीन से जुड़े हैं। यदि राज्य सरकार मांगों को पूरा नहीं मानती है, बड़ा आंदोलन होगा। मौके पर उप प्रमुख हेमलाल महतो, मुखिया संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण बर्णवाल, प्रेम महतो, गणेश कुमार, जैनुल, इकबाल, अर्जुन पाण्डेय, खेलावन कुमार, अखिलेश कुमार, संजीव कुमार, नवीन पाण्डेय, त्रिवेणी महतो आदि उपस्थित थे।

नंगे पांव पढ़ाकर शिक्षकों ने जताया विरोध

धनबाद (कासं) : (झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एण्ड एम्प्लॉइज फेडरेशन) के आह्वान पर धनबाद जिले के शिक्षकों ने परियोजना निदेशक आदित्य रंजन द्वारा शिक्षकों के प्रति की गई आमर्यादित और अशिष्ट टिप्पणी के विरोध में अपने विद्यालय में नंगे पांव रहकर पठनपाठन का कार्य किया। विदित हो कि राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा था कि कोई भी शिक्षक यदि विद्यालय में चप्पल पहन कर आते हैं तो हम उसी चप्पल से उसको ऐसा मारेंगे कि वह पहनने लायक नहीं रहेगा। राज्य के शिक्षकों में परियोजना निदेशक की इस अमर्यादित टिप्पणी को लेकर उबाल है और वे मुख्यमंत्री से इन्हें शिक्षा विभाग से हटाने की मांग कर रहे हैं।

इस विषय पर बात करते हुए झारोटेफ के जिलाध्यक्ष जय होरो ने कहा कि शिक्षक समाज का सबसे प्रतिष्ठित वर्ग होता है तथा शैक्षणिक कार्य को बेहतर बनाने के लिए हंटर और गाली गलौज नहीं बल्कि सम्मान और संसाधन चाहिए। एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा इस प्रकार के अशिष्ट बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती, हम इसका घोर भर्त्सना करते हैं। प्रांतीय महासचिव उज्ज्वल तिवारी ने कहा कि निदेशक की मंशा क्या है यह तो वही जानते हैं, परंतु उनकी भाषा से ऐसा प्रतीत होता है कि वे शिक्षकों को लेकर पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं और यह मानकर चल रहे हैं कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए वे अकेले जिम्मेदार हैं।

जिला सचिव राकेश कुमार ने कहा कि शिक्षक राज्य सरकार द्वारा निर्धारित हर एक दिशा-निर्देश का अनुपालन करने को तैयार हैं। यदि सरकार द्वारा कोई यूनिफॉर्म निर्धारित की जाती है तथा उसके अनुरूप संसाधन की व्यवस्था की जाती है तो कोई भी शिक्षक हवाई चप्पल पहनकर विद्यालय क्यों जाना चाहेगा। आज के सांकेतिक विरोध से हम सरकार को यह जताना चाहते हैं कि नंगे पांव रहकर पढ़ना तो संभव है, परंतु ऐसे अधिकारियों की अशिष्टता को बर्दाश्त करना संभव नहीं। इस विरोध में ब्रजेश भट्ट, इकबाल, शिवेश झा, बृजभूषण पांडेय, लक्ष्मी नारायण, महेंद्र प्रताप, नागेश्वर प्रजापति, प्रमोद सिंह चौधरी, प्रवीण कुमारी, अर्पिता चटर्जी, संध्या रानी, जगजीत कौर, गौतम सहाय, सरोस हयात अली, कौशलेंद्र तिवारी, दीपक कुमार, विजय कुमार, प्रदीप समेत जिले के सभी शिक्षक संगठन शामिल हुए।

ट्रेन से अंग्रेजी शराब जब्त

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल्वे स्टेशन पर गुरुवार की देर रात आरपीएफ ने गंगा दामोदर एक्सप्रेस ट्रेन से दर्जनों बोतल अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की। शराब बिहार ले जाई जा रही थी। शराब लेकर ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ रहे बिहार के वैशाली निवासी रोहित कुमार को आरपीएफ ने पकड़ लिया। आरपीएफ धनबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर पंकज कुमार ने बताया कि आरोपी रोहित ट्रेन से शराब को बिहार ले जा रहा था। छापेमारी में आरपीएफ धनबाद पोस्ट के उप निरीक्षक आभाष चंद्रा, अभिमन्यु सिंह व अन्य जवान शामिल थे।

कारगिल दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा धनबाद में विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता की निर्देशन में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार की देशभक्ति से ओतप्रोत प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जूनियर विंग में कक्षा नर्सरी तथा एलजी के बच्चों का येलो डे एवं कक्षा यूकेजी से द्वितीय के बच्चों द्वारा थ्रेड

पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा तृतीय से पंचम के बच्चों के द्वारा अंतर सदनीय इंग्लिश स्लोगन प्रतियोगिता का अयोजन किया गया जिसका विषय फ्रीडम फाइटर था। कक्षा छठी से १२वीं तक के बच्चों के बीच ओपेन टू ऑल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता का विषय छठी से आठवीं तक 'अनेकता में एकता' नवी से १२वीं तक ' हमारी सेना हमारा अभिमान'। इसमें सभी बच्चों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमें भारतीय सेना की वीरता, त्याग व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। निर्णायक मंडल में बीके भारती, अंतरा राय, सोनम कुमारी, बबलू सिंह व पीके गांगुली थे। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का अहम् योगदान रहा।

सरकारी योजनाओं की जानकारी देगी भाजपा

गोविंदपुर (ससे) : भाजपा पूर्वी मंडल की बैठक शुक्रवार को देवली में मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें २८ जुलाई को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर गांवगांव और घरघर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देने का भी निर्णय हुआ। विजय दिवस के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने कारगिल युद्ध में शहीद भारतीय सैनिकों के सम्मान में मौन रखा । अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह, संचालन महामंत्री निर्मल कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन अंशु कुमार ने किया । बैठक में प्रभारी किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश चौधरी, जिला मंत्री अमर चंद्र मंडल, खगेंद्र सिंह चौधरी, अशोक कुमार गिरि, तारक कुंभकार, सुरेश रविदास, पार्थो रवानी, अवधेश कुमार, अनिल विश्वकर्मा, परेश चंद्र कुंभकार, फूलचंद महतो, कृष्ण मोदी, देवेंद्रनाथ मंडल, पप्पू मंडल, सतीश कुमार, हराधन मोहली, प्रशांत मंडल, दीपक मंडल, ऋषि गोप, दीपक कुमार, उज्जवल मंडल, रंजीत दास, जगदीश कुमार, दिलीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

भारी वाहन की चपेट में आने से 1 की मौत

जोड़ापोखर/जामाडोबा (ससे) : जयरामपुर के सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना के पेटी कॉन्टैक्टर एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में रोजगार को लेकर सूरज माली कई दिनों से जाया करता था। इसी दौरान शुक्रवार को भारी वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। वह जेलगोरा भूलीं क्वार्टर का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना के बाद लोग उग्र हो गए कई वाहनों में आग लगा दी। दर्जनों बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके से आउटसोर्सिंग परियोजना में काम करने वाले कर्मी भाग निकले। मृतक के परिजन लोदना ग्राउंड स्थित आउटसोर्सिंग परियोजना के कैम्पस पहुंचकर हो हंगामा करने लगे। लेकिन बताया जा रहा है कि आउटसोर्सिंग प्रबंधक के द्वारा सूरज माली का शव गायब कर दिया गया है। परिजन आउटसोर्सिंग प्रबंधक से शव बरामद करने की बात कह रहे हैं। घटना की सूचना पाकर सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र रावत तिसरा, लोद ना, अल्कडीहा, घनुडीह पुलिस के साथसाथ जिला पुलिस बल भी पहुंच गई है। लेकिन हंगामा जारी रहा। उग्र लोगों ने आउटसोर्सिंग कंपनी के कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया है। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया है। शाम तक हंगामा होता रहा। आउटसोर्सिंग कंपनी के तरफ से अभी कोई नहीं पहुंचा है। पुलिस मामले को नियंत्रित करने में लगी हुई है। वही अग्निशमन वहां आने के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक कई वाहन जल चुकी थी। मृतक सूरज माली विरेंद्र माली का पुत्र बताया जाता है। घटना के बाद से परिजनों का रोसे कर बुरा हाल है। वीरेंद्र असंगठित मजदूर है। सूरज घर का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। वह शादीशुदा है। उसके दो बच्चे बताये जा रहे हैं।

कुत्ते के काटने से महिला की स्थिति गंभीर

धनबाद (कासं) : देवघर के कुर्मीडीह निवासी कमली देवी को लगभग २० दिन पहले एक कुत्ते ने काट लिया। जिसके बाद महिला लापरवाह बनी रही। जिसकी वजह से कुछ दिनों बाद महिला की स्थिति बिगड़ने लगी। परिजनों ने महिला को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला की स्थिति बिगड़ती गई। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल रेफर कर दिया। शुक्रवार की सुबह पीड़ित महिला अजीबोगरीब हरकत करते देखी गई। परिजन ने बताया कि महिला की कुते के काटने के बाद महिला द्वारा समय पर एन्टी रैबीज वैक्सीन नहीं लेने की वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने बताया कि महिला की स्थिति बिगड़ चुकी है और धनबाद के चिकित्सक रांची रिम्स रेफर कर रहे है। २० दिन पहले जिस महिला को कुत्ते ने काटा था वह गुरुवार को पानी देख डरने लगी और उसका खुद पर कंट्रोल नहीं हो पा रहा। जब महिला को देवघर सदर अस्पताल लाया गया तो डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि इसे 'हाइड्रोफोबिया' हुआ है।

मासस ने मांगों के समर्थन में दिया धरना

धनबाद (कासं) : मार्क्सवादी समन्वय समिति जिला कमिटी ने शुक्रवार को १५ सूत्री मांगों को लेकर रणधीर वर्मा चौक पर एक दिवसीय धरना दिया। धरना की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बिंदा पासवान ने की एवं संचालन गणेश महतो ने किया। धरना में मुख्य रूप से मासस केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो एवं मायुमो केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश रवानी उपस्थित थे। धरना को संबोधित करते हुए मासस केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण किसान भुखमरी के कगार पर खड़ा है। सरकार की जुमलेबाजी ने पूरा कोयलांचल बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। औसतन झारखंड में कम बारिश होने के कारण सूखा के चपेट में हैं। सरकार अविलंब झारखंड को सूखा क्षेत्र घोषित करे एवं किसानों की ऋण माफ करे। बलियापुर प्रखंड क्षेत्र में हर घर नल योजना के तहत जलापूर्ति योजना में संवेदक की लापरवाही के कारण ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति पूर्ण रूप से बाधित है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कर संवेदक पर कड़ी कार्रवाई करे एवं जलापूर्ति योजना को शीघ्र प्रारम्भ करें। धनबाद सदर प्रखंड के ढोकरा पंचायत को बलियापुर प्रखण्ड में अविलंब शामिल करें जिससे इस पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण विकास योजनाओं की सुविधा के लिए २० से २५ किलोमीटर दूर जाना नहीं पड़े। मायुमो के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश रवानी ने कहा कि झारखंड के अन्य विश्वविद्यालय की तरह बीबीएमकेयू में भी अंगीभूत महाविद्यालय में इंटर की पढ़ाई चालू करें। जिससे स्थानीय छात्रों को लाभ मिल पाये। साथ ही धनबाद जिले में नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं होने के कारण आम जनता को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का निराकरण अविलंब करें। मासस जिला अध्यक्ष बिंदा पासवान ने कहा कि पूरे जिले में बीसीसीएल, हर्ल समेत सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में ७५ प्रतिशत स्थानीय को काम की गारंटी दी जाए एवं कार्यरत मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करें। अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा। धरना के बाद उपायुक्त, धनबाद को एक मांग पत्र सौपा।

धरना में मुख्य रूप से मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो, जिप सदस्य श्वेता कुमारी, राजू महतो, सुभाष सिंह, राणा चटराज, फटीक चंद्र मंडल, काशीनाथ मंडल, मनीष यादव, राजा राम रजक, दिनेश महतो, लालमोहन महतो, संतोष रवानी, विजय राम, दुलाल चंद्र बाउरी, सुनील महतो, शीतल दत्ता, हीरालाल महतो, चंदन भूमिहार, लखन गोराई, राम प्रसाद रजवार, देवाशीष पांडेय, आशु पति महतो, माँगन महतो, आरिफ अंसारी, राजेश बिरुआ, विक्की खान, मदन महतो, अजय चौबे, औरधेंदु दत्ता, विक्की खान, गंगाधर कर्मकार, चंद्रमौली पाडे, जनार्दन महतो, मोती लाल महतो, चीनू महतो, सृष्टिधर महतो, दीपक महतो, रंजीत महतो, सुजल दास, हीरालाल महतो, भादो लाल महतो आदि शामिल थे।

बिना टिकट धराये 896 यात्री, वसूला 3.60 लाख

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथसाथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना और सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग की जा रही है। यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान दिनरात चलाया जा रहा है।

अभियान के परिणामस्वरूप, ६ बजे तक कुल ८९६ यात्रियों को पकड़ा गया और यह जांच अभियान अभी भी जारी है। इस जांच अभियान में बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा कर रहे यात्रियों, और बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों से ३ लाख ६० हजार ८०५ रुपए जुर्माने के रूप में वसूले गए। उन्हें कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों और विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग की गई। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच की जा रही है और भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा। इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है ताकि वे अगली बार टिकट लेकर यात्रा करें और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग

बलियापुर (ससे) : झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक शुक्रवार को गयामुनी दे की अध्यक्षता में हुई। बैठक में धनबाद स्थित टुंडी के कांवरिया विकाश मंडल की बिहार स्थित बांका जिला के छपरिया धर्मशाला के पास अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या की घटना की तीव्र निंदा करते हुए बिहार सरकार से अविलंब अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की गई। वहीं झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के संस्थापक बेंगू ठाकुर ने बलियापुर क्षेत्र में बिजलीपानी की चर्चा करते हुए बिजली व्यवस्था सुधारने एवं नल जल योजना के तहत ग्रामीण इलाके में नियमित जलापूर्ति की मांग भी सरकार से किया गया।

बैठक में ग्रामीण महिलाओं के रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की मांग सरकार से किया गया। बैठक में उषा पाल, कल्याणी दासी, प्रतिमा देवी, रूपा देवी, विद्याधर धीवर, अष्टमी देवी, जुलेखा बीवी आदि थे। इस अवसर पर समिति के संस्थापक बेंगू ठाकुर के नेतृत्व में लोगों ने संगठन को मजबूत करने एवं एकजूटता बनाए रखने के लिए नारे भी लगाए।

बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ की चौड़ीकरण

बोकारो (ससे): मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार शुक्रवार को उपायुक्त विजया जाधव ने बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण - मजबूतीकरण कार्य को लेकर कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा ग्राम का दौरा किया। उनके साथ अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो अशोक कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त विजया जाधव ने कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सड़क निर्माण को लेकर १८ किमी (गैर वन क्षेत्र) भूमि अधिग्रहण से संबंधित रैयतों/ग्रामीणों के साथ बैठक की। उनके शिकायतों पर क्रमवार सुनवाई की। रैयतों/ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि कम देने की बात रखीं, इसी कारण वह जिला भू अर्जन कार्यालय द्वारा दिए जा रहें भुगतान नोटिस को प्राप्त नहीं कर रहें है।

इस पर उपायुक्त ने विस्तार से रैयतों/ग्रामीणों को भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि निर्धारित करने की प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया। कहा कि विभाग ने आपके क्षेत्र अंतर्गत वर्ष २०२०-२०२१ एवं २०२२ में हुए भूमी की बिक्री का दर को ही निर्धारित किया है। उपायुक्त द्वारा समझाने पर रैयतों/ग्रामीणों ने मामले को समझा और भुगतान नोटिस एवं मुआवजा राशि का वाउचर प्राप्त करने पर सहमति जताई। इसी के साथ बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण - मजबूतीकरण कार्य में गति का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मौके पर ही, रैयतों को भुगतान नोटिस का तामिला कराया गया एवं मुआवजा भुगतान को लेकर वाउचर वितरण किया गया। ग्रामीणों ने बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण-मजबूतीकरण कार्य में संबंधित एजेंसी एवं स्थानीय प्रशासन का सहयोग करने की बात कहीं।

मौके पर प्रखंड प्रमुख, प्रखंड बीस सूत्री सदस्य, तकनीकी विभाग के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी कसमार, अंचलाधिकारी कसमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि,काफी संख्या में ग्रामीण आदि उपस्थित थे।

किसान मजदूर यूनियन की पंचायत कमिटी गठित

डुमरी (ससे): झारखंड एकता किसान मजदूर युनियन से जुड़े सदस्यों की एक बैठक शुक्रवार को नगरी पंचायत भवन में रजिया खातुन की अध्यक्षता में हुई जिसका संचालन गीता पांडेय ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने उपस्थित लोगों को युनियन कें नीति सिद्धांतों व कार्यों कीं जानकारी देते हुए कहा कि किसानों मजदूरों एवं बेरोजगारो कीं समस्याओं को लेकर मुखर आवाज़ उठाने के लिए युनियन का गठन किया गया है।

बैठक में यूनियन की महिला मोर्चा पंचायत कमिटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष गीता पांडेय को उपाध्यक्ष मीणा देवी सचिव शारदा पांडे उपसचिव सावित्री देवी कोषाध्यक्ष शांति देवी संगठन मंत्री कुसुम देवी संगठन महामंत्री गीता देवी महासचिव रीतु देवी व सलाहकार हेमन्ती देवी को बनाया गया।इस दौरान रबीन्द्र यहतो, रूपलाल महतो, साहिद अंसारी, सुभाष पंडित, जाफर अंसारी, मुन्नी खातुन, नाजिया खातुन, निखत परवीन, खलील अंसारी, नुनुचन्द महतो, मदन मोहली, शहबाज खान, मोहन कुमार महतो,अहमद अंसारी,मुराद अंसारी आदि उपस्थित थे।

समाहरणालय में जनता दरबार का आयोजन

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देशानुसार आज समाहरणालय सभागार कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। समाहरणालय में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण हेतु आए दर्जनों लोगों ने अपनी समस्याओं को जनता दरबार में रखा।

जनता दरबार में उपस्थित उपनगर आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा आमजनों द्वारा प्राप्त सभी शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को अग्रसारित किया गया तथा यथोचित कार्रवाई करने की बात कही गई।

आज के जनता दरबार में लगान रसीद, राशन, आवास, मुआवजा, पेयजल समेत आदि से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों पर आवश्यक कारवाई हेतु संबंधित विभाग के कार्यालय प्रधान/अधिकारियों को जल्द से जल्द शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में जिला स्तरीय पदाधिकारी की उपस्थिति होती है ताकि आम जनों की शिकायतों का ऑन द स्पॉट निराकरण करना सुनिश्चित किया जाए।

रिक्त पदों पर भरे जायेंगे चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को

बोकारो (ससे): चास नगर निगम के सभागार में अपर नगर आयुक्त अनंत कुमार की अध्यक्षता एवं सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के संयुक्त अध्यक्षता में नगर स्तरीय अंतरविभागीय अभिसरण समन्वय समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न। बैठक के दौरान शहरी क्षेत्र के मलिन बस्तियों में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पॉली क्लिनिक एवं अटल क्लिनिक द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की गई एवं आवश्यकता के अनुसार सभी केंद्रों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया गया।

साथ ही विभिन्न विभागों के द्वारा आपसी समन्वय स्थापित कर शहरी क्षेत्र के लोगो हेतु विभिन्न स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, पेयजल व आवास की सुविधाओं को कैसे प्रदान किया जाये, इस पर गहन चर्चा की गयी। मौके पर डी.आर.सी.एच.ओ डॉ सेलिना टुडू, ए.सी.एम.ओ डॉ एच.के. मिश्रा, सिटी डाटा प्रबंधक , बोकारो जेनरल अस्पताल से -उचज डॉ. वर्षा घाणेकर, नगर अभियान प्रबंधक, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चास, डब्ल्यू.एच.ओ. से डॉ शालीन एस.एम.ओ., पी.एस.आई. इंडिया के राज्य प्रतिनिधि नीलेश कुमार एवं सुनील कुमार तथा जिला प्रबंधक मंजूरुर खान, पाथ सहित विभिन्न विभागों जैसे नगर निगम, महिला एवं बाल विकास/शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चंद्रपुरा ईश्वर दयाल महतो की अध्यक्षता में प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का गठन कर सभी सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कोटपा २००३ की विभिन्न धाराओं का अनुपालन एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम के साथ तम्बाकू मुक्त पंचायत करने हेतु जानकारी दी गई। बैठक की शुरूआत जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा कोटपा-२००३ के विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु गठित जिला, अनुमण्डल व प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

जिला परामर्शी द्वारा बीडीओ से प्रखण्ड स्तरीय छापामारी दस्ता को सक्रीय करने का अनुरोध किया गया।

साथ ही पंचायत को कैसे तम्बाकू मुक्त कर सकते है, किन किन कानूनों का अनुपालन करना है। इसकी जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित बेरमो विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश तिवारी ने अपने सम्बोधन में तम्बाकू नियंत्रण करने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाने को कहा। साथ ही ग्रामीण स्तर पर मुखिया अपने स्तर पर तम्बाकू के दुष्प्रभाव सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करें।

अंचल पदाधिकारी नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि सबसे पहले प्रखण्ड स्तरीय समन्वय समिति के लोग कोटपा २००३ के विभिन्न धाराओं के प्रति जन जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार करे। यदि फिर भी कोई इसका पालन नही करता है तो कोटपा-२००३ के विभिन्न धाराओं के अनुपालन न करने पर कार्रवाई की जाये।

वहीं बैठक में सदस्य के रूप में प्रतिभाग कर रहे सीडस संस्था के प्रतिनिधि रिम्पल झा ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू मुक्त करने हेतु पंचायत की मैपिंग कैसे करना है। इसके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। मौके पर प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति के सदस्य के साथ कार्यालय कर्मी एवं छोटेलाल दास उपस्थित थे।

परियोजना निदेशक के विरुद्ध शिक्षकों में उबाल

डुमरी (ससे): शिक्षा विभाग के राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन के द्वारा शिक्षकों के यूनिफॉर्म को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में २६ जुलाई (शुक्रवार) को प्रखंड के सभी शिक्षक अपने अपने विद्यालय में खाली पैर (नंगे पांव) रह कर अपने कार्यों का निर्वहन किया। साथ ही परियोजना निदेशक से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने तथा मुख्यमंत्री से श्री रंजन को शिक्षा विभाग के सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करने की मांग की गई।

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों क्रमश रजनीकांत, रश्मि कुमारी, नसीमुद्दीन अंसारी, समशूल अंसारी, दीपक कुमार, देवीलाल चौधरी, किशोर कुशवाहा, युवराज सिंह, स्मिता कुमारी आदि सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने नंगे पैर बच्चों को पढ़ाया।

तेनुघाट में ऊर्जा मेला का आयोजन 29 को

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति प्रमंडल तेनुघाट अंतर्गत २९ सोमवार को पूर्वाह्न ११.०० बजे से ०३.०० बजे तक विद्युत शक्ति उपकेंद्र जैनामोड़ कार्यालय में ऊर्जा मेला (जनता दरबार) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, तेनुघाट अंतर्गत (जैनामोड़, बेरमो (फुसरो) एवं गोमिया (कथारा) सभी उपभोक्ताओं के शिकायत जैसे बिल सुधार, मीटर बदलने इत्यादि से संबंधित शिकायतों एवं कार्यों का निष्पादन किया जायेगा। कार्यपालक अभियंता तेनुघाट ने कहा कि उर्जा मेला का आयोजन प्रतिमाह के अंतिम सप्ताह दिन सोमवार अथवा किसी विशेष अवकाश होने पर उसके बदले- अगले दिन मंगलवार को संपादित किया जाता है।

छत का एक हिस्सा गिरा,नवजात बच्ची की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में एक घर की छत का एक हिस्सा गिरने से एक नवजात बच्ची की मौत हुई और परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना तुगलकाबाद इलाके के चुरिया मोहल्ला में सुबह तीन बजे हुई और तब घर में सभी लोग सो रहे थे।

उन्होंने बताया कि एक मंजिला मकान एक संकरी गली में स्थित है और काफी पुराना है। हादसे में सोनू भूरे खान उनकी पत्नी और उनके तीन बच्चे घायल हुए हैं। बच्चों की उम्र क्रमशः नौ, पांच और चार साल है। पुलिस ने बताया कि हादसे में उनकी दो महीने की पुत्री की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि घायलों का इलाज किया जा रहा है।

विद्यालय परिसर में किया गया पौधारोपण

डुमरी (ससे): उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कुल्ही के परिसर में शुक्रवार को नव युवक संघ स्पोर्टिंग क्लब कुल्ही के बैनर तले पीपल,बरगद,नीम एवं आम के पौधे लगाए गए।इस दौरान मुख्य रूप से नेहरू युवा केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक गोपालचंद्र ओझा पंसस मौजीलाल महतो विद्यालय प्रधानाध्यापक परमेश्वर महतो,केदार महतो, शिवनारायण महतो आदि उपस्थित हुए।

इसके पूर्व क्लब भवन में युवाओं की एक गोष्ठी में पंचवटी पहल पर प्रकाश डाला गया जिसके तहत जल,जंगल,जमीन जैव विविधता और जलाशय का महत्व तथा इन पांचो के संरक्षण पर बल दिया गया। कहा गया कि ये हमारे प्राकृतिक धरोहर हैं इनके बिना की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।मौके पर सचिन कुमार,गणेश कुमार, सुनील कुमार,संतोष कुमार महतो,रवि बेसरा,विनय कुमार आदि उपस्थित थे।

जरूरतमंदों में किया गया छाता का वितरण

गिरिडीह (ससे): इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह पर्ल्स के द्वारा ६० छातों का वितरण किया गया। छाता गरीब औरतों और मजदूरों को दिया गया जो दूर से गर्मी और बारिश के मौसम में काम करने के लिए आते है। हमारे कल्ब से यह प्रोजेक्ट श्री प्रकाश बागेडिया जी के फैक्टरी में आयोजित किया गया। आशा है कि यह उन मजदूरों को बारिश और धूप में आने जाने में सुविधा होगी। इस कार्यक्रम की स्पॉन्सर चार्टर प्रेसिडेंट ऑफ गिरिडीह सनशाइन रंजना बागेरिया जी थी।इस कार्यक्रम के दौरान पीडीसी पूनम प्रकाश, प्रेसिडेंट सृष्टि सोनम, ट्रेजर साक्षी प्रिया, एक्जिक्यूटिव मेंबर श्रृष्टि सिन्हा तथा अन्य मेंबर्स मौजूद थी।

3 साइबर ठग गिरफ्तार

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह पुलिस ने तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. पुलिस को प्रतिबिंब पोर्टल से सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी बेंगाबाद थाना क्षेत्र के इलाके में ठगी कर रहे हैं. इसी सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में टीम गठित की गई और छापा मारकर पुलिस ने तीन अपराधियों को जिले के बेंगाबाद इलाके से धर दबोचा. ये अपराधी लोकेंटो ऐप के माध्यम से न्यूड वीडियो कॉलिंग कर लोगों को फंसाते थे और उनसे ठगी किया करते थे.

रुचि को ध्यान में रखकर ही अपना करियर चुनें विद्यार्थी: नगर आयुक्त

बोकारो (ससे): दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में १९९३ बैच के मेधावी छात्र रहे झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारी अनंत कुमार शुक्रवार को तीन दशक के बाद अपने पुराने विद्यालय पहुंचे। चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त (एएमसी) एवं बेरमो के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी कुमार ने विद्यालय में ३० साल पहले बिताए अपने स्वर्णिम क्षण एवं स्मृतियां साझा करते हुए ११वीं एवं १२वीं कक्षा के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यानशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि १०वीं के बाद विद्यार्थियों के लिए वह समय होता है जब वे अपने सपने बुनते हैं।

उन सपनों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि वे बगैर किसी के दबाव में आए अपनी क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर ही अपना करियर चुनें। दृढ़ निर्णय के साथ अपना लक्ष्य बनाएं और उसे पाने के लिए लगन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ निरंतरता बनाए रखें। ये चीजें ही उनके लिए भाग्य-निर्माता बनेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य मानवीय चेतना का विकास करना है। एक सफल और अच्छा इंसान बनने के लिए विद्यार्थी सदैव अपना नैतिक मूल्य और अपनी विनम्रता बरकरार रखें। साथ ही, अपनी विचारधारा को सकारात्मक रखते हुए राष्ट्र-निर्माण में योगदान दें।

तीन दशक पहले विद्यालय में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आज वह जो भी कुछ भी हैं, जिस मुकाम पर हैं, उसमें डीपीएस बोकारो की केंद्रीय भूमिका है। यहां की कुशल शैक्षणिक-व्यवस्था और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के समेकित प्रयत्नों का ही परिणाम है कि आज डीपीएस बोकारो शिक्षा के क्षेत्र में एक ब्रांड बन चुका है। आज के विद्यार्थी यहां के उन्नत संसाधनों का लाभ लें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से व्यक्तित्व-विकास के लिए खेलकूद, कला-संगीत सहित सभी सह-शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने, स्वास्थ्य को प्रथम प्राथमिकता देने, ज्ञान के स्तर में बढ़ोतरी हेतु नियमित समाचार-पत्र पढ़ने तथा सोशल मीडिया का संतुलित इस्तेमाल करने की भी अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का आनंद लें, मित्रता करें और किसी भी असफलता से घबराने की बजाय उससे सीख लें।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने इस प्रकार की अतिथि व्याख्यानशाला को विद्यार्थियों के हित में आवश्यक बताया। कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों से जरिए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाता रहा है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त श्री कुमार के व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री कुमार ने भी व्याख्यान के अवसर को लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

पृष्ठ एक का शेषांश

सनी हों या सलमान---

वकील रोहतगी ने कहा कि बोर्ड पर मालिक का नाम लिखने के लिए कहना न केवल उचित है, बल्कि कानून की जरूरत भी है। कोर्ट ने एकतरफा आदेश दिया है, जिससे हम सहमत नहीं है। वहीं, उत्तराखंड के वकील ने कहा कि यह कहना गलत है कि मालिक का नाम प्रदर्शित करने के लिए कोई कानून नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि हमें शिव भक्त कांवड़ियों के भोजन की पसंद का भी सम्मान करना चाहिए।

कारगिल विजय दिवस की---

वर्चुअल ब्लास्ट किया। यह दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनने वाली टनल है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई करीब १५,८०० फीट है। यह हिमाचल प्रदेश की लाहौल वैली को लद्दाख की जास्कर वैली से जोड़ेगी। ४.१ किमी लंबी यह टनल निमू-पदुम-दारचा रोड पर बनाई जाएगी। इसे बनाने में करीब १६८१ करोड़ रुपए का खर्च आएगा। सीमा सडक़ संगठन (बीआरओ) करीब दो साल में बनाकर तैयार करेगा। इलाके में साल के चार-पांच महीने बर्फ जमी रहती है। टनल बन जाने के बाद यहां सालभर आवाजाही की जा सकेगी। शिंकुन ला टनल एक ट्विन-ट्यूब डबल लेन टनल होगी। इसमें हर ५०० मीटर के बाद क्रॉस पैसेज होंगे। इसके अंदर सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन सिस्टम, मैकेनिकल वेंटिलेशन सिस्टम, फायर फाइटिंग सिस्टम और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं होंगी।

हिम शिवलिंग के दर्शन---

बताया कि १,६८१ तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए ४८ किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम मार्ग चुना है जबकि ८८५ तीर्थयात्री १४ किलोमीटर के कठिन बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुए। यह ५२ दिवसीय यात्रा औपचारिक रूप से २९ जून को शुरू हुई थी और इसका समापन १९ अगस्त को होगा।

संविधान हत्या दिवस के---

आर्टिकल ३५२ के तहत इमरजेंसी की घोषणा के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्ता और संवैधानिक प्रावधानों के दुरुपयोग के खिलाफ है। यह अधिसूचना संविधान का उल्लंघन या अनादर नहीं करती। याचिका समीर मलिक नाम के व्यक्ति ने दायर की थी। इसमें तर्क दिया गया था कि संविधान के आर्टिकल ३५२ के तहत इमरजेंसी लागू की गई थी, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि यह संविधान की हत्या है। इसी तरह की एक याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी लंबित है।

आदिवासियों के धर्मांतरण---

झारखंड में आदिवासियों का मतांतरण हो रहा है। मतांतरण की जांच के लिए लिए सरकार को एक कमेटी का गठन करना चाहिए। चंगाई सभा के माध्यम से आदिवासियों को लालच देकर मतांतरण कराया जा रहा है। इसपर रोक लगाने की जरूरत है।

जहरीली गैस के रिसाव---

निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। सीएम यादव ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। मैं बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगतों की पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से ४-४ लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। ओम शांति।

अग्निपथ योजना पर---

खरगे ने कहा कि मोदी जी, आप ही हैं जो झूठ फैला रहे हैं! पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में ७५ प्रमतिशत भर्तियों को स्थायित्व के लिए लिया जाना था और २५ प्रतिशत लोगों को ४ साल बाद जाने दिया जाना था। लेकिन मोदी सरकार ने इसका उलटा कर योजना को तीनों सशस्त्र बलों के लिए जबरन लागू कर दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल नरवणे ने अपनी पुस्तक में, इस मोदी सरकार ने प्रकाशित होने से रोक दिया है, कहा है कि अग्निपथ योजना सेना और नौसेना और वायु सेना के लिए चौंकाने वाली थी।

मानसून सत्र बिलों को पास कराना चाहेगी सरकार

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा मानसून सत्र का अंतिम दिन आज (शुक्रवार, २६ जुलाई) है. विपक्ष के हंगामे के बीच नीतीश सरकार अपने कुछ महत्वपूर्ण बिल पास कराने की कोशिश करेगी. सत्र के दौरान विपक्ष के विधायकों ने बढ़ते अपराध समेत कई मुद्दों पर सदन में जमकर हंगामा किया. इतना ही नहीं कई बार वॉक आउट कर गए. जानकारी के बाद प्रश्नोत्तर के बाद ध्यानाकर्षण सूचना पर सरकारी वक्तव्य दिया जाएगा. अजीत कुमार सिंह, संदीप सौरभ और अन्य ६ सभासदों से प्राप्त ध्यान आकर्षण सूचना पर ऊर्जा विभाग/जल संसाधन विभाग की ओर से वक्तव्य दिया जाएगा. इसके अलावा जीवेश कुमार, मोतीलाल प्रसाद और अन्य चार सभासदों से प्राप्त ध्यान आकर्षण सूचना पर सरकार की ओर से शिक्षा विभाग का वक्तव्य आएगा.

वहीं वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री बिहार राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम २००६ के अंतर्गत वित्तीय वर्ष २०२३ २४ के उपलब्धि प्रतिवेदन पुस्तिका की प्रति सभा पटल पर रखेंगे. वहीं आज विधानसभा में प्रश्न काल के साथ आज सदन में गैर विधायी संकल्प पेश किए जाएंगे. वाणिज्य कर विभाग, समाज कल्याण विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज सभा पटल पर रखे जाएंगे. भोजनावकाश के बाद गैर सरकारी संकल्प में सार्वजनिक हित के विषयों पर संकल्प दोहराया जाएगा. इसके बाद अन्य कोई नितांत आवश्यक कार्य हो उसे निपटाया जायेगा और अंत में अध्यक्ष का समापन भाषण होगा.

दूसरी ओर राजद एमएलसी सुनील सिंह की आज सदस्यता जा सकती है. इसको लेकर विपक्षी सदस्य कालापट्टी बांधकर विधान परिषद के गेट के सामने नारेबाजी कर रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि हम लोग इसलिए प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि यह सरकार इतिहास को बदल रही है. यहां गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है. उन्होंने कहा कि जदयू और भाजपा मिलकर गलत परंपरा की शुरुआत कर रही है. इसे आने वाला पीढ़ी देखेगी. राबड़ी देवी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि 'सबका साथ' क्या वह सब का साथ दे रहे हैं, क्या नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मिलकर ही बिहार को बसाए हैं. ७० साल पहले भारत नहीं था.

बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर हुई चर्चा

हाजीपुर(ससे): महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में २५ एवं २६ को ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) के पदाधिकारियों के साथ रेल हित, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र की वर्ष २०२४ की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ । बैठक में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री बी. के. सिंह एवं सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया । यूनियन ने सुदूरवर्ती स्टेशनों पर पदस्थापित रेलकर्मियों हेतु आवास, रेल अस्पतालों में दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता, कैडर उन्नयन, प्रशिक्षण केन्द्रो का उन्नयन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है । महाप्रबंधक ने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए कर्मचारी यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा।

महाप्रबंधक ने कर्मचारी यूनियन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने रेलकर्मियों के कल्याण व आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, रेलवे की आय बढ़ाने तथा विकास कार्यो पर विशेष बल दिए जाने की प्रतिबद्धता दुहराई तथा पूर्व मध्य रेल की प्रगति में यूनियन की सहभागिता के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

बैठक में ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष श्री डी०के०पाण्डेय, महामंत्री श्री एस०एन०पी० श्रीवास्तव एवं यूनियन के मुख्यालय एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे तथा अपना मंतव्य रखा ।

पटना में पीटी टीचर्स पर पुलिस का लाठीचार्ज

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में २६ जुलाई, २०२४ दिन शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे पीटी शिक्षकों पर पुलिस ने लाठियां भांजी. दरअसल, पटना में सचिवालय गेट के पास शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य अनुदेशक संघ की तरफ से विरोध प्रदर्शन जा रहा था. प्रदर्शन कर रहे लोग अपनी सेवा शर्तों और सैलरी में सुधार की मांग कर रहे थे. वहीं, जब प्रदर्शन के दौरान हालात बिगड़ गए, जिससे पुलिस ने भीड़ पर कंट्रोल पाने के लिए लाठीचार्ज कर दिया.

पुलिस की इस कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए. इस दौरान पुलिसकर्मियों को महिलाओं को धकेलते हुए देखा गया. बिहार शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य अनुदेशक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार पांडेय ने बताया, 'सैलरी में सुधार की मांग लंबे समय से की जा रही है.' उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की तरफ से शिक्षक नियोजन नियमावली २०१२ के अंतर्गत डढएढ २०१९ का आयोजन किया गया था. इसके तहत शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य अनुदेशक की बहाली के लिए परीक्षा ली गई थी. मगर, बहाली प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी और सैलरी भी सही नहीं है.नियोजन नियमावली २०१२ के तहत शिक्षकों के वेतनमान में प्राथमिक शिक्षकों के लिए ५००० रुपए है. जबाकि, माध्यमिक शिक्षकों के लिए ६००० रुपए है. वहीं, शारीरिक शिक्षा अनुदेशक का वेतन ४००० रुपए तय किया गया था. इनका वर्तमान वेतन ८००० रुपए है, जो कि बहुत कम है.

नीतीश कुमार सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री : राजद विधायक

पटना (एजेंसी): राजद के विधायक विजय मंडल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा. विधायक ने कहा कि सरकार पूरी तरह से असफल है. इस सरकार में हत्या, बलात्कार और बिहार में भ्रष्टाचार है, लेकिन नीतीश कुमार इस पर कुछ नहीं बोलते है. उन्होंने नीतीश कुमार पर बड़ा आरोप लगाया कि वह सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है. दरअसल, राजद विधायक विजय मंडल एमएलसी सुनील सिंह की सदस्यता खत्म होने के बाद पर ये बयान दिया.

राजद विधायक विजय मंडल ने आगे का कि मुख्यमंत्री ने बोला कि वह महिला का सम्मान करते हैं तो इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाया, राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया क्या? इन्होंने जो महिलाओं के बारे में विधानसभा में बोला हैं, कोई सुन नहीं सकता. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हर चीज में असफल हैं इनको इस्तीफा देना चाहिए. नीतीश कुमार भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं जो इनके खिलाफ बोलेगा उनकी सदस्यता खत्म कर देंगे. हम चुनौती देते हैं कि नीतीश कुमार मेरी सदस्यता खत्म दें.

अब इस राजद विधायक के इस बयान के बाद सूबे का सियासी पारा भी हाई हो चुका है. बीजेपी विधायक जीवेश मिश्रा ने कहा कि बड़ा दुख की बात है कि संसदीय आचरण का प्रदर्शन क्यों नहीं करते हैं? कितना गिरेंगे, कहां जाएंगे? विधायक ने जिस तरह से आसंसदीय भाषा का प्रयोग बिहार के मुखिया के लिए, वह काफी निंदनीय है. इस पर विधानसभा अध्यक्ष को संज्ञान लेना चाहिए जिस पार्टी से वो आते हैं. वहां पर यही पढ़ाई लिखाई होती है. अगर भटियारा शब्द कहते हैं तो लालू यादव और तेजस्वी यादव को सुनाएं नीतीश जी जो बिहार के विकास पुरुष है उनके लिए क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं?

वहीं, जदयू एमएलसी गुलाम ने कहा कि राजद विधायक का यही संस्कार है कि बड़ों का इज्जत नहीं करना है, क्योंकि बड़ों की इज्जत की जाती है यह आरजेडी में उनको नहीं सिखाया गया है. कांग्रेस एमएलसी समीर सिंह ने राजद विधायक के बयान पर कहा कि उनका निजी विचार होगा. ऐसी शब्दों का कोई इस्तेमाल करता है तो कांग्रेस उसके पक्ष में नहीं है. ऐसे लोग गैर संवैधानिक, गैर राजनीतिक बात करते हैं तो यह उचित नहीं है.

29 को तय होगी यूपी की राजनीतिक दिशा

लखनऊ (ईएमएस): लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबर्दस्त हलचल मची हुई है। बीजेपी में अंदरूनी गुटबाजी ने इनदिनों सुर्खियाँ बटोरी हैं और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। बीजेपी के सहयोगी दल भी अब मुखर हो चुके हैं, अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने लगे हैं। इस बीच, सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लखनऊ को छोड़कर दिल्ली का रुख किया है। इस बदलती स्थिति ने २९ जुलाई को यूपी की राजनीति में महत्वपूर्ण मोड़ दे दिया है।

२९ जुलाई को यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा और इसी दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। अखिलेश ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव भी इसी दिन होना है। सीएम योगी के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उन्हें पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी को सुलझाते हुए सहयोगी दलों का विश्वास भी प्राप्त करना होगा।

सपा ने लोकसभा चुनाव में ८० में से ३७ सीटें जीतकर अपनी ताकत का एहसास कराया है, जिससे उनके आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। इस विजय के बाद सपा विधानसभा में भी आक्रामक रुख अपनाने की योजना बना रही है। कांग्रेस का समर्थन भी उनकी स्थिति को मजबूत करता है। विपक्षी दलों के मुद्दों का सामना करना बीजेपी के लिए कठिन हो सकता है, खासकर जब मुद्दे बिजली कटौती, कांवड़ यात्रा के मार्ग पर नेम प्लेट विवाद और ओबीसी आरक्षण जैसे प्रमुख विषयों पर हो। बीजेपी और उसके सहयोगी दल भी अभी कशमकश में हैं।

उधर, राज्यपाल आनंदीबेन का कार्यकाल २९ जुलाई को समाप्त हो रहा है। इसी दिन विधानसभा सत्र की शुरुआत भी होगी, और नए राज्यपाल की नियुक्ति या कार्यकाल का विस्तार इसी दिन से पहले पूरा करना होगा। यूपी के इतिहास में किसी भी राज्यपाल को लगातार दो कार्यकाल नहीं मिले हैं, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि आनंदीबेन पटेल को केंद्र की मोदी सरकार विस्तार देती है या नया राज्यपाल नियुक्त करती है।

अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से जीतने के बाद विधायकी पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधानसभा में नए नेता प्रतिपक्ष का चुनाव होना है। शिवपाल सिंह यादव, इंद्रजीत सरोज और रामअचल राजभर जैसे नाम इस पद के लिए सामने आ रहे हैं। २९ जुलाई का दिन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो प्रदेश की राजनीतिक दिशा और संभावनाओं को आकार देगा।

कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं अखिलेश यादवः केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (ईएमएस): सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के मोहरा बताए जाने के बाद अब उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने भी पलटवार किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस का मोहरा बन चुके सपा बहादुर अखिलेश जी भाजपा को लेकर गलतफहमी पालने, अति पिछड़ों को निशाना बनाने, अपमान करने की जगह सपा को समाप्त होने से बचाने पर ध्यान दें। भाजपा २०२७ में २०१७ दोहराएगी, कमल खिला है खिलेगा,खिलता रहेगा। दरअसल, कपिल सिब्बल को दिए इंटरव्यू में अखिलेश ने योगी और केशव प्रसाद मौर्य के बीच खींचतान की खबरों पर कहा था कि बीजेपी में झगड़ा दो नेताओं के बीच नहीं, बल्कि दिल्ली और लखनऊ के बीच है। अखिलेश ने कहा कि केशव प्रसाद सिर्फ मोहरा हैं।

एडीजी व डीआईजी के छापे में मिला वसूली का हिसाब-किताब

बलिया,(ईएमएस): यूपी के बलिया में लाल बालू, शराब और कोयला समेत अन्य सामानों की तस्करी मामले में छापामार कार्रवाई की गई है। इस मामले की शिकायतों के बाद एडीजी वाराणसी जोन और आजमगढ़ डीआईजी नरही थाने पहुंचे। उन्होंने थाने में घंटों तक छानबीन की। मोबाइल के साथ दो नोटबुक भी बरामद की हैं। इसमें लेनदेन का हिसाब-किताब दर्ज था।

जांच में पता चला है कि थाने में हर रोज पांच लाख की वसूली होती थी। इस प्रकार से देखा जाए तो महीने के डेढ़ करोड़ और सालाना १८ करोड़ की अवैध वसूली का खेल थाने में चल रहा था। दरअसल, बुधवार-गुरुवार रात करीब १:३० बजे अफसरों ने भरौली पहुंचकर जाल बिछाया। रात दो बजे ऑपरेशन चक्रव्यूह शुरू किया। अफसरों को देखते ही थाने के तीन पुलिसकर्मी भाग निकले। वहीं, कोरंटडीह पुलिस चौकी पर सादे कपड़ों में वसूली करने वाले चार जवानों को टीम ने पकड़ा। इस मामले में आरक्षी नरही हरिदयाल सिंह और कोरंटडीह चौकी के आरक्षी सतीश को गिरफ्तार किया गया है।

सीएम योगी ने पुलिस को पब्लिक के लिए जवाबदेह होने का निर्देश दिया है। इसके अलावा अवैध वसूली के मामलों पर सख्त एक्शन के भी निर्देश दिए हैं। इसके बाद यह कार्रवाई सामने आई है। हालांकि, बलिया में एक्शन पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। वहीं, योगी सरकार ने इस मामले में एक्शन लेते हुए बलिया के एसपी और एएसपी को हटा दिया है।

बलिया के नरही थाने को सबसे मलाईदार थाना कहा जाता है। इसका खुलासा एडीजी और डीआईजी की छापेमारी में हुआ है। डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण ने कहा कि थाना क्षेत्र से गुजरने वाले हर ट्रक से ५०० रुपए की वसूली होती थी। बिहार से इस तरफ रोजाना करीब एक हजार ट्रकों की आवाजाही होती है। डीआईजी के आंकड़ों को सही माना जाए तो इस लिहाज से रोजाना वसूली पांच लाख तक वसूली की जाती है। वहीं, महीने के हिसाब से डेढ़ करोड़ की वसूली थाने में होती थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आंकड़ा कम है। वसूली इससे ज्यादा होती है।

कमलेश तिवारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी को मिली जमानत

लखनऊ,(ईएमएस): लखनऊ में हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी हत्याकांड में आरोपी को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कमलेश की हत्या मामले में आरोपी सैयद आसिम अली को जमानत पर रिहा कर दिया है। आरोपी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने आरोपी आसिम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में १३ में से आठ आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। इस आधार पर आसिम को जमानत दे दी गई। इस प्रकार अब इस मामले में नौ आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कमलेश तिवारी की हत्या और षड्यंत्र मामले में आसिम अली की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। कोर्ट ने सांप्रदायिक घृणा, हत्या और षड्यंत्र के आरोप में सैयद आसिम अली को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया था। २०१६ में सोशल मीडिया पर कमलेश तिवारी ने पैगम्बर मोहम्मद साहब के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी । इसके बाद कमलेश तिवारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसमें दो नामित और दो अज्ञात पर हत्या का आरोप लगाया गया। मामले की जांच के दौरान षड्यंत्र का बड़ा खुलासा हुआ और १३ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। कमलेश तिवारी हत्याकांड का केस लखनऊ की अदालत में ट्रायल के लिए गया।

बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ट्रायल लखनऊ से प्रयागराज स्थानांतरित कर दिया गया। इस मामले में अब तक आठ आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। अब आसिम की जमानत भी मंजूर हो गई है। इस मामले में याची मुख्य आरोपी हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट से आरोपी को अब राहत दे दी गई है।

सांसदों, विधायकों और एमएलसी से मिले योगी

लखनऊ (एजेंसी): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी १८ मंडलों के जनप्रतिनिधियों संग लोकसभा चुनाव २०२४ के परिणामों को लेकर विस्तार से समीक्षा बैठक पूरी कर ली है. तकरीबन २० दिन तक चली मंडलवार बैठकों में सांसदगण, विधायकगण और एमएलसी सीएम के समक्ष अपने क्षेत्र की समस्याओं और जन अपेक्षाओं को लेकर उपस्थित हुए. वहीं मुख्यमंत्री ने भी सभी जनप्रतिनिधियों को धैयपूर्वक सुनते हुए तथा उनकी अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय विकास की नई रणनीति तैयार की जाए. ७ जुलाई को देवीपाटन और अयोध्या मंडल से शुरू हुई मंडलवार समीक्षा बैठक शुक्रवार को लखनऊ मंडल के साथ समाप्त हो गई है.

मंडलवार बैठक में पहुंचने वाले जनप्रतिनिधिगणों ने खुलकर अपनी बात कही है. वहीं मुख्यमंत्री ने भी विस्तार से भी की बातों को सुनने के बाद आगामी २०२७ के विधानसभा चुनाव को लेकर जीत का मंत्र भी दिया. सीएम योगी ने संवाद, सक्रियता और सोशल मीडिया पर सर्वाधिक फोकस करने के लिए कहा है.

उन्होंने कहा है कि सभी जनप्रतिनिधिगण अपने अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को जनता तक जरूर पहुंचाएं. इसके अलावा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संपर्क लगातार बनाए रखें. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि विपक्ष की ओर से सोशल मीडिया के जरिए फैलाए जा रहे अफवाहों और सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करने के प्रयास का मुखर होकर विरोध करें। सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए विपक्ष के हर झूठ को बेनकाब करें और जनता के बीच सच लेकर जाएं.

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में युवाओं और महिला संगठनों से संपर्क और संवाद स्थापित करें. युवाओं को बताएं कि बिना किसी रिश्वत और जाति, मत, मजहब के भेद के निष्पक्ष तरीके से सरकारी नौकरियां प्रदान की जा रही है. ऐसे युवाओं से संपर्क स्थापित करें जिन्हें बिना भेदभाव और रिश्वत के नौकरियां मिली हैं. इसके साथ ही अपने अपने क्षेत्र के खिलाड़ियों से भी लगातार संपर्क बनाए रखें.

मुख्यमंत्री ने इसके अलावा सभी जनप्रतिनिधियों को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से जुटने की नसीहत दी है. उन्होंने कहा है इस लोकसभा चुनाव में आपके क्षेत्र में हुए मतदान का बारीकी से एनालिसिस करें और इसी के आधार पर अपनी कार्ययोजना तैयार करें. सीएम योगी ने सभी जनप्रतिनिधियों को यह भी कहा कि शासन के लोककल्याणकारी कार्यों को धरातल पर उतारने में कोई भी अधिकारी हीलाहवाली करे तो उसकी लिखित शिकायत करें, कार्रवाई निश्चित की जाएगी.

योगी सरकार अग्निवीरों को पुलिस व पीएसी में देगी आरक्षण

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया है. सीएम योगी ने कहा है कि अग्निवीरों को पुलिस और पीएसी भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा. हालांकि अग्निवीरों को यह लाभ मौजूदा ६० हजार पदों पर हो रही पुलिस भर्ती में मिलेगा या नहीं, यह देखने वाली बात होगी. मौजूदा नियमावली के तहत एससी-एसटी और ओबीसी को आरक्षण का लाभ सरकारी नौकरियों में दिया जाता है. इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ और बीएसएफ में अग्निवीरों के लिए दस फीसदी आरक्षण की घोषणा की थी.

उच् योगी ने कहा, अग्निवीर जब अपनी चार साल की सेवा के बाद वापस आएंगे तो उत्तर प्रदेश सरकार पुलिस सेवा में और पीएसी में इन नौजवानों को प्राथमिकता के आधार पर समायोजन की सुविधा देगी. उनके लिए एक निश्चित आरक्षण की सुविधा उत्तर प्रदेश पुलिस में उपलब्ध कराएंगे.

सेना में भी अग्निवीरों को अच्छा अवसर उपलब्ध होने वाला है. पैरामिलिट्री फोर्स सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, बीएसएफ ने भी अग्निवीरों को आरक्षण देने की बात कही है. उत्तर प्रदेश सरकार भी इन नौजवानों को समायोजित करेगी. उन्हें भी पुलिस और पीएसी भर्ती में आरक्षण मिलेगा. हमें एक प्रशिक्षित और अनुशासित फौज मिलेगी.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, समय समय पर सुधार होता रहता है. पिछले दस वर्षों के अंदर भारत की अर्थव्यवस्था को एक सम्मानजक स्थिति में ले जाने और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में काफी रिफॉर्म किए गए हैं. एक तरफ हम कामयाबी के नित नए सोपान छू रह हैं तो अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को भी उतना ही महत्व देना होगा. राष्ट्रीय सुरक्षा में चाहे वह सेना में उनके साजोसामान में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने का कार्य हो. या सेना के आधुनिकीकरण से जुड़े हुए त्वरित निर्णय को आगे बढ़ाने का काम हो. सेना भी इस रिफॉर्म को आगे बढ़ाने की दिशा में बड़ी है. आज सेना के पास अत्याधुनिक विमान हैं.

उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु समेत कई जगहों पर डिफेंस कॉरिडोर बन रहे हैं. हजारों करोड़ रुपये का निवेश इसमें आ रहा है. बहुत सारी ऐसे चीजें है, जिनमें भारत ने लंबी छलांग लगाई है. सेना भी सुधार के साथ आगे बढ़ सके. उसके लिए ही अग्निवीर योजना को आगे लाया गया है. दस लाख अग्निवीर भारतीय सेना के मजबूत अंग के तौर पर सेवाएं देने की ओर आगे बढ़ रहे हैं. कुछ राजनीतिक दल अपनी सियासत देश की कीमत पर करना चाह रहे हैं. वो हर सुधार वाले कार्य को टांग अड़ाना चाहते हैं. अनावश्यक अवरोध पैदा करना और गुमराह करने का भी काम विपक्ष करता रहा है.

दिलीप पर सुशील मोदी की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी): बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा के लिए बीजेपी का पूरा फोकस संगठन को मजबूत करने पर है. इसी कड़ी में गुरुवार की रात को प्रदेश इकाई में बड़ा बदलाव हो गया. प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी से सम्राट चौधरी को उतारकर दिलीप जायसवाल को बिठा दिया गया. वह इस वक्त बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री हैं.

दिलीप जायसवाल बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं. कहा जा रहा है कि जातीय गणित सेट करने वाला दांव फेल होने के बाद बीजेपी अपनी पुरानी रणनीति पर लौट आई है. दरअसल, इससे पहले बिहार बीजेपी की कमान सम्राट चौधरी के हाथ में थी. सम्राट कुशवाहा बिरादरी से आते है. पार्टी ने उनको उस वक्त प्रदेश अध्यक्ष बनाया था, जब नीतीश कुमार एनडीए छोड़कर महागठबंधन के साथ चले गए थे.

पार्टी को उम्मीद थी कि वह (सम्राट चौधरी) नीतीश कुमार के लव-कुश वोटबैंक में तोड़फोड़ करेंगे और कुश (कुशवाहा) को अपनी तरफ लाएंगे. लोकसभा चुनाव में वह पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुए. वह अपनी जाति के वोटर को बीजेपी या एनडीए में लाना तो दूर की बात राजद में जाने से

भी नहीं रोक पाए. वहीं दूसरी ओर बीजेपी का कोर वैश्य वोटर भी पार्टी में अपनी उपेक्षा होते देख खिसक गया.

बीजेपी रणनीतिकार अभी भी पिछड़ा या दलित से ही प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की कवायद कर रहे थे, लेकिन अंतिम समय में पार्टी ने अपना निर्णय बदलते हुए पिछड़ा और पिछड़ा में भी वैश्य जाति से आने वाले डॉ. जायसवाल का प्रदेश अध्यक्ष बनाया.

दिलीप जायसवाल के कंधों पर पार्टी के दिवंगत नेता सुशील मोदी की विरासत को आगे बढ़ाने की बड़ी कठिन जिम्मेदारी है. बिहार में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण हैं, उसमें भाजपा को मजबूत स्थिति में खड़ा करने में सुशील मोदी का बड़ा योगदान रहा. बिहार में वैश्य समाज की २७ प्रतिशत आबादी है.

सुशील मोदी की वजह से वैश्य समाज बीजेपी का कोर वोटर बन गया था. हालांकि, इस लोकसभा चुनाव से पहले सुशील मोदी का निधन हो गया था और पार्टी को इसका खामियाजा भी उठाना पड़ा. लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश महासचिव संजय जायसवाल ने कहा था कि अभी तक चुनाव में हमें उचित भागीदारी नहीं मिलती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं चलने वाला है. इसका नतीजा ये हुआ कि बीजेपी का परंपरागत वोट खिसक गया था.

हालांकि,दिलीप जायसवाल में संगठन चलाने के सारे गुण मौजूद हैं. सीमांचल के साथ साथ नॉर्थ ईस्ट में भी उनकी अच्छी पकड़ है. बिहार में ओबीसी वोटरों की संख्या कुल वोटरों का करीब ६३ फीसदी है. इनमें ओबीसी २७.१३ और अति पिछड़ा वर्ग के वोटरों की संख्या ३६.०१ है. इन वोटरों को साधने के लिए दिलीप जायसवाल को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है.

बिहार में 1.60 लाख नए शिक्षकों की निकलेगी वैकेंसी

पटना (एजेंसी): बिहार में शिक्षकों बनने की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए बहुत बड़ी खबर नीतीश सरकार ने दी है. नीतीश सरकार प्रदेश में बहुत जल्द १ लाख ६० हजार शिक्षकों की भर्ती निकालने जा रही है. इसका ऐलान बिहार विधानसभा में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने किया. सदन में शिक्षा मंत्री ने कहा, 'सरकार ने नए १.६० लाख शिक्षकों की नियुक्ति का फैसला किया है.' इन भर्तियों के लिए बिहार सरकार ने बिहार लोक सेवा आयोग को अधिसूचना भेज दी है. माना जा रहा है कि इन भर्तियों के लिए अगस्त महीने के बाद विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा.

मिली जानकारी के अनुसार, सबसे ज्यादा भर्तियां पारंभिक स्कूलों में होंगी. इन नियुक्तियों में सबसे ज्यादा प्रधान शिक्षक और सामान्य टीचर्स की होंगी. साथ ही माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों के टीचर्स और प्रिंसिपल की भर्ती होगी. जनरल सब्जेक्ट के आलावा सबसे अधिक कम्प्यूटर शिक्षकों की बहाली होगी. इनमें २६ हजार पद खाली हैं. वहीं, कम्प्यूटर शिक्षकों की भर्ती प्लस टू स्कूलों के लिए होगी. इस दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार में एजुकेशन क्वालिटी के लिए विभाग लगातार प्रयास कर रहा है.

इतना ही नहीं शिक्षा मंत्री ने सभी विधायकों से उनके क्षेत्र के १०-१० स्कूलों की लिस्ट भी मांगी है, जिसका सरकार रेनोवेशन कराएगी. शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने अनुपरक बजट पेश करते हुए कहा, 'प्रथम अनुपूरक में शिक्षा का बजट करीब १०,३९१ करोड़ रुपए का है. कुल बजट ५२ हजार करोड़ रुपए का है, जोकि प्रदेश सरकार के कुल बजट का करीब १८ फीसदी है.'

उन्होंने बताया कि शिक्षा में सुधार के लिए १.७३ लाख शिक्षकों की नियुक्ति एक बार में की गई है. यह अपने आप में रिकार्ड है. शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि राज्य में अभी शिक्षकों की कुल संख्या ५.३७ लाख है. शिक्षा मंत्री ने सदन में कहा, 'सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम को प्रतियोगी बनाया जाएगा, ताकि बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा में हेल्प मिले.'

राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह की सदस्यता रद्द

पटना (एजेंसी): राजद एमएलसी सुनील सिंह की बिहार विधान परिषद से सदस्यता खत्म हो गई है. आचार समिति ने अपना रिपोर्ट पेश किया. इस रिपोर्ट में वह दोषी पाए गए, जिसके बाद उनकी सदस्यता बिहार विधान परिषद से खत्म कर दी गई. राजद नेता सुनील सिंह पर यह कार्रवाई सीएम नीतीश कुमार की मिमिक्री करने पर की गई है. वहीं, राजद एमएलसी कारी सोहेब को अगले सत्र में २ दिन के लिए निष्कासित किया गया है.

दरअसल, बिहार विधान परिषद के उपसभापति और आचार समिति के अध्यक्ष रामवचन राय ने २५ जुलाई, २०२४ दिन गुरुवार को राजद के मुख्य सचेतक डा. सुनील कुमार सिंह के खिलाफ बड़ा कदम उठाया था. उन्होंने राजद एमएलसी खिलाफ सदन पटल पर उनकी सदस्यता समाप्त करने का प्रतिवेदन रखा था. आचार समिति ने राजद के मुख्य सचेतक की सदस्यता समाप्त करने की अनुशंसा की थी. इसके बाद सुनील सिंह की विधान परिषद सदस्यता खत्म कर दी गई. बता दें कि राजद नेता सुनील सिंह पर यह कार्रवाई सदन में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री का मिमिक्री कर मजाक उड़ाने के मामले में की गई है. यह मामला बजट सत्र के दौरान १३ फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ सदन में अशोभनीय व्यवहार से भी जुड़ा हुआ था. वहीं, भीष्म साहनी की मांग पर जांच समिति बनाई गई थी. जांच समिति ने वीडियो की जांच के बाद इसके आरोपों को सही पाया था.

तनिष्क शोरूम से 20 करोड़ की लूट

पूर्णिया (ईएमएस): पूर्णिया में शुक्रवार सुबह तनिष्क शोरूम में दिनदहाड़े २० करोड़ की ज्वेलरी की लूट हुई है। इनमें १० करोड़ से ऊपर हीरे के गहने हैं। बाकी सोने की ज्वेलरी बताई जा रही है। बाइक से आए ६ अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। सभी के पास हथियार थे। पहले ३ अपराधी शोरूम में कस्टमर बनकर घुसे थे। इसके बाद तीन और अंदर गए। फिर सभी ने गन पॉइंट पर लूटपाट की। लूटपाट के दौरान बदमाशों ने शोरूम के कर्मचारी और ग्राहकों को ऊपर वाले फ्लोर पर बंधक बना लिया था। घटना पूर्णिया के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के डाकबंगला चौक स्थित तनिष्क शोरूम की है। २० मिनट में अपराधी पूरी वारदात को अंजाम देकर निकल गए। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

झारखण्ड सरकार

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग

जिला गव्य विकास कार्यालय, गिरिडीह

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

गिरिडीह जिला के इच्छुक ग्रामीण किसान/पशुपालक/दुग्ध उत्पादक को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 17 रा0 (वि0), दिनांक 16/07/2024 अन्तर्गत प्रशिक्षण योजनाओं का क्रियान्वयन गव्य विकास प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची एवं दुमका द्वारा आयोजित किया जाना है जिसकी विवरणी निम्नवत है :–

(क) वित्तीय वर्ष 2024–25 में IGNOU के माध्यम से संचालित DIPLOMA IN DAIRY TECHNOLOGY (DDT)। अभ्यर्थियों की योग्यता कम से कम 10+2 उतीर्ण हो, को एक वर्श का डेयरी टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा पाठ्क्रम।

(ख) वित्तीय वर्ष 2024–25 में IGNOU के माध्यम से संचालित AWARENESS PROGRAMME ON DAIRY FARMING (APDF) योजना। प्रशिक्षणार्थी की योग्यता मैट्रिक उतीर्ण हो एवं पशुपालकों के पास कम से कम 05 दुधारू मवेशी हो।

(ग) वित्तीय वर्ष 2024–25 छः दिवसीय आवासीय दुधारू पशु प्रबन्धन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण योजना।

छः दिवसीय प्रशिक्षण योजना हेतु निम्न बिन्दुओं की आवश्यकता है–

- प्रशिक्षणार्थी का साक्षर होना अनिवार्य है।
- न्यूनतम उम्र 18 वर्ष एवं अधिकतम 55 वर्ष।
- वैसे पशुपालक जिन्हें विगत तीन वर्षो के अन्दर विभागीय योजना के तहत् दुधारू पशु उपलब्ध कराया गया है तथा उनके पास अभी दुधारू पशु उपलब्ध है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा।
- झारखण्ड मिल्क फेडरेशन द्वारा संचालित प्रत्येक बल्क मिल्क कूलर से संबद्ध दुग्ध आपूर्तिकर्त्ता को प्राथमिकता दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के सभी लाभुक जो अप्रशिक्षित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण हेतू चयन किया जाएगा तदोपरान्त् मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी।
- इच्छुक ग्रामीण किसान/पशुपालक/दुग्ध उत्पादक जो पूर्व से गाय/भैंस रखते हो या रखने के इच्छुक हों, उन्हे। प्राथमिकता दी जाएगी।

नोट :– प्रशिक्षण/DIPLOMA हेतु आवेदन पत्र जिला गव्य विकास कार्यालय, गिरिडीह से कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है। विशेष जानकारी हेतु 6207399454 पर संपर्क किया जा सकजा है।

निवेदक/–
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गिरिडीह

PR 330773 Animal Husbandry (24-25)_D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

e- Procurement
Very Short Notice Inviting Tender
Reference No. - UDD/CMC/02/2024-25

Group No.	Name of work	Tender Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period
01	DEVELOPMENTAND REJUVENATION OF NARAYANPUR POND IN WARD NO 31UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	12505876.00	250500.00	10000.00	12 Months
02	DEVELOPMENT AND REJUVENATION OF POND NEAR SDO OFFICE IN WARD NO 31UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	12342390.00	247000.00	10000.00	12 Months
03	DEVELOPMENT AND REJUVENATION OF NAVIN VIHAR POND UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	7041954.00	141000.00	10000.00	12 Months
04	DEVELOPMENT AND REJUVENATION OF DOMDI BASTI POND IN DEMUDIH UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	7471299.00	149500.00	10000.00	12 Months
1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	30/07/2024			
2	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	12/08/2024 upto02:00PM			
3	बिड खोलने की तिथि एवं समय	13/08/2024 at 03:00 PM			
4	थ्नविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.			
5	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेली फोन नं0/ई–प्रोक्योरमेन्टसेल का सं0	7766907810			

NOTE:
- Only e-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in
- **e-Procurement** में **Tender Fee** एवं **EMD** की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, राँची का आदेश ज्ञापांक 120, दिनांक 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड राँची का पत्रांक 05/विविध (**e-Tender**) –12/2023/न0वि– 4847 (अनु॰) दिनांक 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

प्रशासक
–सह–
अपरनगर आयुक्त चास नगर निगम।

PR.NO. 330797 Urban Development(24-25):D

झारखण्ड सरकार

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग

न्यायालय– समाहर्त्ता–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल।

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि भारतीय वन (बिहार संशोधन) अधिनियम 1989 की धारा 66A में प्रदत्त शक्तियों के तहत बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1956 के अन्तर्गत समाहर्त्ता के शक्तियों का उपयोग करते हुए सरकारी वन भूमि अतिक्रमण की बेदखली हेतु इस न्यायालय द्वारा प्रारम्भ की गई निम्नवत BPLE वादों में अनेको नोटिस के बावजूद विपक्षी अबतक सुनवाई में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस समाचार पत्र के माध्यम से मुकदमे से संबंधित सभी प्रतिपक्षों को सूचित किया जाता है कि निम्नवत निर्धारित तिथि को पूर्वाह्न 11.30 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। समाचार पत्र में सूचना प्रकाशन के बाद भी यदि आप उपस्थित नहीं होते है तो अभिलेख में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर एक–पक्षीय उचित आदेश पारित कर दिया जायगा।

मुकदमे की विवरणी निम्नवत है :–

क्र0	मुकदमा सं0 एवं वर्ष	प्रतिवादी का नाम एवं पता	अतिक्रमित वन भूमि स्थल का नाम, थाना न0, प्लौट न0 एवं रकबा	सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि
1	2	3	4	5
1	01/18	1.परमेश्वर महतो, पिता–स्व0 गणेश महतो, 2.बाबूलाल महतो, पिता–भूपाल महतो, दोनो सा0–तेलोनारी (परसन), थाना– बेंगाबाद, जिला– गिरिडीह	मौजा–तेलोनारी पी0एफ0, थाना–बेंगाबाद थाना न0–9 जी. प्लौट न0–2032 रकबा–06 डी0	30.08.2024
2	02/18	1.मंगर महतो, पिता–स्व0 बोधी महतो, 2.रामदेव महतो, पिता– कैलाश महतो, 3.सीताराम प्रसाद वर्मा, पिता– ढ़ालचन्द महतो, 4.सत्यनारायण प्र0 वर्मा, पिता–ढ़ालचन्द महतो, 5.रामचन्द्र महतो, पिता– स्व0 बोधी महतो, सभी सा0– तेलोनारी (परसन), थाना– बेंगाबाद, जिला– गिरिडीह	मौजा–तेलोनारी पी0एफ0, थाना–बेंगाबाद थाना न0–9 जी. प्लौट न0–2032 रकबा–10 डी0	30.08.2024
3	05/18	1.टेकलाल महतो, पिता– स्व0 मीतु महतो, 2.कृपाल मंडल, पिता– टेकलाल मंडल, दोनो सा0–झितरी, थाना– ताराटांड़, जिला– गिरिडीह	मौजा–झितरी पी0एफ0, थाना–ताराटांड़ थाना न0–589 प्लौट न0–574 रकबा–3.44 डी0 मौजा–कोरबंधा पी0एफ0, थाना–ताराटांड़ थाना न0–629 प्लौट न0–434 रकबा–5.73 डी0	30.08.2024
4	06/18	1.बुधन टुडू, पिता–जोनवा टुडू 2.पूरन टुडू, पिता– रस्सी टुडू 3.कारू टुडू, पिता– मौली टुडू तीनो सा0–शहरपुरा थाना–बेंगाबाद, गिरिडीह 4.बन्डु टुडू, पिता– मंझला टुडू, सा0–डोमपहाड़ी, थाना–बेंगाबाद, गिरिडीह 5.महेश सोरेन, पिता– पैका सोरेन, सा0–खण्डौली, थाना–बेंगाबाद, गिरिडीह 6.नरेश चोड़े, पिता– परमेश्वर चौड़े सा0–शहरपुरा थाना–बेंगाबाद, गिरिडीह	मौजा–शहरपुरा पी0एफ0, थाना–बेंगाबाद थाना न0–51जी. 30जी.31जी. प्लौट न0–01, 355, 53 रकबा– 77.21 डी0	30.08.2024
5	08/18	1.डीगो मंडल, पिता– स्व0 तुलसी मंडल 2.सहदेव मंडल, पिता– डीगो मंडल 3.चुरामन मंडल, पिता– डीगो मंडल 4.भोला मंडल, पिता– चुरामन मंडल सभी सा0–कोरबंधा, थाना–ताराटांड़, गिरिडीह	मौजा–कोरबंधा पी0एफ0, थाना–ताराटांड़, थाना न0–629 प्लौट न0–434 रकबा– 8.26 डी0	30.08.2024
6	09/18	1.छटु मंडल, पिता– स्व0 जगत मंडल 2.डिलचन्द मंडल, पिता– स्व0 माधो मंडल 3.खूभलाल मंडल, पिता– स्व0 जगत मंडल 4.बिला मंडल, पिता– खुभलाल मंडल 5.होरील मंडल, पिता– माधो मंडल सभी सा0–कोरबंधा, थाना–ताराटांड़, गिरिडीह	मौजा–कोरबंधा पी0एफ0, थाना–ताराटांड़, थाना न0–629 प्लौट न0–434 रकबा– 10.44 डी0	30.08.2024
7	10/18	1.चुरामन मंडल, पिता– डीगो मंडल 2.बाबूलाल मंडल, पिता– स्व0 बुधन मंडल 3.टेको मंडल, पिता–स्व0 मीठु मंडल 4.महाबीर मंडल, पिता– स्व0 बलिया मंडल 5.मोहन मंडल, पिता–स्व0 बलिया मंडल सभी सा0–कोरबंधा, थाना–ताराटांड़, गिरिडीह	मौजा–कोरबंधा पी0एफ0, थाना–ताराटांड़, थाना न0–629 प्लौट न0–434 रकबा– 12.85 डी0	30.08.2024
8	11/18	1.होरील मंडल, पिता– माधो मंडल 2.जयनारायण मंडल, पिता– होरील मंडल 3.बबलू मंडल पिता– होरील मंडल सभी सा0–कोरबंधा, थाना–ताराटांड़, गिरिडीह	मौजा–कोरबंधा पी0एफ0, थाना–ताराटांड़, थाना न0–629 प्लौट न0–434 रकबा– 11.00 डी0	30.08.2024
9	16/18	1.सहदेव राय, पिता– स्व0 गेन्दो राय 2.भुनेश्वर राय, पिता– कोकील राय 3.केन्दली राय, पिता– मधु राय सभी सा0– परहहेता, थाना–अहिल्यापुर, गिरिडीह	मौजा–परहेता पी0एफ0, थाना–अहिल्यापुर थाना न0–501 प्लौट न0–13रकबा– 6.14 डी0	30.08.2024
10	17/18	रामसोल मुर्मू, पिता–बुधरा मुर्मू सा0–गेन्साशेर, थाना– बेंगाबाद, गिरिडीह	मौजा–लप्पी आर0एफ0, थाना–बेंगाबाद थाना न0–103. प्लौट न0–556रकबा– 4.00 डी0	30.08.2024
11	19/19	1.बासो सोरेन, पिता– चुड़का सोरेन 2.काली हेम्ब्रम, पिता– स्व0 चन्दन हेम्ब्रम दोनो सा0– महेशपुर, थाना–गाण्डेय, गिरिडीह	मौजा–महेशपुर पी0एफ0, थाना–गाण्डेय थाना न0–481 प्लॉट न0–181रकबा– 12 डी0	30.08.2024
12	12/22	1.मो0 कमरूद्दीन, पिता– मो0 हासिम 2.मो0 सुलेमान, पिता– मो0 हासिम 3.मो0 हाकिम जान, पिता– मो0 हासिम 4.मो0 अयुब, पिता– मो0 हासिम 5.मो जसिम, पिता– मो0 हासिम सभी सा0–पिहरा,थाना–गावां,जिला–गिरिडीह	मौजा–पिहरा पी0एफ0, थाना–गावां थाना न0–371 प्लॉट न0–8089 रकबा– 0.08 ए0	30.08.2024
13	06/23	लाल जय किशोर नाथ सहदेव, पिता–लालचन्द्र मोहन नाथ सहदेव, बोकारो	मौजा–कल्याण्डीह पी0एफ0, थाना–गिरिडीह थाना न0–106 प्लॉट न0–228/232 रकबा– 0.99 ए0	30.08.2024

PR 330775 Forest, Environment and Climate Changes (24-25)D

समाहर्त्ता,
–सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमण्डल।

कार्यालय-असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, DHS गिरिडीह

अल्पकालीन निविदा सं0 03/ DHS दिनांक– 26.07.2024

अल्पकालीन निविदा–आमंत्रण सूचना

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, DHS गिरिडीह के अधीनस्थ जिला अंतर्गत सहिया/ए0एन0एम0/चिकित्सा पदाधिकारी के प्रशिक्षण एवं बैठक हेतु भोजन आपूर्ति के लिए निविदाआमंत्रित किया जाता है। इच्छुक प्रतिष्ठान दिनांक 07.08.2024 तक मोहरबंद निविदा निबंधित डाक से असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, DHSगिरिडीह के नाम से उपलब्ध कराया जा सकता है। उक्त निविदा दस्तावेजको Website – http://giridih.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है।

Sl. No.	Details	Timelines/other Particulars
1	Date of start of Bid Submission	27-07-2024
2	Last Date and time for submission of Bids	07-08-2024 till 5.00 PM
3	Tender Document Fee (Non-Refundable)	Rs.5,000/- (Rupees Five Thousand) in the form of crossed demand draft in favour of "DHS RCH Flexible Pool, Giridih Payable at Giridihshould be attached with hard copy of Tender.
4	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs.50,000/- (Rupees Fifty Thousand) in the form of crossed demand draft in favour of "DHS RCH Flexible Pool, Giridih Payable at Giridihshould be attached with hard copy of Tender.
5	Opening of Technical Bid-PART A	08-08-2024 at 12.30 PM
6	Opening of Financial Bid-PART B	To be notified later

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, DHS गिरिडीह।

PR.NO.330840 Health Med Edu and Family Welfare(24-25):D

जिला परिषद, धनबाद

पत्रांक– 812/जि0प0, धनबाद, दिनांक– 26.07.2024

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–1/2024-25/ZPDH/DHANBAD/2nd Call
(State Grant)

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य करने का समय
01	टुण्डी	टुण्डी प्रखण्ड अन्तर्गत पंचायत भवन **मनियाडीह** की मरम्मति कार्य	29,58,900	5,000	B.O.Q. का 2%	03 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **01-08-2024**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **08-08-2024** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **10-08-2024** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जायेगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **8789242462**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में **अग्रधन की राशि** वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिशद, धनबाद।

PR 330818 (Rural Development) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार

उपायुक्त का कार्यालय (खनन शाखा), धनबाद।

धनबाद जिलान्तर्गत निरसा थाना के सिजुआ पंचायत अन्तर्गत विवाह मण्डप के समीप भण्डारित बालू खनिज का आम निलामी हेतु सूचना :–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि धनबाद जिलान्तर्गत निरसा थाना के सिजुआ पंचायत अन्तर्गत विवाह मण्डप के समीप अवैध रूप से भण्डारित कुल 2,00,000 (दो लाख) घनफीट बालू खनिज को The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining Transportation and Storage) Rules, 2017 के नियम 11 के तहत् जिला खनन् पदाधिकारी, धनबाद द्वारा जप्त करने के पश्चात् जिला समाहर्त्ता–सह–उपायुक्त का न्यायालय, धनबाद में राजसात हेतु अधिहरण वाद संख्या 12/2023 दायर किया गया था। समाहर्त्ता न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 29.09.2023 द्वारा जप्त 2,00,000 (दो लाख) घनफीट बालू खनिज को उक्त नियमावली के नियम 11(v) के तहत् अधिहृत कर निलामी हेतु आदेश पारित किया गया है। फलस्वरूप झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 (यथा संशोधित), 2019 के नियम 54A के तहत् अधिहृत बालू खनिज की आम निलामी दिनांक 12.08.2024 के अपराह्न 01:00 बजे उपायुक्त/प्राधिकृत प्रतिनिधि, धनबाद की देख–रेख में समाहरणालय सभा कक्ष, धनबाद में सम्पन्न की जाएगी। निलामी की प्रक्रिया एवं शर्ते निम्नवत् है :–

(1) सुरक्षित जमा राशि 2,00,000 CFT @ 11.13 Rs/CFT = 22,26,000.00 (बाईस लाख छबीस हजार) रूपया मात्र।
(2) निलामी के उपरांत उच्चतम डाक द्वारा राशि के पूर्ण भुगतान के पश्चात् ही उच्चतम डाकवक्ता के पक्ष में नियमानुसार आशय का पत्र निर्गत किया जायेगा।
(3) उक्त खनिज का उठाव/प्रेषक JIMMS Portal के माध्यम से निर्गत परिवहन चालान की तिथि से छः माह के अंदर अनिवार्य रूप से कर लेना होगा।
(4) उच्चतम डाक की पूर्ण राशि निलामी की तिथि से सात दिनों के अंदर भुगतान करना होगा।
(5) उच्चतम डाकवक्ता द्वारा धनबाद जिलान्तर्गत सरकारी योजनाओं में आवश्यकता होने पर उक्त खनिज का बिक्री में सरकारी योजनाओं की आपूर्ति में प्राथमिकता देनी होगी।
(6) बोली लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को सुरक्षित जमा का दस प्रतिशत (10%) राशि निर्धारित प्रतिभूति रकम के रूप में निलामी में भाग लेने के लिए निलामी के पूर्व (दिनांक 06.08.2024 तक) जिला खनन पदाधिकारी, धनबाद के पदनाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट जमा करना होगा अन्यथा व्यक्ति/संस्था डाक में भाग लेने से वंचित कर दिये जायेंगे। सफल डाकवक्ता (अधिकतम राशि) की प्रतिभूति रकम को छोड़कर अन्य डाकवक्ता द्वारा जमा प्रतिभूति राशि का बैंक ड्राफ्ट नियमानुसार वापस कर दिया जायेगा।
(7) निलामी के रकम निर्धारित राशि के उपर की बोली गयी डाक की राशि का दस प्रतिशत डाक की समाप्ति या उपायुक्त/प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निर्देश दिये जाने पर तुरंत बैंक ड्राफ्ट/Online के माध्यम से जमा करना होगा अन्यथा आगे डाक में भाग नहीं लेने दिया जायेगा।
(8) निलामी के पश्चात् बालू का प्रेषण करने में किसी प्रकार अड़चन यथा पहूंच तथा वगैरह के कारण या किसी अन्य कारणवश निलामीधारी, निलामी किये गये बालू का प्रेशण नहीं कर पाते है, तो इसकी जिम्मेवारी सरकार की नहीं होगी तथा भुगतान की गयी राशि के विरूद्ध किसी भी प्रकार का दावा/कटौती मान्य नहीं होगा।
(9) बालू निश्कासन के क्रम में यदि रैयती भूमि का उपयोग किया जाता है, तो इसकी क्षतिपूर्ति का भुगतान निलामीधारी द्वारा किया जायेगा।
(10) अन्य शर्त एवं बंधेज झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 (सभी संशोधनों सहित) एवं Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation and Storage) Rules, 2017 के प्रावधानों के अनुसार होगा।
(11) उक्त खनिज के निलामी से सम्पन्न होने के उपरांत निलामी की राशि पूर्ण रूप से जमा किये जाने के उपरांत बालू खनिज के निश्पादन/प्रेशण हेतु JIMMS द्वारा अस्थाई आई0डी0 सृजित किया जायेगा।
(12) निलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्था दिनांक–06.08.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक जिला खनन कार्यालय, धनबाद में आवेदन दाखिल कर सकते है। आवेदन के साथ निम्नलिखित वांछित कागजात स्वअभिप्रमाणित कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।
  (क) सुरक्षित जमा का दस प्रतिशत राशि निर्धारित प्रतिभूति रकम के रूप में।
  (ख) पैन कार्ड की छायाप्रति।
  (ग) आधार कार्ड की छायाप्रति।
  (घ) आवासीय प्रमाण पत्र की छायाप्रति।
  (च) पासपोर्ट साईज फोटो।
  (छ) वित्तीय सुदृढ़ता के प्रमाण स्वरूप चल–अचल सम्पत्ति का ब्यौरा।
  (ज) आशय का शपथ पत्र, की उनके द्वारा खान एवं भूतत्व विभाग को कोई बकाया नहीं है तथा उनके उपर खनिजों अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के किसी मामले में सक्षम न्यायालय द्वारा दोशी करार न दिया गया हों।
(13) उपर्युक्त शर्तो के अनुपालन नहीं करने पर निलामी के क्रम में जमा राशि तथा प्रतिभूति की राशि जप्त करते हुए पुनः निलामी के लिए आगे की कार्रवाई की जायेगी।
(14) निलामी के संबंध में उपायुक्त, धनबाद का निर्णय अंतिम होगा तथा उपायुक्त, धनबाद द्वारा आवश्यकतानुसार निविदा के शर्तो में बदलाव या अतिरिक्त शर्ते निलामी की निश्पादन की पूर्ण प्रक्रिया के क्रम में लगाने का विशेषाधिकार रहेगा।

नोट– **विशेष जानकारी के लिए जिला खनन कार्यालय, धनबाद में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।**

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद।

PR 330829 (Mines and Geology) 24-25 (D)

जमीन कारोबारी कमलेश को पूछताछ के बाद ईडी ने किया गिरफ्तार

रांची (ससे): जमीन कारोबारी कमलेश को पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया. शुक्रवार की दोपहर कमलेश कुमार एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी ऑफिस पहुंचा था. ईडी ने उससे करीब छह घंटे तक पूछताछ की. जिसके बाद ईडी के द्वारा पूछे गए सवालों का कमलेश स्पष्ट रूप से जवाब नहीं दे पाये. जिसके बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया. कमलेश को शनिवार को ईडी कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी.

छठा समन जारी कर पेश होने का निर्देश

जमीन कारोबारी कमलेश १९ जुलाई को भी ईडी ऑफिस में पेश नहीं हुआ था. उसे पांच समन जारी हो चुके थे. जिसके बाद छठा समन जारी करते हुए उसे २६ जुलाई को दिन के ११:०० बजे तक रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया गया था.

छापेमारी में एक करोड़ कैश व 100 गोलियां बरामद

बीते २१ जून को ईडी की टीम ने उसके किराए के फ्लैट में छापेमारी की थी. छापेमारी के दौरान एक करोड़ रुपए कैस और राइफल की १०० गोलियां जब्त की गयी थीं. इसके बाद ईडी के अधिकारियों के आग्रह पर रांची के कांके थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी.

ऑनलाइन आवेदन के नाम पर ग्रामीणों से ठगी

धनबाद (कासं) : राज्य सरकार की मुख्यमंत्री बहन बेटी मईं-कुईं स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना में तोपचांची प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में बिचौलिये हावी हैं। बिचौलिये सीधे-साधे ग्रामीणों से योजना का लाभ दिलाने के नाम पर अवैध वसूली कर रहे हैं। तोपचांची प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने कहा कि योजना में बिचौलियों के हावी होने की बात सामने आई है। वे ग्रामीणों से ऑनलाइन आवेदन के नाम पर २०० रुपए वसूल रहे हैं, जबकि इसमें किसी तरह का पैसा नहीं लगना है। आंगनबाड़ी सेविकाएं घर-घर जाकर योजना का फॉर्म बांटेंगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता को सतर्क रहने की अपील की। कहा कि प्रत्येक पंचायत में कैम्प लगाकर लोगों को योजना का लाभ दिया जाएगा। मौके पर उपप्रमुख हेमलाल महतो व चितरपुर पंचायत समिति सदस्य जगदीश महतो मौजूद थे।

नवजात को डेढ़ लाख में बेचने से पहले पुलिस ने तीन महिला को किया गिरफ्तार

रांची (ससे): नवजात बच्चे को डेढ़ लाख में बेचने से पहले रांची पुलिस ने तीन महिला को गिरफ्तार कर लिया. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सीमा देवी, पिंकी देवी और पूनम देवी को गिरफ्तार किया है. एसएसपी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को २४ जुलाई को जानकारी मिली थी कि रांची रेलवे स्टेशन के सिढ़ी पुल के नीचे से छः माह के नवजात बच्चे की चोरी की गई है. जानकारी मिलने के बाद एक टीम गठन किया गया. टीम ने बच्चे की सकुशल बरामदगी कर ली. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनिकी सहयोग से चौबीस घंटे के अंदर शिशु को धुर्वा थाना क्षेत्र के सुदूर इलाके से सकुशल बरामद किया गया और तीन महिला को गिरफ्तार किया गया.

डेढ़ लाख में हुआ था बच्चे का सौदा

एसएसपी ने बताया की पूछताछ में गिरफ्तार महिला पिंकी कुमारी द्वारा यह बताया गया कि बच्चे को उनके द्वारा डेढ़ लाख में पुनम देवी और सीमा देवी को २५ जुलाई की शाम में बेचने की योजना बनाई गई थी, जिसके पूर्व ही छापामारी कर इस योजना को विफल कर दिया गया. पूछताछ में यह भी बात आई है, कि सीमा देवी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से बच्चा बेचने की बात तय की गई थी, जिसके पूर्व घटना का पर्दाफाश हो गया.

आमटाल में मनाया गया पर्यावरण उत्सव

बलियापुर (ससे) : शुक्रवार को आमटाल के पंजीयनियटांड़ में पर्यावरण उत्सव मनाया गया जिसमें नागरिक संवाद वायु मित्र का प्रोग्राम किया गया जिसमें पर्यावरण एवं वातावरण के बारे में ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक धनबाद के आशा किरण संस्थान से आए हुए सदस्यों द्वारा बताया गया एवं आमटाल पंचायत के उप मुखिया रीना देवी, कार्तिक रवानी, ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रोग्राम को सफल किया।

एक्टिंग चीफ जस्टिस को काउंसिल के सदस्यों ने बताई वकीलों की समस्या

रांची (ससे): झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने शुक्रवार को झारखंड स्टेट बार काउंसिल के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक की. बैठक के दौरान एक्टिंग चीफ जस्टिस को राज्य के अधिवक्ताओं की समस्याओं से अवगत कराया गया. बैठक में काउंसिल के सदस्य राजेश शुक्ला, महेश तिवारी, गोपेश्वर प्रसाद झा, अमर कुमार सिंह, संजय कुमार विद्रोही, कुंदन प्रकाशन, बालेश्वर प्रसाद सिंह, हेमन्त कुमार शिकरवार, मुत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, ऐके चतुर्वेदी, परमेश्वर मंडल, अनिल कुमार महतो, रिंकू भगत, राम सुभग सिंह, मनोज कुमार, ऐके रशीदी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे. सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर एक्टिंग चीफ जस्टिस ने सकारात्मक आश्वासन दिया.

बूथ कमिटी में युवाओं को करें शामिल

बलियापुर (ससे) : भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को मंडल अध्यक्ष आशीष मुखर्जी की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसमें शक्ति केंद्र के संयोजक, सह संयोजक, बूथ कमिटी के अध्यक्ष शामिल रहे। भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने आगामी विधानसभा चुनाव को ले कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश दिया। सभी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने, प्रत्येक बूथ कमिटी में नवयुवकों को शामिल कर बूथ कमिटी मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। श्री ग्रोवर ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश में बेहतर विकास कार्य हो रही है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम का लाभ उठाने की बातें कही। मौके पर कार्यक्रम प्रभारी मनोज मिश्रा, मंडल अध्यक्ष आशीष मुखर्जी, अल्पना मुखर्जी, गोरांग मंडल, विद्युत चक्रवर्ती, दीपक गोप, विश्वनाथ गोराई, मुक्तेश्वर महतो, चंडीचरण पांडेय, राजेश मुखर्जी, सुकेश गोराई, अशोक गोराई, जय बनर्जी, वृंदावन कर्मकार, राजेश प्रमाणिक आदि मौजूद थे।

एसएफसी अध्यक्ष हिमांशु चौधरी की नियुक्ति रद्द करने का आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

कहा–अगले आदेश तक न हो कोई नियुक्ति

रांची (ससे): झारखंड हाईकोर्ट ने हिमांशु चौधरी की नियुक्ति रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी गई. उनकी नियुक्ति स्टेट फूड कमीशन (एसएफसी) के अध्यक्ष के पद पर हुई थी. हिमांशु चौधरी को इसी वर्ष जुलाई महीने में सरकार ने स्टेट फूड कमीशन के अध्यक्ष पद से हटाया था. जिसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. जिसपर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट के सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार के आदेश पर रोक लगाते हुए यह निर्देश दिया है कि हाईकोर्ट के अगले आदेश के बिना स्टेट फूड कमीशन के पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति न की जाए. हिमांशु चौधरी की ओर से हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की.

जीटी रोड में चौड़ीकरण का कार्य शुरू

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बाजार इलाके में जीटी रोड का चौड़ीकरण शुरू हो गया है। अभी जीटी रोड के उत्तरी हिस्से में काम हो रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के हाईवे इंजीनियर एलपी सिंह ने बताया कि आबादी और भीड़भाड़ को देखते हुए बाजार क्षेत्र में चौड़ीकरण का काम यथाशीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि चौड़ीकरण कार्य में अगल-बगल के घर वालों और दुकानदारों को थोड़ी परेशानी हो सकती है और इसमें सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि धनबाद उपायुक्त ने जीटी रोड के फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है। अब अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति करने और पुलिस बल उपलब्ध कराने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अपनी जमीन से अतिक्रमण हटाएगा। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण भी सड़क जाम की समस्या पैदा होती है और दुर्घटनाएं होती है। उन्होंने अतिक्रमणकारियों से खुद अतिक्रमण हटा लेने की अपील की है। अतिक्रमण नहीं हटाने पर जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाजार क्षेत्र में चौड़ीकरण का काम पूर्ण होते ही सुभाष चौक को खोल दिया जाएगा तथा ठाकुरबाड़ी के क्रॉसिंग को बंद कर दिया जाएगा। गोविंदपुर बाजार इलाके में तीन ही कट रहेंगे। ऊपर बाजार सुभाष चौक तथा साहिबगंज मोड़ चौक। इन्हीं तीनों क्रॉसिंग से वाहनों की आवाजाही होगी। शेष सभी कट बंद कर दिए जाएंगे।

24 घंटे में ही बीडीओ के तबादले पर लगा स्टे ग्रामीण विकास मंत्री इरफान आए बैकफुट पर

रांची (ससे): महज २४ घंटे में ही ६१ बीडीओ के तबादले पर स्टे लग गया. सत्ता पक्ष का दबाव रंग लाया और ग्रामीण विकास विभाग ने इसपर स्टे लगा दिया. ग्रामीण विकास विभाग ने सभी डीसी और डीडीसी को एक पत्र जारी किया है.

जिसमें कहा गया है कि बीडीओ के स्थानांतरण-पदास्थापन संबंधी २५ जुलाई को जारी निर्गत अधिसूचना को स्थगन किया जाता है. यहां बता दें कि विगत दिवस मुख्यमंत्री आवास पर इंडिया गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई थी.

जिसमें सत्ता पक्ष के कई विधायकों ने बीडीओ के ट्रांसफर पोस्टिंग पर सवाल उठाए थे. विभागीय मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर भी गुस्सा जाहिर किया गया था. इसके बाद शुक्रवार को अचानक इसमें स्टे लगा दिया गया. इस संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बताया कि कुछ विधायकों की आपत्ति, सुझाव और ग्रिवांसेस थे. इसको देखते हुए इसमें फिलहाल स्टे लगाया गया है. मगर ३१ के पहले तक संसोधित लिस्ट जारी कर दी जाएगी.

रामगढ़ डीसी व डीडीसी की कार्यशैली पर हाईकोर्ट नाराज, पूछा क्यों न अवमानना वाद शुरू करें

रांची (ससे): रामगढ़ जिला के डीसीऊउ और डीडीसी की कार्यशैली पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है. शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने रामगढ़ डीसी और डीडीसी से पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना वाद शुरू किया जाए. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट ने आदेश की अवहेलना करने के कारण उक्त दोनों अधिकारियों से अवमानना वाद शुरू करने को लेकर सवाल किया है. दरअसल प्रार्थी रंजीत साव एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पिछले महीने रामगढ़ जिला में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में विभिन्न पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन पर रोक लगा दी थी. हाईकोर्ट से रोक के बाद भी जिला प्रशासन ने १ जुलाई को नियुक्ति कर दी. जिसपर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में हल्के में नहीं ले सकते.

अबुआ आवास योजना पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : अमर बाउरी

रांची (ससे): नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सरकार से अबुआ आवास योजना को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा किया है. उन्होंने सरकार से श्वेत पत्र जारी करते हुए योजना की स्थिति को सार्वजनिक करने की मांग की है. अमर बाउरी ने इस बाबत एक पत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा है. जिसमें उन्होंने कहा कि वर्ष २०१९ में विधानसभा चुनाव के दौरान आपने राज्य के गरीबों और जरूरतमंदों से वादे किए थे कि तीन कमरों वाला सुविधायुक्त पक्का मकान देंगे.

चार साल बीत जाने के बाद सरकार ने अबुआ आवास योजना की शुरुआत की है. सरकार इसे महत्वाकांक्षी योजना बता रही है.आपने २३ जनवरी को खूंटी जिला के तोरपा से इस योजना की शुरुआत करते हुए कहा था, यह पहला ऐसा ऐतिहासिक अवसर है, जब झारखंड सरकार अपने दम पर अपने राज्य के बीस लाख लोगों को सम्मानजनक जिंदगी जीने के लिए तीन कमरों का आवास देने जा रही है. बाद में अलग-अलग जगहों पर बड़े बड़े सरकारी समारोह में बताया कि चार साल में बीस लाख लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा. जाहिर है राज्य के लाखों लोगों की नजरें इस योजना पर टिकी है.

अमर बाउरी ने कहा कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों के चयन से लेकर स्वीकृति, राशि आवंटन आदि प्रक्रियाओं को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं.

पंचायत के प्रतिनिधियों की भी ढेर सारी शिकायतें रही है और इस संबंध में लगातार अधिकारियों को ज्ञापन देकर गड़बड़ी रोकने की मांग की जाती रही है. अबुआ आवास योजना को लेकर बड़ी आबादी के बीच आम धारणा है कि इसमें सरकारी अधिकारियों और बाबुओं की मर्जी चल रही है.

मेरा आग्रह है कि अबुआ आवास योजना को लेकर सरकार एक श्वेत पत्र जारी करें. जिसमें यह बताया जाए, वित्तीय वर्ष २०२३ में राज्य के किन जिलों और यहां के प्रखंडों में कितने आवास की स्वीकृति दी गई है. लाभुकों के खाते में किस्तवार कितनी राशि भेजी गई है और अब तक कितने आवास पर निर्माण का कार्य शुरू हुआ है. लाभुकों के चयन को लेकर मानदंड क्या हैं. इसे भी सार्वजनिक किया जाना चाहिए.

सदन के बाहर विपक्ष का धरना सीएम हेमंत के खिलाफ लगाये नारे

रांची (ससे): झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र का आज पहला दिन है. सत्र शुरू होने से पहले विपक्ष ने सदन के बाहर धरना दिया. भाजपा नेता सदन के बाहर बैनर लेकर बैठे हैं और सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ नारे लगा रहे हैं. बैनर पर लिखा है कि पत्थर, कोयला, बालू, जमीन लूटवा हेमंत हाय हाय, पांच लाख नौकरी का क्या हुआ?, युवाओं के सपनों का हत्यारा हाय हाय, स्नातक को ५००० और स्नाताकोत्तर को ७००० बेरोजगारी भत्ता का क्या हुआ?? धरना देने वालों में विधायक अमित मंडल, समरी लाल, कुशवाहा शशिभूषण मेहता, बिरचि नारायण समेत अन्य विधायक मौजूद रहे.

मेडिका हॉस्पिटल को जिला कंज्यूमर फोरम से नोटिस जारी

रांची (ससे): सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार साहू की ओर से जिला कंज्यूमर फोरम में दाखिल वाद पर सुनवाई करते हुए कंज्यूमर फोरम ने रांची के महावीर मेडिका हॉस्पिटल को नोटिस जारी किया है.

फोरम ने मेडिका अस्पताल प्रबंधन को अपना पक्ष रखने के लिए ३१ जुलाई का समय दिया है. दरअसल अधिवक्ता अनिल कुमार साहू ने मेडिका अस्पताल पर अपने १४ वर्षीय पुत्र के इलाज में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप पर लगाया है.

उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को पिछले वर्ष लीगल नोटिस भी भेजा था, जिसमें यह यह आरोप लगाया गया था कि उनके पुत्र को अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टर अंजना गांधी की लापरवाही और गलत दवा देने के कारण तीन-तीन सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसके कारण मरीज को अत्यधिक शारीरिक पीड़ा और परिवार को मानसिक, आर्थिक क्षति हुई है.

जारी नोटिस में चिकित्सा लापरवाही की जवाबदेही लेने और मुआवजा की मांग की गई है. अनिल कुमार साहू ने कंज्यूमर फोरम में अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर अंजना गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और मुआवजे के लिए वाद दायर किया है.

संत अन्ना समाज की संस्थापिका के सिखाये मार्ग पर चलने की जरुरत : आर्च बिशप विंसेंट

रांची (ससे): महाधर्मप्रांत के आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने कहा कि कलिसिया अपने पूर्वजों से संबंध बनाये रखे.

उनके बताये मार्ग पर चलने की कोशिश करें. यह बातें विंसेंट आइंद ने संत अन्ना और संत जोवाकिम के अवसर पर सामलौंग में आयोजित समारोही मिस्सा बलिदान अर्पित के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि कैथौलिक कलीसिया में हर वर्ष २६ जुलाई को संत अन्ना और संत जोवाकिम का पर्व मनाया जाता है. संत अन्ना धर्मसमाज की धर्मबहनों की संरक्षिका संत है. आज के ही दिन वे अपने धर्मसमाज का स्थापना दिवस_ मनाते हैं. आधुनिकता के दौर में तकनीक हमें स्वार्थी बना रहा है. उन्होंने सभी से संत अन्ना धर्म समाज की संस्थापिका माता बनदित के सिखाये मार्ग पर चलने की अपील की. मिस्सा के अंत में संत अन्ना के स्मारक स्थल पर फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी.

संत अन्ना धर्मसमाज की धर्मबहनों को उनके विशेष पर्व पर बधाईयां और शुभकामनाएं दी गयीं. मौके पर फादर मैक्सिमुस टोप्पो, फादर बर्नाबास मिंज, फादर वैलेरियन लोबो, फादर जॉन क्रास्टा, फादर राजू क्रास्टा, फादर फैबियन, फादर असीम मिंज, सिस्टर लिली ग्रेस तोपनो, सिस्टर मोनिका समेत कई धर्म बहनें मौजूद रहीं.

महाधिवक्ता कार्यालय में लीगल रिटेनर के लिए निकली नियुक्ति

8 अगस्त तक दे सकते हैं आवेदन

रांची (ससे): झारखंड हाईकोर्ट में स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग का पक्ष रखने के लिए लीगल रिटेनर की जरुरत है. महाधिवक्ता कार्यालय ने इसकी अधिसूचना जारी की है. जारी अधिसूचना के मुताबिक, वकालत के पेशे में तीन वर्षों का अनुभव रखने वाले वकील लीगल रिटेनर के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य होंगे. उन्हें २० हजार रुपये का मासिक वेतन दिया जायेगा. झारखंड में किसी भी बार में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता अपनी नियुक्ति के लिए महाधिवक्ता कार्यालय में ८ अगस्त तक आवेदन दे सकते हैं.

संपादकीय

कड़े कानून के बाद भी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपरलीक

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा?

प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के मामले उजागर होने से स्वाभाविक ही परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर सवाल उठते हैं। खासकर राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए की ओर से कराई जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में पर्चाफोड़ से देश के लाखों विद्यार्थियों के विश्वास को धक्का पहुंचा है। परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें चिंतित भी हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसकी अधिसूचना पिछले माह जारी की गई थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ पर अंकुश लगाने के लिए हाल में नया कानून बनाया है। अब बिहार सरकार ने भी प्रदेश लोक परीक्षा (पीई) अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 विधानसभा में पारित किया है। दरअसल, बिहार सरकार ने इसकी तात्कालिक जरूरत इसलिए समझी, क्योंकि नीट-यूजी पर्चाफोड़ मामले के तार वहां से भी जुड़े हैं। कुछ अन्य राज्य भी इस तरह का कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में परीक्षा में गड़बड़ी और पर्चाफोड़ के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। मगर, सवाल है कि क्या हर राज्य में अलग-अलग कानून बना देने से

ऐसे मामलों पर अंकुश लग पाएगा? नीट-यूजी पर्चाफोड़ के मामले में केंद्र सरकार ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। नया कानून लागू करने के साथ ही इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई है और कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। मगर, क्या ये कदम छात्रों और अभिभावकों की परेशानी दूर करने के लिए काफी हैं? यह कवायद मात्र रोग के लक्षणों का उपचार करना है। मूल समस्या कहीं अधिक गहरी है और इसकी जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कुशल प्रतिभाओं का चयन जरूरी है और यह तभी संभव होगा, जब इन परीक्षाओं की शुचिता कायम रखी जाएगी। हर महत्त्वपूर्ण संस्थान और एजंसी के कार्य तभी उत्तम स्तर के होंगे, जब सुयोग्य व्यक्तियों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। साथ ही, परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने संबंधी कानूनों पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करना जरूरी है।

उम्मीद का मैदान, पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का लक्ष्य 'टोक्यो 2020' से आगे का रहेगा

इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। पिछले कुछ समय से खेलों की दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जो उम्मीद जगाई है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह अपेक्षा होगी कि आज से फ्रांस के पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में भारत का नाम फिर चमकता हुआ दिखे। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने जैसा दमखम दिखाया, पदक तालिका में देश को एक सम्मानजनक जगह दिलाई, उसने देश के लोगों के भीतर खेलों को लेकर एक नया उमंग भर दिया है। 2020 में टोक्यो में हुए ओलंपिक में भारत ने सात पदक हासिल किए थे। यह ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जाहिर है, इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। हालांकि ओलंपिक में शामिल होने वाले सभी देश अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन और पदकों पर कब्जा जमाने के मकसद को ध्यान में रखते हुए ही तैयारी करते हैं। मगर हाल के वर्षों में कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार के मद्देनजर काफी संभावनाएं दिख रही हैं।

गौरतलब है कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से एक सौ सत्रह एथलीट हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इन खिलाड़ियों को यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हौसला किसी भी मैदान में हाथ से छूटती बाजी को लपक लेने का सबसे बड़ा हथियार होता है। पिछले ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने जिस तरह स्वर्ण पदक जीता था, अब इस ओलंपिक में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों से पदक की अपेक्षा की जा सकती है।

यह भी देखने की बात होगी कि पिछले साल एक अप्रिय विवाद से गुजरने के बाद कुश्ती में भारतीय खिलाड़ी क्या ला पाते हैं। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस सबसे चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में भारत के लिए चुनौती भी बड़ी है। मगर उम्मीद की जानी चाहिए कि अलग-अलग खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने वाले प्रबंधन ने इस स्तर की तैयारी कराई होगी कि पदक तालिका में भारत को एक सम्माजनक जगह हासिल करने की संभावना बनेगी।

संविधान समानता का वादा करता है परन्तु क्या ऐसा है

जूलियो रिबैरो

> आर.एस.एस. का लक्ष्य हिंदुओं को हिंदू होने पर गर्व करना सिखाना है, जिसे देश को धार्मिक पहचान के आधार पर विभाजित किए बिना हासिल किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। भाजपा ने राजनीतिक वर्चस्व के लिए समाज में बढ़ते विभाजन का इस्तेमाल किया है।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह अपने प्रयासों में उल्लेखनीय रूप से सफल रही। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा के बाद भाजपा को केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उम्मीद थी कि बहुसंख्यकों और मुख्य अल्पसंख्यक, मुसलमानों के बीच दरार पैदा करने की रणनीति को कमजोर किया जाएगा। दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। यह न केवल 'हमेशा की तरह चलने वाला काम' है, बल्कि मुसलमानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली जगह, यानी उनकी आजीविका पर चोट करने की एक नई पहल यू.पी. और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में शुरू की गई है। यह सब मुजफ्फरनगर में पुलिस द्वारा सभी भोजनालयों पर उनके मालिकों का नाम प्रदर्शित करने के आदेश से शुरू हुआ, ताकि गंगोत्री और हरिद्वार की वार्षिक तीर्थयात्रा करने वाले शिवभक्त मुस्लिम स्वामित्व वाले भोजनालयों में खाने से होने वाले प्रदूषण से बच सकें। ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस को लगा कि यदि तीर्थयात्रियों को विक्रेता का धर्म पता हो तो प्रदूषण से बचा जा सकता है! इन सभी वर्षों में यात्रा के दौरान गलतफहमी या तनाव की एक भी घटना नहीं हुई है। तो, अचानक घटनाओं में क्या बदलाव आया? योगी आदित्यनाथ की राज्य सरकार ने अगले ही दिन मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश का समर्थन किया और इसे यात्रा के मार्ग पर उत्तर प्रदेश के सभी पुलिस स्टेशनों तक बढ़ा दिया, जिससे पर्यवेक्षकों को यह महसूस होता है कि मूल विचार खुद सत्ता में मौजूद भाजपा सरकार से आया था। इसे तुरंत उत्तराखंड में धामी सरकार ने अपनाया, जहां हरिद्वार में कांवड़ यात्रा समाप्त होती है।

मुस्लिम विक्रेताओं को अपने परिवारों के लिए संभवत-एक वर्ष या अगले वर्ष के अधिक भाग के लिए कमाई करने के अवसर से वंचित करने के लिए कोई उचित कारण नहीं बताया गया। यद्यपि कांवड़ियों की संख्या एक करोड़ तक पहुंच गई है, लेकिन इन सभी वर्षों में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि यात्रियों द्वारा चुना गया मार्ग घनी मुस्लिम बस्तियों से होकर गुजरता है। इसके विपरीत, मुसलमान कांवड़ियों की जरूरतों का ध्यान रखते हैं। सवाल यह

उठता है कि क्या अब मुस्लिम-भेदभाव केवल पशु व्यापारियों की हत्या और 'लव जेहाद' तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब इसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों को उनके जीवन-यापन से वंचित करना है। आदित्यनाथ की भाजपा सरकार इस गलत कदम से आखिर क्या हासिल करना चाहती है? नियमित यात्री जो हर साल उसी मार्ग से यात्रा करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि विक्रेता स्थानीय मुस्लिम हैं। उनमें से अति रूढ़िवादी लोगों ने कई साल पहले ही गैर-हिंदू विक्रेताओं को अपने संरक्षण से बाहर कर दिया होगा। इस नई पहल को प्रचारित करना क्यों जरूरी था, जो सिर्फ समुदायों को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का काम करेगी? हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में भी धार्मिक आधार पर वोटों का चल रहा विभाजन योगी की पार्टी के लिए मददगार साबित नहीं हुआ। उन्होंने 2019 के पिछले चुनाव में जीती गई आधी से ज्यादा लोकसभा सीटें खो दीं। क्या उन्हें वाकई लगता है कि आर्थिक आधार पर ज्यादा विभाजन से उन्हें अपने हाईकमान की नजर में अपनी छवि को फिर से बनाने में मदद मिलेगी? उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों में सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं को विभाजित करने की रणनीति काम नहीं आई। मोदी और शाह की भाजपा सरकार ने सी.ए.ए. (नागरिकता संशोधन अधिनियम) पेश किया, जिसमें मुसलमानों को अधिनियम के इच्छित लाभों से वंचित रखा गया। लेकिन अल्पसंख्यक समुदाय को भड़काने और अपने समर्थकों को यह समझाने के अलावा कि भारत में मुसलमानों का स्वागत नहीं है, यह अधिनियम क्यों जरूरी था?

व्यक्तिगत रूप से, मुझे कांग्रेस शासन में एक भी ऐसा उदाहरण नहीं पता है, जहां पाकिस्तान, बंगलादेश या अफगानिस्तान से आए हिंदुओं को अनुरोध करने पर भारत में शरण और नागरिकता न दी गई हो।(अकेले असम में ही समस्या थी क्योंकि असमिया युवाओं को लगा कि बंगलादेशी हिंदुओं के साथ-साथ असम में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले मुसलमान स्थानीय लोगों को रोजगार से वंचित कर रहे हैं। इसलिए असम राज्य के लिए विशेष कानून बनाए गए। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का खोखला वादा अक्सर दोहराया जा रहा है, खास तौर पर अंतर्राष्ट्रीय उपभोग के लिए। भारत में हम सच्चाई जानते हैं। जब मुस्लिम व्यापारियों को यात्राओं और मेलों में अपनी पहचान का विज्ञापन करने के लिए मजबूर किया जाएगा है, तो सभी के लिए समान व्यवहार की मृगतृष्णा वही रहेगी।

इस एन.डी.ए. सरकार में भाजपा का समर्थन करने वाले तीन दलों ने इसका विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट, जो महुआ मोइत्रा और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, ने संबंधित पक्षों की सुनवाई से पहले ही अपनी दुकानों और ठेलों पर मालिकों के नाम की अनिवार्य छपाई पर 'अंतरिम रोक' लगाकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

आज का कार्टून

बजट ने सम्पत्ति मालिकों को मिलने वाला लाभ छीन लिया

बजट में मनमाना कट-ऑफ लागू करके संपत्ति मालिकों को मिलने वाला लाभ छीन लिया गया है, जिससे कई लोग अपनी किस्मत को कोसने पर मजबूर हो गए हैं। समय-वर्जित अनुमान एक बुरा विचार है। जिंदगी में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। मंगलवार के बजट के बाद कराधान में राहत पूंजीगत लाभ के लिए भारत की कर व्यवस्था में बदलाव को लें। जबकि निवेशकों के पास अब ऐसे नियम हैं जिन्हें याद रखना कुछ हद तक आसान है, परिसंपत्ति वर्गों में दरों में अधिक एकरूपता और उस समय सीमा के लिए धन्यवाद, जिसके बाद संपत्ति 'दीर्घकालिक' के रूप में रखी जाने योग्य होती है।

सरकार ने बदले में एक पाऊंड का मांस निकाला है। वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एल.टी.सी.जी.) कर दरों को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत और बाद में 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। लाभांश की तरह, आयकर स्लैब दरें कुछ वर्गों पर लागू होती हैं, लेकिन सामान्य बोझ बढ़ गया है। अब, चूंकि परिसंपत्ति मालिकों ने हाल के वर्षों में अपनी हिस्सेदारी के मूल्य में काफी वृद्धि देखी है, इस बढ़ौतरी को प्रगतिशील कराधान के आदर्श पर उचित ठहराया जा सकता है। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं, उन पर अधिक कर लगाया जाना चाहिए। लेकिन क्या यह वास्तव में कर सिद्धांतों के बारे में है? संपत्ति जैसी गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए महत्वपूर्ण इंडेक्सेशन (सूचीकरण) लाभ को हटाने का सुझाव नहीं दिया गया है। यह एक वैध मकसद के लिए अस्तित्व में था, जिससे करदाताओं को किसी संपत्ति की बिक्री पर प्राप्त लाभ पर मुद्रास्फीति के संचयी प्रभाव की भरपाई करने की सुविधा मिलती थी। उदाहरण के लिए एक घर बेचने पर प्राप्त वास्तविक लाभ, इसके लिए प्राप्त राशि और इसकी खरीद कीमत के बीच का अंतर है। मुद्रास्फीति अद्यतन मूल्य को दर्शाने के लिए वार्षिक दर पर फुलाया जाता है। सूचीकरण ऐसा करता है, जिससे किसी की कर देनदारी बाजार की वास्तविकता के अनुरूप कम हो जाती है।

हालांकि संपत्ति की बिक्री पर एल.टी.सी.जी. को 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसे अन्य परिसंपत्तियों के साथ संरेखित करने के लिए, सूचीकरण को केवल 2001 से पहले अर्जित संपत्ति के लिए बरकरार रखा गया है। कट-ऑफ मनमाना है, लेकिन यह उस बड़े अंतर को स्वीकार करता है जो सूचीकरण लंबी अवधि में करता है। आधी सदी पहले खरीदा गया घर एक डरावने बिल से परेशान हो सकता है। महंगाई की अनदेखी की गई लेकिन यह बात 2001 की समय-सीमा के बाद अर्जित की गई संपत्ति के मामले में भी सच है। याद रखें, मुद्रास्फीति समय के साथ बढ़ती जाती है और रुपए की वास्तव में कीमत को खत्म कर देती है। अगर हम पिछले 2 दशकों में हर साल 6.5 प्रतिशत की औसत मुद्रास्फीति मान लें, तो आज 1 करोड़ 20 साल पहले के इस आंकड़े के लगभग एक-तिहाई के बराबर होगा। रियल एस्टेट गणना के इस अंतर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, भले ही किसी की स्वामित्व अवधि कम होने के कारण यह कम नाटकीय लगे। क्या कठोर मुद्रास्फीति दंड को व्यावहारिक विचार माना जा सकता है? इस कदम का कुछ पर्यवेक्षकों ने इस तर्क पर बचाव किया है कि इससे इस क्षेत्र में अटकलें लगेंगी। यह उन लोगों को दूर कर सकता है जो घरों में निवेश करते हैं और उन्हें बंद रखते हैं, जिससे किराए और संपत्ति दोनों बाजारों में आपूर्ति कम हो जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं। अगर निवेशक हिस्सेदारी जैसी परिसंपत्तियों में पैसा लगाएं, तो घरों तक हमारी पहुंच आसान हो सकती है, जिससे आपूर्ति वास्तविक आवास जरूरतों के लिए बेहतर प्रतिक्रिया दे सके।

जिंदगी के रंगमंच पर नए किरदार में ढलने को तैयार

विमल कुमार

> जीवन में सब कुछ हमारी दृष्टि पर निर्भर करता है। किसी भी चीज को देखने का हमारा नजरिया क्या है। काले रंग को ही देखा जाए तो इसे विरोध या नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है? दरअसल, यह बस हमारा नजरिया है।

गहन अंधकार से होकर ही तो प्रकाश की किरणें फूटती हैं जो हमारी चेतना का विस्तार करती हैं। इसलिए जीवन के प्रत्येक क्षण में अपने नजरिए का मूल्यांकन करते रहना चाहिए। सबके पास जीवन के उल्लास और दुख की अनगिनत कहानियां हैं। जिस वक्त हमें लगता है कि सामने वाला कितना बेहतर जीवन जी रहा है, उस वक्त शायद हमें यह नहीं पता होता कि वह जीवन की अनिश्चित यात्राओं की डगर पर संघर्षरत भी है। कोई ऐसा भी है जो जिंदगी के दर्द भरे दरिया को मुस्कराहट की नाव पर सवार होकर पार कर रहा है। हम दुनिया भर में फैली पीड़ा की अनंत कहानियों को नहीं देख पाते हैं। इसलिए हम सुख के समंदर में गोता लगाने के बजाय अनजाने में ही दुख की खेती करने लगते हैं, क्योंकि हम सबने अपने दुख को बड़ा और सुख को छोटा करके देखने की नजर विकसित कर ली है। जिंदगी का रंगमंच हर वक्त एक नई कहानी के साथ सजा हुआ है और हम सब एक नए किरदार में ढलने को तैयार हैं। मौत के आगोश में जाने से पहले जिंदगी हमारा पीछा करती रहती है। जिंदगी का हासिल तय नहीं होता। यहां सब कुछ पाना भी कई बार सब कुछ खोने जैसा होता है। हम सब जिंदगी के अलग-अलग रंगों के बीच से गुजरते हुए एक दिन अचानक से जिंदगी को अलविदा कह देते हैं। यह 'अचानक' शायद हमारा अपना विशेषण या नजरिया है, लेकिन तटस्थ होकर देखें तो हमारी

यही नियति है जो निश्चित है। इसके अतिरिक्त सब कुछ अनिश्चित।

आहिस्ता-आहिस्ता चल रही जिंदगी को एक दिन अचानक ही राह चलते ठोकर लगती है और हम बैठ जाते हैं। इस तरह की चोट महज एक प्रतीक है। इसी बहाने हमें लगी असंख्य चोटों की स्मृतियां जेहन में ताजा हो जाती हैं। जिंदगी आखिर एक ख्वाब ही है और अधूरापन इसकी नियति है!

ऐसे ही अचानक से राह चलते एक ख्वाब याद आता है, जिसके अधूरेपन को हम रफ्ता-रफ्ता भरने की कोशिश में अब तक जुटे थे। अचानक से अधूरे ख्वाब की स्मृतियां दिलोदिमाग पर एक शोर बनती चली जाती हैं और हम इस शोर को बाहरी दुनिया के शोर से दबाने की कोशिश करने लगते हैं। तब तक पता चलता है कि अंदर का शोर बाहर के शोर से कई गुना ज्यादा है। आखिर बाहरी अनगिनत आवरण में घिरा इंसान इस शोर पर कैसे काबू पाए? इस दुनिया में आखिर ऐसा भरोसेमंद कंधा कहां, जिस पर सिर रख कर रो ले। ऐसी बाहें कहां, जो किसी गम को अपने आगोश का आश्वासन दे पाएं!

इंसान मूल रूप से बेहद कमजोर है। इतना कि दो सांसों के बीच का क्रम टूट जाए तो जिंदगी एक कमजोर माला की तरह टूट कर मौत के रूप में बिखर जाती है, लेकिन अब इसे आखिर बताए कौन? इसीलिए मौत दबे पांव आती है और जिंदगी का भरोसा तोड़ती रहती है! कभी-कभी लगता है कि चीजें कितनी बिखर गई हैं। जीवन का कतरा-कतरा बिखरता जा रहा है। एक छोर पकड़ने की कोशिश में दूसरा छूट जाता है। सामने दो ही विकल्प नजर आते हैं। बिखरी चीजों को समेटने की कोशिश की जाए या इस बिखराव को ही नियति मान कर जीते चले जाएं। आखिर बिखराव का भी तो अपना सौंदर्य है! समेटने में फिर से बिखरने का भय है, बिखराव भयमुक्त है!

जीवन एक यात्रा है। इसको बस यात्रा की भांति ही लेना चाहिए। यात्रा की शुरुआत जन्म से हो गई है, मौत अंतिम पड़ाव है। इस अंतिम पड़ाव से पहले ढेर सारे छोटे-छोटे पड़ाव हैं- रिश्ते नाते, घर-परिवार, दोस्ती-यारी, शोहरत, सफलता, संपत्ति, चकाचौंध, विफलता, अंधेरे, अकेलापन। ऐसे ही अनगिनत पड़ाव, जहां आंशिक ठहराव जरूरी है। जिंदगी में लोग आएंगे और जाएंगे, मिलेंगे और बिछड़ जाएंगे। सबका अनुभव इसी यात्रा का हासिल है। इस छोटे-से काल को जी भर, मन से जी लेना चाहिए, ताकि कुछ भी उधार न रहे जिंदगी की दुकान में!

खुद को हर परिस्थिति के लिए तैयार भी रखना चाहिए। हम छले जाएंगे, तिरस्कृत होंगे, भुला दिए जाएंगे, आलोचना होगी, लोग हंसेंगे हम पर, हम लड़खड़ाएंगे, गिरेंगे, टूटेंगे, बिखरेंगे, रोएंगे। फिर खुद ही संभलना और चलना होगा, हांफते हुए दौड़ना होगा, हंसना-मुस्कुराना भी होगा। गलतियां भी होंगी, जो कि इस यात्रा का अहम हिस्सा हैं। उन्हें सुधार कर एक वक्त के बाद पुरानी मूर्खताओं पर मुस्करा कर आगे बढ़ जाना होगा!

अपेक्षाओं के बोझ से बचना चाहिए, क्योंकि अपेक्षाएं अंतहीन हैं। किसी का पूरी तरह अनुकरण भी नहीं करना चाहिए, अन्यथा धीरे-धीरे हम नकली जीवन जीने लगते हैं और हमें इसका पता भी नहीं होता। व्यक्तित्व में सहजता और सरलता लाने से यह यात्रा ज्यादा आसान हो पाएगी। आखिर बनावट की क्या जरूरत? हमें दूसरों से ज्यादा खुद को जानने में समय देना चाहिए, क्योंकि सब कुछ तो साधन और हम ही साध्य हैं!

अपना रास्ता खुद बनाया जाए, अपनी बची हुई दूरी खुद तय की जाए। सपने हमारे अपने हों, उधार के नहीं। उनकी जिम्मेदारी भी हमारी खुद की ही हो। कुछ भी रहस्यमय नहीं। स्वाभाविक तौर पर जीवन को जीते चले जाएं। जीवन में सब कुछ सापेक्षिक है, सब हमारे नजरिए से तय होता है। हर रोज खुद से थोड़ा आगे बढ़ जाया जाए और एक नई यात्रा पर निकल जाया जाए, क्योंकि जिंदगी एक यात्रा है!

पेरिस ओलंपिक

हॉकी की नई नर्सरी बना मिट्ठापुर, आज मैच में जालंधर के खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

जालंधर (एजेंसी)। गांव को किसी समय में हाकी की नर्सरी कहा जाता था। यहां से कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकले थे। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में गांव मिठ्ठापुर ने भारतीय हाकी टीम को कई ओलिंपियन और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। इस कारण संसारपुर की जगह मि?ठ्ठापुर लेता हुआ दिख रहा है और अब इसे हाकी की नई नर्सरी के रूप में जाना जा रहा है।

पिछले ओलिंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय हाकी टीम में कप्तान सहित तीन खिलाड़ी मिठ्ठापुर गांव से ही संबंधित थे। इनमें तत्कालीन

कप्तान मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह और वरुण कुमार शामिल थे। इनमें से मनप्रीत और मनदीप इस बार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

मिठ्ठापुर के कुछ खिलाड़ियों ने पिछले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पहले गांव में स्थित दर्शन सिंह केपी हाकी स्टेडियम में कई वर्षों से टर्फ नहीं लगी थी। खिलाड़ी घास वाले मैदान में अभ्यास करते थे। तुब लोगों ने इसी गांव से निकले ओलिंपियन व तत्कालीन खेल मंत्री परगट सिंह के समक्ष टर्फ बिछाने की मांग उठाई थी। उस समय परगट सिंह ने भी युवाओं का जज्बा देखते हुए स्टेडियम में टर्फ बिछाने के लिए 6.85 करोड़ रुपये की ग्रांट जारी की थी। इस राशि से स्टेडियम की चारदीवारी और लाइटें भी लगाई जानी थीं। अब मैदान में टर्फ बिछ चुकी है और स्टेडियम का उद्घाटन होना है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जल्द ही इसका उद्घाटन कर सकते हैं। पेरिस ओलिंपिक में मनप्रीत और मनदीप के अलावा जालंधर के गांव खुसरोपुर से हार्दिक सिंह व रामा मंडी के सुखजीत सिंह भी शामिल हैं।

केएससीए-टी-20 में राहुल द्रविड़ का बेटा मचाएगा धमाल

मैसूर (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच और कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 के आगामी सीजन के लिए मैसूर वॉरियर्स ने अपने साथ जोड़ लिया है। वॉरियर्स ने मध्यक्रम के बल्लेबाज और सीमर को 50,000 रुपए में मैसूर ने अपने साथ जोड़ा है। मैसूर प्रबंधन ने एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा कि उनका हमारी टीम में

होना अच्छा है क्योंकि उन्होंने केएससीए के लिए विभिन्न आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में काफी संभावनाएं दिखाई हैं।

समित उस कर्नाटक अंडर-19 टीम का हिस्सा थे जिसने इस सीज़न की कूच बिहार ट्रॉफी जीती थी, और वह इस साल की शुरुआत में मेहमान लंकाशायर टीम के खिलाफ केएससीए इलेवन के लिए भी खेल चुके हैं। पिछले सीज़न के उपविजेता वॉरियर्स का नेतृत्व करुण नायर करेंगे और इसकी गेंदबाजी भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की मौजूदगी से मजबूत होगी, जिन्हें 1 लाख रुपए में खरीदा गया था। नायर को फ्रैंचाइजी ने बरकरार रखा था।

विमेंस एशिया कप के फाइनल में पहुँचा भारत

दांबुला (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकतरफा बांग्लादेश को रौंदते हुए एशिया कप 2024 के खिताबी मुकाबले का टिकट कटा लिया। दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश पर 10 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया और टीम 8 विकेट के नुकसान पर 80 रन ही बना पाई। जवाब में भारतीय टीम ने कमाल का प्रदर्शन किया। ओपनर शेफाली वर्मा ने 28 गेंदों में 2 चौके 37 रनों की पारी खेली, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना ने 39 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के के दम पर 55 रन ठोके। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को अभी तक टूर्नामेंट में कोई हरा नहीं पाया है।

भारतीय टीम का जोरदार आगाज

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने जोरदार आगाज किया। ओपनर शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने जमकर ठुकाई करते हुए 5 ओवरों में स्कोरकार्ड पर 45 रन टांग दिए। इस दौरान विपक्षी टीम एक भी विकेट नहीं ले सकी। शेफाली 13 गेंदों में 17 और मंधाना 17 गेंदों में 27 रन बनाकर नाबाद रहीं।

शेफाली वर्मा-स्मृति मंधाना के तूफान में उड़ा बांग्लादेश

बांग्लादेश की पारी 80 रनों पर हुई समाप्त

भारत के खिलाफ मुकाबले में बांग्लादेश की टीम पारी के आखिरी पांच ओवर में सिर्फ 31 रन ही बना पाई। इस तरह टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 80 रन का स्कोर खड़ा किया। बांग्लादेश की तरफ से सबसे ज्यादा निगार सुल्ताना ने 31 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा सोरना अख्तर ने 19 रनों का योगदान दिया। बॉलिंग में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रेणुका सिंह और राधा यादव ने तीन-तीन विकेट लिए।

भारतीय गेंदबाजों के आगे बांग्लादेश की हालत खराब

भारत के खिलाफ मुकाबले में बांग्लादेश की हालत 10 ओवर के खेल तक और खराब हो गई। 10 ओवर की समाप्ति तक टीम ने सिर्फ 32 रन बनाए, जिसमें उन्होंने अपने चार विकेट गंवाए। इस समय तक टीम के लिए निगार सुल्ताना 10 रन और रबिया खान एक रन बनाकर उनका साथ दे रही थी।

5 ओवर के बाद बांग्लादेश: 21-3, सभी विकेट रेणुका सिंह के नाम

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी बांग्लादेश टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने शुरुआती 5 ओवरों में 3 विकेट खोकर सिर्फ 21 रन बनाए। उसके सभी 3 विकेट भारत की स्टार गेंदबाज रेणुका सिंह के नाम रहे। रेणुका सिंह की पहली शिकार दिलारा अख्तर बनीं, जिन्हें उमा छेत्री ने कैच किया। वह 4 गेंदों में 6 रन बना सकीं, जबकि तीसरे ओवर में रेणुका ने इश्मा तंजीम को 8 रन पर तनुजा के हाथों कैच आउट कराया। रेणुका सिंह की तीसरी शिकार मुर्शिदा खातुन बनीं, जिनका जबरदस्त कैच शेफाली वर्मा ने डाइव लगाकर लपका।

निगार सुल्ताना ने संभाला रखा है मोर्चा

15 ओवर की समाप्ति तक बांग्लादेश की महिला टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 49 रन बना लिए। टीम लगातार एक छोर से अपना विकेट गंवा रही है, लेकिन निगार सुल्ताना ने अकेले भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ मोर्चा संभाल रखा है। भारत की गेंदबाज लगातार बांग्लादेशी टीम पर अपना दबाव बनाए हुए है।

पेरिस ओलंपिक 2024

आज लगातार तीसरा पदक जीतने उतरेगी सिंधु, सात्विक-चिराग की निगाह गोल्ड पर

पेरिस (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ओलंपिक में शनिवार से शुरू होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष युगल में स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जबकि पीवी सिंधु लगातार तीसरा पदक जीत कर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचने की कोशिश करेगी। सिंधु ने पिछले दो ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक जीता था तथा पेरिस में हैट्रिक पूरी करने के लिए उन्हें बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने के अपने अनुभव का अच्छी तरह से इस्तेमाल करना होगा।

जहां तक सात्विक और चिराग का सवाल है तो पेरिस उनके लिए भाग्यशाली साबित हुआ है। उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता था। अश्विनी पोनप्पा के लिए यह अंतिम ओलंपिक हो सकता है। वह महिला युगल में तनीषा क्रैस्टो के साथ मिलकर भारतीय चुनौती पेश करेंगी। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य से भी पहली बार ओलंपिक खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों ने भी पदक को अपना लक्ष्य बनाया है। इन दोनों में से हालांकि एक ही पदक जीत सकता है क्योंकि ग्रुप

चरण से आगे बढ़ने पर प्री क्वार्टर फाइनल में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे।

भारत के एकल खिलाड़ियों का ओलंपिक से पहले प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन पुरुष युगल में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन किया। इस साल वह चार प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचे हैं और उन्होंने दो खिताब जीते हैं। सात्विक और चिराग को तीसरी वरीयता दी गई है। उन्हें इंडोनेशिया के मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन फजर अल्फियन और मुहम्मद रियान अर्दिआंतो, जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सेडेल तथा फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबार के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

ओलंपिक से पहले सिंधु की फॉर्म अच्छी नहीं रही है लेकिन उन्होंने प्रकाश पादुकोण की निगरानी में पिछले कुछ महीनो से कड़ा अभ्यास किया है और वह ओलंपिक पदक की हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिंधु की पदक की राह में एन से यंग, चेन यू फी, ताई त्जु यिंग और कैरोलिना मारिन जैसी खिलाड़ी रोड़ा बन सकती हैं लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय खिलाड़ी बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करती रही है। ग्रुप चरण में उनका सामना एस्टोनिया की दुनिया की 75वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टिन कुबा और मालदीव की 111वें नंबर की फातिमा रज्जाक से होगा।

नॉकआउट चरण में उनका सामना चीन की दो खिलाड़ियों

ही बिंगजियाओ और ओलंपिक चैंपियन चेन यू फेई से हो सकता है। पुरुष एकल में लक्ष्य को कोई वरीयता नहीं दी गई है। उन्हें अपने ग्रुप में इंडोनेशिया के तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी का सामना करना होगा जिनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 4-1 का रिकॉर्ड है। लक्ष्य को नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए केविन कॉर्डन और बेल्जियम के जूलियन कैरागी को भी हराना होगा। प्रणय को ग्रुप के में वियतनाम के ले डुक फाट और जर्मनी के फैबियन रोथ जैसे कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के साथ रखा गया है। उन्हें आगे बढ़ने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अश्विनी और तनीषा को ग्रुप सी में जापान की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी चिहारू शिदा और नामी मात्सुयामा तथा दक्षिण कोरियाई किम सो यियोंग और कोंग ही योंग के साथ रखा गया है जिनसे उन्हें कड़ी चुनौती मिल सकती है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया की सेतियाना मापासा और एंजेला यू भी हैं।

गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना मुख्य चुनौती: रवि शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अनुभव के बावजूद भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए अपने खिलाड़ियों को समझना बड़ी चुनौती होगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिव्यू कार्यक्रम के दौरान शास्त्री ने कहा, 'खिलाड़ियों का प्रबंधन कोच का प्रमुख काम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इसे कैसे करता है। उसके पास ये सब करने का पर्याप्त अनुभव और साधन है। वह खिलाड़ियों को जल्द से जल्द समझने का प्रयास करेगा कि उनकी क्या विशेषता है, वे किस तरह के इंसान हैं, उनका व्यक्तित्व और स्वभाव कैसा है। एक इंसान को समझने के लिए कई तरह के मानक होते हैं।

उन्होंने कहा, 'वह समकालीन है और मेंटॉर के रूप में उसका पिछला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा गया है। उसकी उम्र भी सही है और वह अभी युवा भी है। वह नए आइडियाज के साथ टीम में आएगा। इसके अलावा वह अधिकतर खिलाड़ियों को करीब से जानता है क्योंकि खिलाड़ी और मेंटॉर के रूप में वह अलग-अलग आईपीएल टीमों का हिस्सा रहा है। कुल मिलाकर यह बिल्कुल ही एक नया और तरोताजा कदम है।

उन्होंने कहा, 'हम गौतम के बारे में जानते हैं वह एक सीधा-सादा आदमी है। उसके पास अपने आइडिया भी होंगे। उसके लिए सबसे अच्छी बात यह है कि उसके पास एक परिपक्व और स्थिर टीम है। भले ही आपको लगता हो कि आप परिपक्व हैं, लेकिन आपको नए आइडियाज से लाभ हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि यह दिलचस्प समय होगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह उसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य होगा।

आज सूर्यकुमार और गंभीर के नए युग में दबदबा बरकरार रखने के लिए उतरेगा भारत

पालेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)। गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव की नवनियुक्त कोच और कप्तान की जोड़ी के साथ भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में अपनी विशेष छाप छोड़ने की कोशिश करेगी। दो बार के विश्व कप विजेता गंभीर मुख्य कोच के रूप में जबकि टी20 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक सूर्यकुमार खेल के इस छोटे प्रारूप में कप्तान के रूप में अपनी नई पारी शुरू करेंगे।

गंभीर आईपीएल में कप्तान और मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में काफी सफल रहे हैं। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे जिनके कोच रहते हुए भारत ने अच्छी सफलताएं हासिल की थी। द्रविड़ के मुख्य कोच रहते हुए भारत ने आईसीसी प्रतियोगिताओं में तीनों प्रारूप के

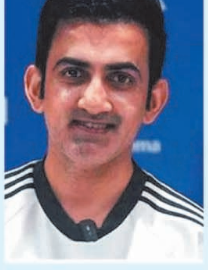

फाइनल में जगह बनाई तथा गंभीर को अब इन सफलताओं को नए मुकाम पर पहुंचाना होगा। सूर्यकुमार को कप्तान बनाना थोड़ा हैरानी भरा फैसला रहा क्योंकि रोहित शर्मा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हार्दिक पंड्या को इस पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। चयन समिति ने सूर्यकुमार के कप्तान के रूप में कम अनुभव को नजरअंदाज करके उन्हें टीम की कमान सौंपी है। अगला टी20 विश्व कप 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा तथा चयनकर्ताओं के पास उसके लिए टीम तैयार करने के लिए अभी काफी समय है। भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है।

मैंने अलग-अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा है-सूर्यकुमार

भारतीय टी20 टीम के नवनियुक्त कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने मैदान पर नेतृत्व करने का पूरा लुत्फ उठाया है तथा पिछले कई वर्षों में अलग-अलग कप्तानों की अगुवाई में खेलते हुए उन्होंने काफी कुछ सीखा है। भारतीय टीम के विश्व चैंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा ने सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उनकी जगह सूर्यकुमार को कप्तान ने किया गया। उन्हें हार्दिक पांड्या पर प्राथमिकता दी गई जिन्हें पहले टी20 टीम की कप्तानी का दावेदार माना जा रहा था। सूर्यकुमार कप्तान के रूप में अपनी शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला से करेंगे। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'भले ही मैं कप्तान नहीं था लेकिन मैंने हमेशा मैदान पर नेतृत्वकर्ता की भूमिका का लुत्फ उठाया है। मैंने हमेशा अलग-अलग कप्तानों से काफी कुछ सीखा है। यह अच्छा एहसास और बड़ी जिम्मेदारी है। नए कप्तान सूर्यकुमार और नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में भारतीय टी20 टीम नए दौर की शुरुआत करेगी। सूर्यकुमार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से 2014 में गंभीर की अगुवाई में इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं और इन दोनों के आपस में काफी अच्छे संबंध हैं।

इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में समय किसी के पास नहीं रहता है कि हम किसी भी प्रकार की थेरेपी कर सकें। इसी को मद्देनजर रखते हुए वाटर थेरेपी एक ऐसी थेरेपी है, जो आसानी से हम कर सकते हैं।

वाटर थेरेपी रोगों से मुक्ति

वाटर थेरेपी

वाटर थेरेपी चिकित्सा-विधि रोगों का इलाज करने में बेहद चमत्कारी साबित हुई है। बिना दवाई लिए ही रोगों से छुटकारा पाने में यह थेरेपी में असीम शक्ति है। इसके प्रयोग से अनेक साध्य रोग भी ठीक हो जाते हैं।

वाटर थेरेपी कैसे करें?

आप सुबह जल्दी उठें। बिस्तर छोड़ते ही करीब डेढ़ लीटर पानी पी जाएं। बाद में मुंह धोना और ब्रश इत्यादि करें। ध्यान रखें कि पानी पीने के 45 मिनट बाद तक कुछ न खाएं कुछ न पिएं। यही वाटर थेरेपी कहलाती है। अगर आपको लगे कि उपलब्ध पानी निर्मल नहीं है तो पानी को उबालकर ठंडा कर लें। क्या यह संभव है कि व्यक्ति एक ही बार में 1.50 लीटर पानी पी सकता है। हां, शुरू में थोड़ी दिक्कत महसूस होगी, लेकिन कुछ समय बाद में आदत पड़ जाएगी। बासी मुंह पानी पीने में क्या तुक है? दरअसल रात-भर की लार पानी के जरिए पेट में पहुंचाना, इसका उद्देश्य हो सकता है। जहां तक मुंह में मौजूद जीवाणुओं का सवाल है, तो इनके पेट में उतरने से कोई नुकसान नहीं होता है।

इलाज वाटर थेरेपी के

वाटर थेरेपी के माध्यम से सिर दर्द, बदन का दर्द, दमा, मिर्गी, मोटापा, संधिवात, बवासीर, कब्ज, हृदय के विकार, गुर्दे के विकार, गुर्दे की पथरी, मस्तिष्क ज्वर, टीबी, औरतों के मासिक धर्म के विकार, अतिसार, उल्टी होना, आंखों के सभी रोग, कान के रोग, गले की बीमारियां आदि को दूर करता है।

वाटर थेरेपी के लाभ

दिन-भर तरो-ताजा उत्साहित महसूस होना, शरीर की कांति में वृद्धि, मोटापा से मुक्ति, तनाव से मुक्ति, हाजमा अच्छा होना। जल-चिकित्सा भारत और जापान में बहुत समय पहले से ही अस्तित्व में है। भारत में तांबे के पात्र में रात-भर रखे पानी को पीने का निर्देश दिया गया है।

अधिक पानी पिएं

अगर आप 1.5 लीटर पानी एक दफा में नहीं पी सकें तो पहले एक लीटर पानी पिएं। 5 मिनट बाद आधा लीटर पिएं, इसका भी वही प्रभाव होगा। वाटर थेरेपी का प्रभाव बढ़ाने के लिए यह प्रक्रिया दिन में दो या तीन बार भी की जा सकती है। जहां तक इस चिकित्सा से होने वाले लाभ का सवाल है, मेरा मानना है कि आप जब तक इसे खुद व्यवहार में नहीं लाएंगे आपको विश्वास होगा ही नहीं कि वाटर थेरेपी इतना जबर्दस्त प्रभाव रखती है। वाटर थेरेपी के दौरान दिन-भर में याने 24 घंटे में मौसम के मुताबिक 4से 6लीटर पानी पीना उत्तम है।

दूर होंगी बीमारियां?

- इसके माध्यम से हाई ब्लड प्रेशर को 30 दिन, पेट के रोग 10 दिन, कब्ज 10 दिन, टीबी 90 दिन
- मधुमेह 30 दिन में ठीक हो जाते हैं।
- आप अपने जीवन में पानी को विशेष महत्व दें। स्वस्थ्य व्यक्ति भी वाटर थेरेपी से लाभान्वित हो सकते हैं। यह बिना खर्चे का प्रभावशाली इलाज है।

स्नान करें तो ऐसा

एक स्नान बम साइट्रिक एसिड का एक मधुर सुगंधित मिश्रण है, जिसमें आप सोड़ा को गर्म करके अपने टब में डाल कर नहा सकते हैं। यह आरामदायक स्नान बम है। इसके लिए आपको 1/3 भाग साइट्रिक एसिड और 2/3 हिस्सा पाक के साथ ही एक स्प्रे बोतल भी लें, ताकि जब आप नहाएं तो आपको खुशबू का अहसास हो।

आवश्यकताएं

2 कप- पाक सोड़ा के, 1/2 कप साइट्रिक एसिड, 1/4 बड़ा चमचा तेल - इत्र, चीनी मिट्टी का कटोरा, धुंध छिड़कने वाला यंत्र।

मिश्रण को तैयार करने के लिए

मिक्स पकाना सोड़ा, साइट्रिक और चम्मच के साथ चीनी मिट्टी के कटोरे में इत्र तेल एसिड को अच्छी तरह से मिलाइए और साथ में धुंध को भी मिलाएं। यह मिश्रण तैयार होने के बाद इसे 10-15 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद स्नान करने के लिए यह मिश्रण तैयार है और आप स्नान कर सकते हैं। पहले, पाक सोड़ा और साइट्रिक एसिड एक साथ अच्छी तरह से मिश्रित कर लें। अगर आप सूखे जड़ी-बूटियों का प्रयोग कर सकते हैं, सिर्फ एक चुटकी-भर लें। यह एक मिनी स्पा इलाज है। जब भी आप नहाने जा रहे हैं तो स्नान बम को जरूर अपनाएं, यह मॉइश्चराइजिंग के लिए अनुकूलित रहता है।

कालमेघ के औषधीय गुण

- भारतीय चिकित्सा पद्धति में कालमेघ एक दिव्य गुणकारी औषधीय पौधा है, जिसको हरा चिरायता, बेलवेन, किरयित के नामों से भी जाना जाता है।
- भारत में यह पौधा पश्चिमी बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश में अधिक पाया जाता है। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिसमें एक प्रकार क्षारीय तत्व-एन्ड्रोग्राफोलाइडस, कालमेघिन पाई जाती है, जिसकी पत्तियों का उपयोग ज्वर नाशक, जांडिस, पेचिस, सिरदर्द कृमिनाशक, रक्तशोधक, विषनाशक तथा अन्य पेट की बीमारियों में बहुत ही लाभकारी पाया गया है।
- कालमेघ का उपयोग मलेरिया, ब्रोंकाइटिस रोगों में किया जाता है। इसका उपयोग यकृत सम्बन्धी रोगों को दूर करने में होता है। इसकी जड़ का उपयोग भूख लगने वाली औषधि के रूप में भी होता है। कालमेघ का उपयोग पेट में गैस, अपच, पेट में केचुएं आदि को दूर करता है। इसका रस पित्तनाशक है।
- यह रक्तविकार सम्बन्धी रोगों के उपचार में भी लाभदायक है। सरसों के तेल में मिलाकार एक प्रकार का मलहम तैयार किया जाता है जो चर्मरोग जैसे दाद, खुजली इत्यादि दूर करने में बहुत उपयोगी होता है। चिली में किए गए एक प्रयोग में यह पाया गया कि सर्दी के कारण बहते नाक वाले रोगी को 1200 मिलीग्राम कालमेघ का रस दिए जाने पर उसकी सर्दी ठीक हो गई।
- इंडियन ड्रग इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है कि कालमेघ में रोग-प्रतिरोधात्मक क्षमता पाई जाती है और यह मलेरिया और अन्य प्रकार के बुखार के लिए रामबाण दवा है। इसके नियमित सेवन से रक्त शुद्ध होता है तथा पेट की बीमारियां नहीं होतीं। यह लीवर यानी यकृत के लिए एक तरह से शक्तिवर्धक का कार्य करता है। इसका सेवन करने से एसिडिटी, वात रोग और चर्मरोग नही होते।

छोटी-सी कीवी में सेहत भरी है इसमें विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। नए शोध में पता चला है कि अन्य स्रोतों की तुलना में कीवी फ्रूट विटामिन सी के लिए ज्यादा फायदेमंद है।

विटामिन की पुड़िया कीवी

अच्छी सेहत के लिए विटामिंस बेहद जरूरी हैं। इनमें विटामिन-सी जहां ऊर्जा का एक अच्छा स्रोत है, वहीं यह शरीर के सभी ऊतकों और अंगों की कार्यप्रणाली के लिए भी आवश्यक है। अब शोधकर्ताओं ने अपनी एक रिसर्च में पता लगाया है कि कीवी-फ्रूट विटामिन-सी का काफी अच्छा स्रोत है और यह अन्य फूड सप्लिमेंट के मुकाबले बेहतर परिणाम देता है। सप्लिमेंट से 5 गुना ज्यादा प्रभावी यूनिवर्सिटी ऑफ ऑटागो के शोधकर्ताओं ने चूहों पर कीवी-फ्रूट के अध्ययन के जरिए पाया कि यह फल विटामिन-सी के अन्य सप्लिमेंट के मुकाबले 5 गुना अधिक असरदार है। प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर मार्गेट विसर्स ने बताया कि विटामिन-सी शरीर की महत्वपूर्ण क्रियाओं के लिए आवश्यक है। शरीर में इस विटामिन की खपत सबसे ज्यादा होती है। इस महत्वपूर्ण रिसर्च को अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित किया गया है।

कार्यक्षमता में अधिक विकास

शोधकर्ताओं ने कुछ चूहों को दो समूहों में बांटकर एक समूह को शुद्ध विटामिन-सी और दूसरे समूह को कीवी-फ्रूट दिए। एक महीने तक निरंतर अध्ययन के बाद कीवी-फ्रूट लेने वाले चूहों की कार्यक्षमता में अधिक विकास पाया गया। प्रोफेसर विसर्स ने बताया कि चूहों पर की गई यह रिसर्च इंसानों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण साबित होगी।

ऐसा सिद्ध हो चुका है कि गर्मियां हमें थका देती हैं और ऐसे मौसम में हमें कुछ हद तक गुस्सा भी आने लगता है। ऐसी स्थिति में गुस्से को नियंत्रित करने के लिए क्या करना चाहिए। इन स्थितियों का मुकाबला करने के लिए सबसे अच्छा उपाय है कि आप योगा करें। यह समीरिक प्राणायाम आप कुछ सेकण्ड तक कर सकते हैं।

शीतली व्यायाम से मिले गर्मी से निजात

पुराने समय में हिमालय पर मौलिक संत अपने दिमाग को केंद्रित करने के लिए ऐसे व्यायाम किया करते थे। इस तरह के अभ्यास को शीतली कहा जाने लगा, जिसका अर्थ है ठंडी सांस लेना। ध्यान के उस लम्बे समय में संत प्रकृति के बारे में सोचते थे। अपनी जिह्वा को मोड़कर किए जाने वाले इस व्यायाम से हमारी सांसें नम रहती हैं और इससे पानी से सैचुरेटेड हवा आती जाती रहती है।

शीतली व्यायाम के फायदे

- शीतली से भूख और प्यास का स्तर नियंत्रित रहता है और एकांत के लिए स्नेह एकत्रित होता है। इस अभ्यास से वातावरण में नमी आती है और शरीर ठंडा होता है।
- आयुर्वेद की भाषा में यह पित्त को समाप्त करने में भी मदद करता है, जो कि गर्मियों के मौसम में बहुत आम है।
- इस अभ्यास से रक्तचाप नियंत्रित रहने के साथ साथ तेज़ बुखार भी नियंत्रित रहता है।

सावधानियां

शीतली और सीतकारी से शरीर का तापमान ठीक रहता है और इस व्यायाम को गर्मियों में करने से आप ताकत का अनुभव करेंगे।

शीतली व्यायाम कैसे करें

- सर्वप्रथम अपने शरीर को आराम की मुद्रा में लाकर अपने सर, गले और स्पाइन को एक सही स्थिति में रखकर आराम से बैठ जायें।
- शुरू के कुछ मिनटों तक डायफ्राम से सांस लें और अपने मुंह को खोलकर ओ का आकार बनायें।
- अपनी जिह्वा को सीधा मोड़ कर मुंह के अन्दर ले जायें।
- जैसे आप स्ट्रा की मदद से कोई भी पेय पदार्थ लेते हैं, वैसे ही अन्दर की ओर सांस लें।
- सांसों के ठंडे होने का एहसास पेट के केन्द्र में होना चाहिए।
- फिर धीरे धीरे अपनी जीभ को पुरानी स्थिति में लाकर सांस को नाक से बाहर की ओर छोड़ें।
- 2 से 3 मिनट तक सीतली करने के बाद फिर से डायफ्रामेटिक ब्रीथिंग को कुछ मिनट के लिए शुरू करें।
- धीरे धीरे आप कम से कम 10 मिनट तक व्यायाम कर इसे अपनी आदत बना सकते हैं।

जीभ को मोड़ने के अन्य विकल्प

- अपने शरीर को सबसे पहले आराम की मुद्रा में लाकर अपने सर, गले और स्पाइन को एक सही स्थिति में रखकर आराम से बैठ जायें।
- धीरे-धीरे अपने ऊपर और नीचे के दांतों को दबाएं और दांतों पर हवा लगने दें।
- आपका ध्यान सांस लेने के दौरान सांसों के हिसिंग की आवाज पर होना चाहिए और इस दौरान दांतों के बीच में थोड़ी जगह भी होनी चाहिए।
- इसके पश्चात अपने मुंह को बंद करें और नाक के रास्ते सांस लें। इस अभ्यास को सीतकारी कहते हैं। इस व्यायाम को लगभग 20 बार करें।
- इस प्रकार ठंड के प्रभाव के साथ योग प्रदीप्तिका के अनुसार सीतकारी से एण्डोक्राइन सिस्टम में स्थिरता आती है और जिंदादिली आती है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में 21 सितंबर को होगा राष्ट्रपति पद का चुनाव

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव आगामी 21 सितंबर को होंगे। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह घोषणा की। इसी के साथ देश में महीनों से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि निर्वतमान राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे का कार्यकाल बढ़ाने के लिए चुनाव की तारीख आगे खिसका दी जाएगी। सरकारी गजट संख्या 2394/51 शुक्रवार को जारी की गई, जिसमें कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद-31 (3) के तहत मतदान 21 सितंबर को होगा, जबकि 15 अगस्त को नामांकन स्वीकार किए जाएंगे। चुनाव की घोषणा से पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का शेष कार्यकाल समाप्त हो जाएगा, जिन्हें आर्थिक संकट से निपटने में नाकाम रहने पर 2022 के मध्य में इस्तीफा देना पड़ा था। नवंबर 2019 में जब पिछला राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, तब राजपक्षे ने लगभग सात लाख मतों से जीत दर्ज की थी। दरअसल, वर्ष 1948 के बाद से सबसे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में 2022 की शुरुआत में लाखों लोग तत्कालीन राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। राजपक्षे को नौ जुलाई 2022 को देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद संसद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे को उनका उत्तराधिकारी चुना था।

बाइडन भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस ने कहा है कि जो बाइडन भारत में इस साल होने वाले 'क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम इस साल वहां होने वाले 'क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अब भी प्रतिबद्ध हैं, लेकिन इस संबंध में अभी कैलेंडर पर कुछ भी निर्धारित नहीं किया गया है। 'क्वाड बाइडन की पहल है और ऑस्ट्रेलिया, जापान, भारत एवं अमेरिका इसके सदस्य देश हैं। बाइडन ने वर्ष 2020 में राष्ट्रपति के तौर पर अपने कार्यकाल के शुरुआती 100 दिन में 'क्वाड देशों के नेताओं का एक ऑनलाइन शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। तब से 'क्वाड नेता बारी-बारी से वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करते रहे हैं। इस वर्ष भारत शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। किर्बी ने कहा कि बाइडन इस बार राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल नहीं हैं, तो निश्चित रूप से यह उम्मीद की जा सकती है कि भविष्य में ऐसी कई तारीख उपलब्ध होंगी, जो पहले नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''इसलिए हम सभी इस बात पर विचार कर रहे है।

ग्लोबल वार्मिंग पर यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने जताई चिंता

लंदन एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने लगातार बढ़ती गर्मी पर दुनिया को चेताया है। गुटेरेस ने कहा कि विभिन्न देशों में जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी चरम पर है। उन्होंने कहा कि अगर इसकी तात्कालिकता पर काम नहीं किया गया तो दुनिया को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। बता दें कि हाल ही में दुनिया में रिकॉर्ड सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया था, जिसके बाद गुटेरेस ने ये बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया को बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना करना चाहिए। जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में हीटवेव को तेज और लंबे समय तक चलने वाला बना रहा है। इस वर्ष पहले ही कई लोगों की जान भीषण गर्मी ने ले ली। हज तीर्थयात्रा पर गए 1300 लोगों की भी हीटवेव से जान चली गई थी। वहीं, अफ्रीका और एशिया में लगभग 8 करोड़ बच्चों के स्कूल बंद करने पड़े। यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, जून 2023 से अब तक का हर महीना पिछले वर्षों की तुलना में सबसे गर्म महीना रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने विभिन्न देशों की सरकारों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को कम करने के साथ बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षा को मजबूत करने का आह्वान किया। इसी के साथ एंटोनियो गुटेरेस ने श्रमिकों के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाने का आह्वान किया।

अमेरिकी संसद में मांग- भारत को नाटो जैसी तवज्जो मिले, पाकिस्तान के लिए सुरक्षा मदद बंद हो, इससे चीन को काउंटर करने में मिलेगी मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद में गुरुवार को भारत को जापान, इजराइल, साउथ कोरिया और नाटो सहयोगियों के स्तर पर ही तवज्जो देने की मांग उठाई गई है। इसके अलावा पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाता है तो उसके लिए सुरक्षा सहायता बंद करने की भी अपील की गई है।

अमेरिकी सांसद मार्को रूबियो ने इसके लिए संसद में एक बिल पेश किया है। बिल में कहा गया है कि भारत को अमेरिका के प्रमुख सहयोगियों के तौर पर ही तकनीकी सहायता की जाए। इसके अलावा आतंकवाद के खतरे से निपटने में भी साथ दिया जाए। इस बिल को अमेरिका-भारत डिफेंस को-ऑपरेशन एक्ट नाम दिया गया है। प्रस्ताव पेश करने के बाद अमेरिकी सांसद ने कहा, कम्युनिस्ट चीन इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही वह हमारे क्षेत्रीय सहयोगियों की संप्रभुता का भी उल्लंघन करता रहता है। ऐसे में यह जरूरी है कि अमेरिका भारत जैसे अपने सहयोगियों को चीन से निपटने में मदद करे।

रूस से हथियार खरीदने पर नहीं लगेगी पाबंदियां : अगर यह बिल पास होता है तो अमेरिका भारत को अपनी क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा के लिए रक्षा, तकनीक और आर्थिक स्तर पर मदद करेगा। इसके अलावा दोनों देशों में मेडिसिन, मिलिट्री और सिविल स्पेस के क्षेत्र में भी को-ऑपरेशन बढ़ेगा।

ये आपकी घृणात्मक सोच को दर्शाता है, कमला हैरिस पर रिपब्लिकन नेताओं के बयान पर बरसा व्हाइट हाउस

वाशिंगटन एजेंसी। कमला हैरिस पर बढ़ते लैंगिक भेदभाव और नस्लवादी हमलों को लेकर अब व्हाइट हाउस का बयान सामने आया है। व्हाइट हाउस ने कहा कमला हैरिस उपराष्ट्रपति हैं और उन पर ऐसे बयान देना घृणा को दर्शाता है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि यह हताश करने वाला है। मुझे लगता है कि यह घृणित है और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें वह सम्मान मिलना चाहिए। वह लगभग चार वर्षों से राष्ट्रपति के साथ काम कर रही हैं।

जीन ने कहा कि वह एक पूर्व सीनेटर हैं और अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने और हमें महामारी से निपटने में भी मदद की। उन्होंने कहा कि कमला हैरिस के खिलाफ घृणा इस स्तर तक बढ़ गई है कि सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन को अपने रिपब्लिकन सांसदों से इस तरह के हमले से बचने के लिए कहना पड़ा है। रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस पर अपने नेताओं द्वारा निजी हमले करने पर आपत्ति जताई है। निक्की ने कहा कि लिंग या नस्ल आधारित हमले से किसी को मदद नहीं होने वाली और नीतियों के आधार पर आलोचना करने को कहा। निक्की हेली ने आगे कहा कि रिपब्लिकन नेताओं को इस तथ्य के बारे में बात करनी चाहिए कि कमला हैरिस ने हमेशा हमारे मित्र इजराइल के बजाय फलस्तीनी विरोध का पक्ष लिया। निक्की ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कैसी दिखती हैं। इससे फर्क पड़ता है कि उन्होंने क्या कहा, उन्होंने किसके लिए लड़ाई लड़ी और इसके कारण हमारा देश कहां खड़ा है। निक्की ने कहा कि लोगों को ये बताना होगा कि वो कर्ज चुकाने के बारे में बात नहीं करना चाहती हैं। वह कर बढ़ाना चाहती हैं।

मैं चुप नहीं बैठूंगी गाजा में इजरायल के लगातार हमलों पर कमला हैरिस की नेतन्याहू को दो टूक

वॉशिंगटन एजेंसी। इजरायल हमास युद्ध के बीच अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर तैयारी चल रही है। खराब स्वास्थ्य की वजह से 81 वर्षीय जो बाइडन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह कमला हैरिस बतौर राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देंगी। इसी बीच गुरुवार को कमला हैरिस ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कमला हैरिस ने बेंजामिन नेतन्याहू के सामने गाजा में फंसे लोगों को मुद्दा उठाया। उन्हें पीएम नेतन्याहू को दो टूक सुनाते हुए कहा कि गाजा में मासूमों की हत्या पर वह चुप नहीं रहेंगी। उन्होंने नेतन्याहू से कहा कि बातचीत के जरिए तत्काल युद्धविराम की जरूरत है। कमला हैरिस ने कहा कि गाजा में लाखों लोग भूखमरी के शिकार हैं। कमला हैरिस ने आगे कहा, मैंने हमास के बंधकों के परिवारजनों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि वो गाजा में लोगों की दिक्कतों को लेकर चुप नहीं रहेंगी। कमला हैरिस ने बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इजरायल को बचाव का अधिकार है लेकिन बीते 9 महीने में जो कुछ हुआ है वो बेहद खतरनाक और विनाशकारी है। कमला हैरिस ने कहा कि गाजा से जो तस्वीरें सामने आ रही है वो काफी भयावह है। बच्चों की लाशों की तस्वीरें देखकर दुनिया दुखी है। गाजा के हालात से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है।

मैक्सिकन ड्रग माफिया अमेरिका में गिरफ्तार, सरकार ने रखा था 125 करोड़ रुपये का इनाम

मेक्सिको। मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और सिनालोआ कार्टेल के सह-संस्थापक इस्माइल एल मेयो ज़ाम्बाडा को अमेरिकी संघीय एजेंटों ने टेक्सास के एल पासो में गिरफ्तार कर लिया है। उनके साथ एल चापो के बेटे, जोआक्विन गुज़मैन लोपेज़ को भी गिरफतार किया गया है। ज़ाम्बाडा पर फेंटानाइल के निर्माण और तस्करी, और अन्य ड्रग्स (कोकीन, हेरोइन, मेथामफेटामाइन) की तस्करी के आरोप हैं। ज़ाम्बाडा की गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी सरकार ने .15 मिलियन (125 करोड़) का इनाम घोषित किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है और बताया है कि दोनों पर कार्टेल के आपराधिक ऑपरेशनों, विशेष रूप से फेंटानाइल के निर्माण और तस्करी के लिए कई आरोप लगाए गए हैं. 76 वर्षीय ज़ाम्बाडा ने जोआक्विन एल चैपो गुज़मैन के साथ मिलकर अपराध सिंडिकेट की स्थापना की थी, जो वर्तमान में अमेरिका की जेल में बंद है। फरवरी में, ज़ाम्बाडा पर अमेरिकी अभियोजकों ने फेंटानिल बनाने और वितरित करने की साजिश का आरोप लगाया था। यह दवा हेरोइन से भी अधिक शक्तिशाली है और अमेरिकी ओपिओइड संकट के लिए इसे ही जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि ये दोनों व्यक्ति दुनिया के सबसे हिंसक और शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्करी संगठनों में से एक का नेतृत्व करते हैं। गारलैंड ने कहा, एल मेयो और गुज़मैन लोपेज़ सिनालोआ कार्टेल के नेताओं और सहयोगियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें न्याय विभाग संयुक्त राज्य अमेरिका में जवाबदेह ठहरा रहा है।

बांग्लादेश के छात्र क्यों कर रहे विरोध? इसके पीछे कौन है?

ढाका, एजेंसी। हाफिज आमिर हसन लिखते हैं कि इस साजिश की प्रकृति से यह पता चलने लगा है कि इसका उद्देश्य बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग (एएल) सरकार को बदनाम करना है, जिसने लगातार दो चुनावों में जीत दर्ज की है। इस बात के पर्याप्त संकेत हैं कि 18-19 जुलाई को छात्रों द्वारा कथित रूप से नेतृत्व किया गया तथाकथित कोटा सुधार आंदोलन, जिसके कारण बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर अशांति फैल रही है, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी)-जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) की साज़िश से प्रेरित है। इस साज़िश की प्रकृति से पता चलता है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग (एएल) सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से एक गहरी साज़िश रची गई है, जिसके खाते में लगातार दो चुनावी जीत दर्ज हैं। ढाका पुलिस ने संकेत दिया है कि पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा समर्थित प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) की छात्र शाखा छात्र शिबिर ने हिंसा भड़काने और बांग्लादेश में छात्र विरोध को एक राजनीतिक आंदोलन में बदलने में प्रमुख भूमिका निभाई है, जिसने लाखों लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। हर कुछ सालों में विपक्षी बीएनपी, जो लोगों का समर्थन और सहानुभूति खो चुकी है, किसी न किसी मुद्दे पर हिंसक विरोध प्रदर्शन करके सरकार की वैधता को कमज़ोर करने की कोशिश करती है। यह देशव्यापी हड़ताल और नाकेबंदी आयोजित करने में माहिर हो गई है, जिससे अक्सर बांग्लादेश में थम-सा जाता है। इस हालिया छात्र विरोध प्रदर्शन को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी द्वारा खुले तौर पर समर्थन दिया गया था, जिसमें बांग्लादेश के निर्माण से पहले पूर्वी पाकिस्तान में स्थानीय लोगों के नरसंहार में पाकिस्तानी सेना की मदद करने वाले रजाकार भी शामिल थे। पाकिस्तान की सेना और आईएसआई का मकसद शेख हसीना सरकार को अस्थिर करना और विपक्षी बीएनपी को फिर से सत्ता में लाना है।

एक प्रतिशत अमीरों की संपत्ति 42 लाख करोड़ बढ़ी

अमेरिका, एजेंसी। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के मुताबिक टॉप 1% आने वाले अमीरों की औसत संपत्ति में पिछले 10 वर्षों में 3 करोड़ 35 लाख रुपये का इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे अमीर 1% लोगों की दौलत में करीब 42 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। ये जानकारी ऑक्सफैम ने हाल ही में एक रिपोर्ट में दी है। ये रकम दुनिया की आधी जनता की कुल दौलत से भी 36 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इतनी ज्यादा कमाई होने के बाद भी इन अमीरों ने अपनी कुल दौलत का सिर्फ आधा फीसदी टैक्स दिया है जो कि अब तक में सबसे कम है। जबकि पिछले चार दशकों में इन अमीरों की संपत्ति में हर साल औसतन 7.1त्र की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया में सबसे ज्यादा अमीर G20 देशों में रहते हैं। इसी साल नवंबर में ब्राजील में G20 होने जा रहा है जहां पर इन अमीर लोगों पर ज्यादा टैक्स लगाने की चर्चा हो सकती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमीर और गरीब के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमीर और गरीब के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

अमीर और गरीब के बीच फासला और बढ़ा : रिपोर्ट के मुताबिक हाल के दशकों में अमीर लोगों की दौलत बहुत तेजी से बढ़ी है, लेकिन इन पर लगने वाले टैक्स बहुत कम हो गए हैं। इससे अमीर और गरीब के बीच का फासला बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ज्यादातर लोग बहुत कम पैसे में गुजारा कर रहे हैं। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में इस सप्ताह G20 के वित्त मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इस दौरान ये नेता बेहद अमीर लोगों पर टैक्स बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही ये इस पर भी चर्चा करेंगे कि इनके टैक्स बचाने के इनके तरीकों पर कैसे लगाम लगाई जाए। रिपोर्ट के मुताबिक G20 का अध्यक्ष ब्राजील चाहता है कि इन देशों के साथ मिलकर अमीर लोगों पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए। वह इस मुद्दे पर बाकी देशों से सहयोग चाहता है। फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और अफ्रीकी संघ इस बात के पक्ष में हैं, लेकिन अमेरिका इसके खिलाफ है।

जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से की मुलाकात

बीजिंग, एजेंसी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और बीजिंग के साथ द्विपक्षीय संबंधों में ''स्थायित्व लाने और ''पुनर्बहाली के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तथा पिछले समझौतों का ''पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह जयशंकर और वांग की इस महीने दूसरी मुलाकात थी। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में मौजूद दोनों नेताओं ने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर भी सहमति व्यक्त की। जयशंकर ने यहां आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान वांग से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''सीपीसी (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना) पोलित ब्यूरो सदस्य और (चीन के) विदेश मंत्री वांग यी से आज वियनतियान में मुलाकात की। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चर्चा जारी रही। सीमा की स्थिति निश्चित रूप से हमारे संबंधों की स्थिति पर प्रतिबिंबित होगी। भारत का कहना है कि जब तक सीमा क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर और वांग के बीच वार्ता पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद जारी रहने के बीच हुई जो मई में अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर गया। उन्होंने कहा, ''वापसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन दिए जाने की आवश्यकता पर सहमति बनी। एलएसी और पिछले समझौतों का पूरा सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। हमारे संबंधों को स्थिर करना हमारे आपसी हित में है। हमें वर्तमान मुद्दों पर उद्देश्य और तत्परता की भावना का रुख रखना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैठक ने दोनों मंत्रियों को चार जुलाई को अस्ताना में अपनी पिछली बैठक के बाद से स्थिति की समीक्षा करने का अवसर दिया।

मंत्रालय ने कहा, ''उनकी बातचीत द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व लाने और पुनर्बहाली के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित शेष मुद्दों का शीघ्र समाधान खोजने पर केंद्रित थी। इसने कहा, ''दोनों मंत्री जल्द से जल्द सैनिकों की पूर्ण वापसी के लिए उद्देश्य और तत्परता के साथ काम करने की आवश्यकता पर सहमत हुए। सीमाओं पर शांति तथा एलएसी के प्रति सम्मान द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति के लिए आवश्यक है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्षों को अतीत में दोनों सरकारों के बीच हुए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों, प्रोटोकॉल और समझ का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। विदेश मंत्री ने हमारे संबंधों के लिए तीन परस्पर महत्वों-आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की जल्द ही बैठक करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने वैश्विक और क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

बाइडेन और हैरिस से मिले नेतन्याहू, गाजा में जारी युद्ध पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात कर गाजा में जारी युद्ध पर चर्चा की। साल 2020 के बाद नेतन्याहू पहली बार व्हाइट हाउस गए। पिछली बार जब वह व्हाइट हाउस गए थे, तब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब गाजा में नौ महीने से जारी युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव बढ़ रहा है। दर्जनों इजराइली बंधक अब भी हमास के कब्जे में हैं और गाजा में 39 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिणपंथी कही जाने वाली लिकुड पार्टी के नेता नेतन्याहू और मध्यमार्गी विचारधारा वाली डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडेन के रिश्तों में हालिया कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। हैरिस बाद में नेतन्याहू से अलग से मुलाकात करेंगी। नेतन्याहू और हैरिस के बीच आखिरी बार 2021 में आमने-सामने बातचीत हुई थी, लेकिन वह बाइडन और नेतन्याहू के बीच 20 से बार बातचीत में शामिल रही थीं। बाइडेन इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम होने और गाजा में बंधक बनाए गए बंधकों को तीन चरण में रिहा कराने के समझौते के लिए दबाव डाल रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि वार्ता अंतिम चरण में है और कुछ मुद्दे बचे हैं जिनका समाधान किया जाना है। नेतन्याहू बाइडेन से मुलाकात करने के बाद हमास द्वारा बंधक बनाए गए अमेरिकियों के परिवारों से मुलाकात करेंगे।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी बोलीं- मेरे पिता क्रूर हैं उनसे कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती

अमेरिकी, एजेंसी। टेस्ला के CEO इलॉन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी विवियन जेना विल्सन ने अपना जेंडर बदलवाने के बाद पहला इंटरव्यू दिया है। अमेरिकी मीडिया NBC न्यूज से बात करते हुए विवियन ने मस्क को निर्दयी और क्रूर बताया है। दरअसल, कुछ दिन पहले मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने उनसे उनके बेटे को अलग कर दिया था। इस पर जवाब देते हुए मस्क की 20 साल की बेटी विवियन बोली, मस्क ने कहा था कि मैं एक लड़की नहीं हूं। मैं उनके लिए मर चुकी हूं। यह कहकर उन्होंने हद पार कर दी। अगर वे लाखों लोगों के सामने झूठ बोलेंगे तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। दरअसल, एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन करवाया था।

मस्क ने कभी साथ नहीं दिया, हमें मां के पास छोड़ा : अपने बचपन को याद करते हुए विवियन ने कहा, मस्क कभी भी एक अच्छे पिता नहीं रहे। उन्होंने कभी हमारा साथ नहीं दिया। मुझे और मेरे भाई-बहनों को मां के पास छोड़ दिया था। वे जब भी मिलते थे तो हमसे बुरा व्यवहार करते थे। हमेशा चिल्लाते रहते थे। वे लापरवाह थे। उनका ध्यान सिर्फ खुद पर रहता था।

विवियन ने बताया कि वह बचपन से ही एक लड़की जैसा महसूस करती थीं। इस पर मस्क ने उन्हें कई बार प्रताड़ित भी किया था। मस्क उसे बार-बार लड़कों की तरह रहने का दबाव डालते थे। विवियन ने कहा, जब मैं चौथी कक्षा में थी तब हम रोड ट्रिप पर गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि वो मस्क की कार का एडवरटाइजमेंट था। वह पूरे समय हम पर चुप रहने के लिए चिल्ला रहे थे।

मस्क ने कहा था- जेंडर बदलवाने की सर्जरी ने बेटे को मुझसे दूर किया : मस्क की

बेटी ने इंटरव्यू में कहा कि वे अपने पिता से कोई संपर्क नहीं रखना चाहती हैं। वे 20 साल की हैं और अपने फैसले खुद ले सकती हैं। दरअसल, इलॉन मस्क ने अमेरिकी कमेंटेटर जॉर्डन पीटरसन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि जेंडर बदलने की सर्जरी असल में बच्चे की हत्या और नसबंदी करने जैसा है। यह एक वायरस है। मस्क ने बताया था कि कोविड-19 महामारी के दौरान उनसे धोखे से बेटे का जेंडर बदलवाने से जुड़े दस्तावेज साइन करवाए गए थे। उन्हें कहा गया था कि उनका बेटा आत्महत्या कर सकता है। BBC के मुताबिक, इलॉन ने पिछले साल कहा था कि वे ट्रांसजेंडर मेडिकल ट्रीटमेंट को अपराध घोषित करने के लिए लड़ाई लड़ेंगे।

विवियन ने सर्जरी के बाद पिता का नाम छोड़ा : 2022 में सर्जरी के बाद विवियन ने कहा था कि वे अपने पिता इलॉन मस्क से कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती हैं। विवियन ने अपने नाम से मस्क हटाकर मां का सरनेम लगाया था। लड़के से लड़की बनने की अर्जी देने के एक महीने के बाद ही मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी को अपना समर्थन दिया था। माना गया था कि इस समर्थन की वजह अमेरिका में ट्रांसजेंडर के अधिकारों को सीमित करने को सपोर्ट करना है। विवियन की मां जस्टिन विल्सन कनाडाई लेखिका हैं। साल 2000 में क्वींस कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उनकी मस्क से मुलाकात हुई थी। इलॉन मस्क पिछले महीने ही 12वें बच्चे के पिता बने थे। ये बच्चा उनकी पार्टनर और न्यूरालिंक की मैनेजर शिवॉन जिलिसल से हुआ। मस्क का मानना है कि दुनिया इस समय कम जनसंख्या के संकट का सामना कर रही है और अच्छे वाले लोगों को बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने 2021 में कहा था कि अगर लोग ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेंगे, तो हमारी सभ्यता खत्म हो जाएगी।

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रात- काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी व्रत का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं।

भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथियां आने वाली हैं, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।